खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 19 अप्रैल, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-107

लोकतंत्र ध्वस्त करने पर आमादा सुप्रीम कोर्ट, जनता पूछ रही है सवाल

सुप्रीम कोर्ट को मस्जिदों के कागज की फिक्र, मंदिरों से मांगते हैं सबूत!

सुप्रीम कोर्ट के न्यायिक चरित्र का दोगलापन देश के आम लोगों को अब नागवार लग रहा है। अब देश के कोने-कोने से यह आवाज उठने लगी है कि न्यायालयों की अराजकता, भ्रष्टाचार और अनैतिकता पर अंकुश लगाने का कोई कारगर सिस्टम बनना चाहिए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो देश में हिंसा, दंगा और लूटमार न्यायालयों के दोगलेपन के चलते होंगे। समाज के विभिन्न हिस्सों से कई सवाल सामने आ रहे हैं। वक्फ बोर्ड के खिलाफ याचिकाएं दाखिल करने से साफ-साफ इन्कार करने वाली सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ कानून के खिलाफ याचिकाएं क्यों दाखिल कर ली? जबकि यह पूरे देश को पता है कि वक्फ कानून लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों से पारित हुआ था? सुप्रीम कोर्ट भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था को ध्वस्त करने पर क्यों तुली हुई है? अयोध्या और राम के जन्म का प्रमाण मांगने वाली अदालतें वक्फ पर खुद ही रुदालियां करने लगती हैं कि 15 सौ साल पुरानी मस्जिद का कागज वे कहां से लाएं? अदालत राम मंदिर के लिए सबूत मांगेगी और वक्फ के लिए कहेगी कि ये बेचारे कागज कहां से दिखाएंगे? अगर वक्फ बाई यूजर जैसा कोई प्रावधान हो सकता है, तो फिर मंदिर बाई यूजर और गुरुद्वारा बाई यूजर जैसा प्रावधान क्यों नहीं हो सकता? इस

शुभ-लाभ विमर्श

तरह के कई गंभीर सवालों से सुप्रीम कोर्ट और देश की तमाम अदालतें घिर गई हैं। न्यायालय की साख और प्रतिष्ठा अब पुलिसिया चरित्र से भी नीचे देखी जाने लगी है। अदालतों द्वारा खुद की हिफाजत के लिए तय किए गए सख्त प्रावधान के कारण कोई मुखर नहीं होता, यह बात अलग है।

अजीबोगरीब बात है कि वक्फ के मामले में सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना कहते हैं, कई ऐसी मस्जिदें हैं जो 14वीं-15वीं शताब्दी में बनी हुई हैं, ऐसे में वो दस्तावेज कहां से दिखाएंगे क्योंकि अंग्रेजी राज से पहले रजिस्ट्रेशन की कोई प्रक्रिया ही नहीं थी? कैसी विडम्बना और चारित्रिक विरोधाभास है, यह देखिए। अयोध्या में श्रीराम की जन्मभूमि पर एक अदद मंदिर के लिए हिंदुओं को 134 वर्षों तक कोर्ट में लड़ाई लड़नी पड़ी। कागज दिखाने की ही तो लड़ाई थी, स्वामित्व साबित करने के लिए। क्या अब काशी, मथुरा, भद्रकाली, भोजशाला और अटाला पर भी सुप्रीम कोर्ट कागज नहीं मांगेगी? क्योंकि उस समय रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था नहीं थी? यह वही सुप्रीम कोर्ट है जिसने कृषि कानूनों पर सुनवाई के बिना ही अंतरिम रोक लगा दी थी। इससे दिल्ली को घेरे अराजक प्रदर्शनकारियों के बीच यह संदेश गया था कि भीड़तंत्र का डर दिखाकर कोई भी अपनी बात मनवा सकता है। एक तरफ आप राम मंदिर के लिए कहते हैं कि सबूत लाओ और दूसरी तरफ वक्फ के लिए कहते हैं कि ये बेचारे कागज कहां से दिखाएंगे, यह दोगलापन कैसे चल सकता है? और अगर वक्फ बाई यूजर नामक कोई प्रावधान हो सकता है, फिर मंदिर बाई यूजर और गुरुद्वारा बाई यूजर जैसा कोई प्रावधान क्यों नहीं हो सकता?

वक्फ बाई यूजर ठीक तो मंदिर बाई यूजर और गुरुद्वारा बाई यूजर क्यों नहीं?

▶10 पर

वक्फ कानून के खिलाफ प्रायोजित हिंसा पर राज्यपाल गंभीर

राष्ट्रपति को हिंसा की विस्तृत रिपोर्ट भेजेंगे बोस

मालदा (पश्चिम बंगाल), 18 अप्रैल (एजेंसियां)।

वक्फ कानून के खिलाफ पश्चिम बंगाल में हो रहे सत्ता प्रायोजित दंगों को लेकर राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने सख्त रुख अपनाया है। हिंसाग्रस्त इलाकों का दौरा करने के बाद राज्यपाल ने कहा कि वे अपनी विस्तृत रिपोर्ट राष्ट्रपति को भेजेंगे। राज्यपाल ने कहा, मुर्शिदाबाद और मालदा में जिस तरह हिंसा हुई, उसे कभी बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। बोस ने हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में पीड़ितों से मुलाकात की और उनसे घटना का पूरा ब्यौरा लिया।

मुर्शिदाबाद और मालदा जिलों में हिंसा से बड़ी संख्या में महिलाएं प्रभावित हुई हैं। पीड़ित लोगों से मुलाकात करने और हिंसा प्रभावित क्षेत्रों का पूरा जायजा लेने के बाद प्रदेश के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने हिंसा की घटनाओं को मौत का नंगा नाच बताया। उन्होंने कहा कि हिंसा का रास्ता अपनाने वाली मानसिकता को जड़ से खत्म किए जाने की जरूरत है। बोस ने कहा, बंगाल में अलग-अलग जगहों से हिंसा की भयावह खबरें आ रही हैं। हमें हिंसा के पंथ को ताबूत में बंद कर ताबूत में आखिरी कील भी ठोकनी होगी। बंगाल में शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए यह बेहद जरूरी है। राज्यपाल बोस ने कहा, मुर्शिदाबाद और मालदा जैसी घटनाएं कभी नहीं होनी चाहिए। बंगाल की सड़कों पर कई जगहों पर मौत का तांडव चल रहा है, इस तरह की हिंसा को कभी बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा करने और लोगों की भावनाओं को जानने के बाद ▶10 पर

हिंसा के पंथ को ताबूत में बंद कर आखिरी कील ठोकनी होगी

वक्फ कानून के तहत अवैध कब्जों पर कार्रवाई शुरू

वक्फ के अवैध कब्जे से मुक्त कराई 93 बीघा जमीन

लखनऊ, 18 अप्रैल (एजेंसियां)।

वक्फ कानून के खिलाफ देश भर में चल रहे राजनीतिक घमासान के बीच उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने बड़ी कार्रवाई की है। योगी सरकार ने कौशांबी जिले में वक्फ के दावे की 58 एकड़ यानि 93 बीघा से अधिक जमीन मुक्त कराकर इसे सरकारी जमीन के रूप में रजिस्टर कर दिया है। वक्फ बोर्ड ने सिराथू तहसील के कड़ा धाम मिलकर में 93 बीघा जमीन पर अपना दावा ठोक रखा था। जबकि वह सरकारी जमीन थी। योगी सरकार ने यह कार्रवाई ऐसे वक्त में की है, जब देश भर में मुस्लिम संगठनों और विपक्षी दलों ने वक्फ कानून के खिलाफ कई राज्यों में आंदोलन छेड़ रखा है। सुप्रीम कोर्ट भी मुसलमानों के साथ खड़ी हो गई है। मुस्लिम संगठनों ने ऐलान किया है कि जब तक सरकार इस कानून को वापस नहीं ले लेती, वह अपना आंदोलन जारी रखेंगे।

कौशांबी के जिला मजिस्ट्रेट मधुसूदन हुल्गी ने बताया कि जिले में कुल 98.95 हेक्टेयर भूमि वक्फ बोर्ड के अंतर्गत रजिस्टर है। इसमें से 93 बीघा (करीब 58 एकड़) भूमि को वक्फ के कब्जे से मुक्त कराकर इसे सरकार के खाते में दर्ज कर लिया गया है। सरकार की ओर से यह कार्रवाई जांच के बाद की गई है। जांच में यह पता चला था कि वक्फ बोर्ड के तहत रजिस्टर होने से पहले यह जमीन ग्राम समाज के नाम पर दर्ज थी। इस जमीन के बड़े हिस्से में मदरसे और कब्रिस्तान बनाए गए थे।

▶10 पर

कौशांबी समेत अन्य कई जिलों में होगी कार्रवाई

यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल

भगवद गीता और नाट्यशास्त्र को अंतरराष्ट्रीय सम्मान

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)।

यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में भारत की अब 14 प्रविष्टियां हो गईं हैं। इसके तहत वैश्विक महत्व की दस्तावेजी विरासत को संरक्षित किया जाता है। गीता और नाट्यशास्त्र के इसमें शामिल होने से यूनेस्को में भारत का दबदबा बढ़ गया है। पीएम मोदी ने अमेरिका के साथ प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में साझेदारी के मसले पर एलन मस्क से वार्ता की। भगवद गीता और भरत मुनि के नाट्यशास्त्र को यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया गया। इसे लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुशी जताई। उन्होंने इसे दुनिया भर में हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण कहा। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भी इस पर खुशी जताई। पीएम मोदी ने कहा, दुनिया भर में फैले हर भारतीय के लिए यह गर्व का क्षण है। ▶10 पर

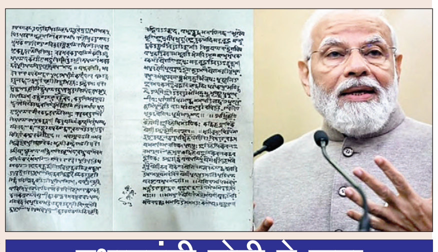

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा भारतवासियों के लिए गर्व का क्षण

भारत सरकार ने बांग्लादेश को दी सख्त हिदायत

अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर ध्यान दे बांग्लादेश

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत सरकार ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं, बौद्धों और अन्य धर्मावलंबियों की सुरक्षा पर ध्यान देने की सख्त हिदायत दी है। भारत ने कहा है कि बांग्लादेश सरकार अपने देश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की चिंता करे और अन्य देशों के आंतरिक मामलों में घुसने की आदत छोड़ दे। पश्चिम बंगाल की हिंसा पर टिप्पणी करने वाले बांग्लादेश को आड़े हाथों लेते हुए भारत सरकार ने कहा, पड़ोसी देश को अपने देश में रहने वाले अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर ध्यान देने की जरूरत है। हम पश्चिम बंगाल की घटनाओं के संबंध में बांग्लादेश की ओर से की गई टिप्पणियों को अस्वीकार करते हैं। ऐसी टिप्पणी बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न पर भारत की चिंताओं का समाधान करने के बजाय हिंसा की घटनाओं के साथ समानता दिखाने का छिपा हुआ और धूर्त प्रयास है। भारत ने बांग्लादेश को आइना दिखाते हुए कहा कि वहां हिंसा जैसे कृत्यों में संलिप्त अपराधी खुलेआम घूमते रहते हैं। ▶10 पर

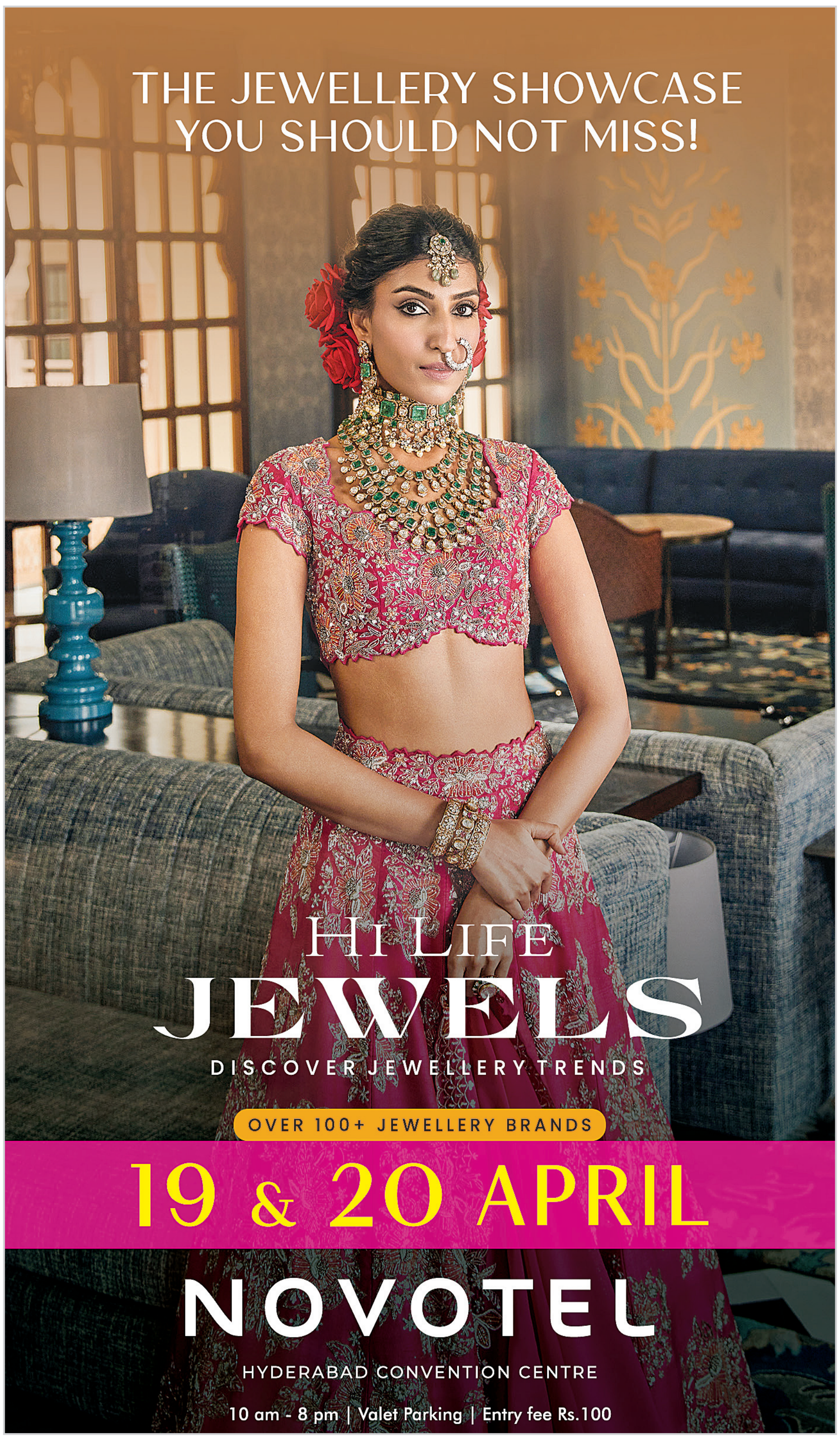

अवैध सम्पत्तियों को लेकर मुश्किल में गांधी परिवार

ईडी ने 661 करोड़ की सम्पत्ति जब्त करने की मंजूरी मांगी

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत मनी लॉन्ड्रिंग के अपराध के लिए आरोपियों के खिलाफ सजा की मांग की है। ईडी ने नवंबर 2023 में अटैच की गई 661 करोड़ रुपए की सम्पत्ति को जब्त करने के लिए मंजूरी मांगी है। ईडी ने कहा है कि मंजूरी मिलने के बाद जब्त की गई सम्पत्तियां नीलामी या किसी अन्य ऐसी प्रक्रिया के जरिए सरकारी खजाने में चली जाएंगी। प्रवर्तन निदेशालय ने (ईडी) ने एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड-यंग इंडियन-नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दायर आर-ोपपत्र में 661 करोड़ रुपए की सम्पत्ति जब्त करने की मांग की है। ईडी ने यह सम्पत्ति जांच के दौरान अटैच की थी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ईडी ने अभियोजन पक्ष के आर-ोपपत्र में कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी के बयान भी संलग्न किए हैं। ये बयान ईडी ने 2022 में उनसे पूछताछ के दौरान दर्ज किए थे।ऐसा माना जाता है कि उन्होंने एजेएल और यंग इंडियन के मामलों में किसी भी तरह की गड़बड़ी से इन्कार किया है और कहा है कि वे पूर्व कर्ज में डूबी कंपनी (एजेएल) की मदद के लिए आयोजित बैठकों का हिस्सा थे, लेकिन इन मामलों को ज्यादातर दिवंगत कांग्रेस नेता मोतीलाल वोरा ने देखा था, जो अन्य पदाधिकारियों के अलावा 2001 और 2002 के बीच एजेएल के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे। साथ ही कहा कि यंग इंडियन (वाईआई) द्वारा एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) का अधिग्रहण व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए नहीं था। आरोपपत्र ईडी ने सक्षम अदालत के समक्ष 9 अप्रैल को दायर किया गया था। यह अदालत सांसदों के खिलाफ आपराधिक ▶10 पर

ईरान–यूएस वार्ता से पहले सऊदी रक्षा मंत्री की तेहरान यात्रा, रिश्तों में नया मोड़

तेहरान ,18 अप्रैल (एजेंसियां) ।

ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर होने वाली वार्ता से ठीक पहले सऊदी अरब के रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान गुरुवार को आधिकारिक यात्रा पर तेहरान पहुंचे।

इस महत्वपूर्ण दौरे के दौरान उन्होंने ईरानी सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई से मुलाकात की और सऊदी किंग सलमान बिन अब्दुलअजिज का विशेष संदेश सौंपा।

ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार, खामेनेई ने इस मुलाकात के दौरान कहा कि, ईरान और सऊदी अरब के बीच संबंध दोनों देशों के लिए लाभकारी हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि तेहरान, रियाद के साथ रिश्तों को और बेहतर बनाने के लिए सभी बाधाओं को दूर करने के लिए तैयार है।

गौरतलब है कि 2023 में चीन की मध्यस्थता से ईरान और सऊदी अरब ने एक ऐतिहासिक समझौते के तहत राजनयिक संबंधों को फिर से स्थापित किया था। यह समझौता वर्षों की दुश्मनी और क्षेत्रीय अस्थिरता को खत्म करने की दिशा में एक बड़ा कदम था।

तेहरान यात्रा के दौरान सऊदी रक्षा मंत्री ने ईरानी सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ मोहम्मद बाघेरी से भी मुलाकात की। बाघेरी ने कहा कि, बीजिंग समझौते के बाद से सऊदी और ईरानी सेनाओं के बीच रिश्तों में उल्लेखनीय सुधार आया है।

सऊदी अरब ने अमेरिका और ईरान के बीच हो रही परमाणु वार्ता का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्रीय और वैश्विक विवादों को सुलझाने की दिशा में सकारात्मक कदम बताया है। बताया जा रहा है कि ईरान और अमेरिका के बीच रोम में इस सप्ताहांत दूसरे दौर की वार्ता होगी, जिसका केंद्र ईरान का विवादास्पद यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम रहेगा।

न्यूज ब्रीफ

यूक्रेन के प्रति नरम पड़े ट्रंप, कहा- युद्ध के लिए जेलेंस्की जिम्मेदार नहीं

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्र्म्प के यूक्रेन के प्रति सुर बदल रहे हैं। उन्होंने कहा कि रूस–यूक्रेन युद्ध के लिए जेलेंस्की जिम्मेदार नहीं हैं। वह जल्द ही यूक्रेन के साथ एक मिनरल्स डील (खनिज उत्पादन से संबंधित) पर हस्ताक्षर करने की तैयारी कर रहे हैं। इस समय इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी अमेरिका की यात्रा पर हैं।मेलोनी के साथ वार्ता के बाद डोनाल्ड ट्रम्प ने शनिवार को व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा कि वह जेलेंस्की को युद्ध के लिए जिम्मेदार नहीं मानते। लेकिन इस बात से भी खुश नहीं हूं कि उस क्षेत्र में युद्ध हो रहा है। साथ ही उन्होंने जल्द ही युक्रेन के साथ मिनरल्स डील पर हस्ताक्षर करने की बात कही। ट्रम्प ने यह बयान इटली की प्रधानमंत्री के सामने दिया है, इसलिए भी इसे खासा अहम माना जा रहा है। गौरतलब है कि राष्ट्रपति की शपथ लेने के बाद से ही डोनाल्ड ट्रम्प युद्ध को लेकर जेलेंस्की पर खासे हमलावर रहे हैं। उन्होंने बीते दिनों व्हाइट हाउस में जेलेंस्की को युद्ध के लिए जिम्मेदार बताया था। इस दौरान ट्रम्प और जेलेंस्की के बीच वाकयुद्ध तक हो गया था। उसके बाद जेलेंस्की ने ट्रम्प को यूक्रेन आकर रूस द्वारा मचाई गई तबाही को देखने का न्यौता दिया था।

बंधक छोड़ने व इजरायली सेना की वापसी पर हमास युद्ध बंद करने को तैयार

गाजा शहर। गाजा में इजरायल द्वारा की जा रही ताबड़तोड़ हमले की कार्रवाई से फिलीस्तीनी कट्टरपंथी संगठन हमास बैचेन हो गया है। उसने शर्त रखी है कि गाजा से इजरायली सेना पूरी तह से वापस हो। साथ ही फिलिस्तीनी बंदियों को भी छोड़ा जाए तो बदले में इजरायली बंदियों को भी रिहा कर देंगे। इसके बाद युद्ध भी समाप्त कर दिया जाएगा। हालांकि हमास के इस नए प्रस्ताव पर इजरायल की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। हमास के वरिष्ठ पदाधिकारी खलील अल हैया ने गुरुवार की रात एक टेलीविजन पर कहा कि यह प्रस्ताव उनकी ओर से दिया जा रहा है। यदि इस पर सहमति बनती है तो पिछले डेढ़ साल से अधिक समय से गाजा में चल रहे संघर्ष को खत्म किया जा सकता है। हालांकि हमास ने यह भी साफ किया है कि वह इजरायल की उस मांग को मंजूर नहीं करेंगे, जिसमें हमास को अपने हथियार डालने होंगे। गौरतलब है कि बीते दिनों इजरायल द्वारा 45 दिन के अस्थाई संघर्ष विराम का प्रस्ताव रखा था। इसमें शर्त रखी गई थी कि हमास

अमेरिकी नागरिक ने हाईजैक किया विमान, आरोपी ढेर

बेलमोपान। अमेरिकी नागरिक ने दुस्साहस पूर्ण कार्रवाई को अंजाम दे डाला। आरोपी ने बेलीज के घरेलू उड़ान पर जा रहे विमान को चाकू की नोंक पर हाईजैक कर लिया। लेकिन तभी आरोपी को एक विमान के यात्री ने गोली मारकर ढेर कर दिया। आरोपी की पहचान अमेरिकी नागरिक अकिन्येला सावा टेलर (65) के रूप में हुई है। घटना उस समय हुई जब विमान हवा में था। हाईजैक के समय विमान में 14 यात्री और दो चालक दल के सदस्य सवार थे। विमान घरेलू उड़ान पर कोरोजल शहर से सैन पेड्रो के लिए जा रहा था। आरोपी ने विमान को चाकू की नोंक पर देश से बाहर ले जाने का प्रयास किया। बेलीज के पुलिस कमिश्नर चेस्टर विलियम्स ने बताया कि वारदात शनिवार देर शाम की है।आरोपी टेलर ने विमान में पायटल व दो यात्रियों के चाकू भी मारे। उसके बाद एक घायल यात्री ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से आरोपी को गोली मार दी। पायटल समेत तीनों घायलों का इलाज अस्पताल में किया जा रहा है। घटना के दौरान विमान करीब दो घंटे तक हवा में चक्कर लगाता रहा। हालांकि बाद में उसे बमुश्किल सुरक्षित उतारा जा सका। कमिश्नर विलियम्स ने कहा कि बेलीज के छोटे हवाई अड्डों पर सुरक्षा व्यवस्था काफी लचर है। यह काफी चिंता का विषय है कि आरोपी विमान में चाकू लेकर कैसे चढ़ गया।

यूक्रेन युद्ध में रूस ने खोए लाखों सैनिक, अब सेना में भर्ती करने युवाओं को भेज रहा समन

कुछ युवा हाईपरटेंशन और डायबटीज जैसी बीमारियों से ग्रसित, छिपने को हैं मजबूर

मॉस्को,18 अप्रैल (एजेंसियां) ।

यूक्रेन से युद्ध के चलते रूस में सैन्य हलचल है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आदेश पर 1 अप्रैलसे देशभर में एक 'महा सैन्य भर्ती अभियान' चलाया जा रहा है, जिसमें 18 से 30 साल के करीब 1.6 लाख युवाओं को सेना में भर्ती किया जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि सेना में भर्ती के लिए कुछ हाईपरटेंशन और डायबटीज जैसी बीमारियों से ग्रसित हैं।

यह भर्ती अभियान 2011 के बाद की सबसे बड़ी कंसक्रिप्शन ड्राइव मानी जा रही है। इस अभियान के जरिए रूस की सैन्य ताकत को 25 लाख सैनिकों तक पहुंचाना है। पुतिन ने पिछले साल एक आदेश में इसका ज़िक्र किया था और अब यह योजना जमीन पर उतारी गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस बार की भर्ती पहले से कहीं ज्यादा और आक्रामक तरीके से की जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक मॉस्को के पास रहने वाले 21 साल के युवक का कहना है कि वह हाईपरटेंशन बीमारी से पीड़ित है, इसके बावजूद सेना में भर्ती के लिए उसे समन भेजा गया है। वह इन दिनों छिपकर रहने को मजबूर है और उम्मीद कर रहा है कि मेडिकल छूट के लिए आवेदन कर सकें, क्योंकि सरकार से उसे राहत नहीं मिल रही।

रिपोर्ट में मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के मुताबिक पहले युवाओं को किसी न किसी आधार पर भर्ती से छूट मिल जाती थी, लेकिन इस बार 18 से 30 साल तक की उम्र सीमा तय कर दी गई है। पहले यह सीमा 27 साल थी। एक संगठन के प्रवक्ता का कहना है कि अब समन किसी को भी मिल सकता है और इससे बचने का रास्ता तकरीबन बंद हो गया है। भले ही रूसी रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि ये सैनिक यूक्रेन नहीं भेजे जाएंगे, लेकिन जानकारों का मानना है कि ये कदम यूक्रेन युद्ध को लंबा खींचने की तैयारी है। अनुमान के मुताबिक रूस ने पिछले तीन साल में यूक्रेन से जंग में लाखों सैनिकों को खो दिया है।

ट्रंप ने हार्वर्ड यूनिवर्सिटी को दी धमकी, अब विदेशी छात्रों के दाखिले को रोकेगा

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के बीच तनाव चरम पर है। ट्रंप ने जो शर्तें रखी थीं, उसे हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने मानने से इनकार कर दिया है। ट्रंप प्रशासन ने अब हार्वर्ड को झुकाने के लिए नया पेंचरा अपनाया है। ट्रंप प्रशासन ने धमकी दी है कि अगर हार्वर्ड मांगें नहीं मानता है तो उसे विदेशी छात्रों के दाखिले से रोका जाएगा। यह विवाद न केवल हार्वर्ड की स्वतंत्रता को चुनौती दे रहा है, बल्कि उन छात्रों के सपने पर ग्रहण लगा रहा है, जो अमेरिका में पढ़ना चाहते हैं। ट्रंप उस हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के खिलाफ एक्शन लेना चाहते हैं, जिसने अब तक दुनिया को 162 नोबेल पुरस्कार विजेता दिए हैं, सिर्फ इसलिए क्योंकि ट्रंप उसपर लगाम नहीं लगा पा रहे हैं। ट्रंप ने हार्वर्ड पर सख्त सरकारी नियंत्रण की मांग की है, जिसमें दाखिला प्रक्रिया, स्टाफ भर्ती और राजनीतिक विचारों की जांच शामिल है। हार्वर्ड ने इन मांगों को खारिज कर दिया जिससे ट्रंप प्रशासन भड़क गया। होमलैंड सुरक्षा विभाग ने कहा कि अगर हार्वर्ड अपनी रिपोर्टिंग जरुरतों का पूरी तरह पालन नहीं करता है तो उसे विदेशी छात्रों के दाखिले का विशेषाधिकार खोना पड़ेगा। ट्रंप ने हार्वर्ड को मजाक करार देते हुए ट्रुथ सोशल पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि हार्वर्ड को अब एक सम्मानजनक शिक्षण संस्थान भी नहीं माना जा सकता और इसे दुनिया की महान विश्वविद्यालयों या कॉलेजों की किसी भी सूची में नहीं रखा जाना चाहिए। हार्वर्ड एक मजाक है, नफरत और मूर्खता सिखाता है और इसे अब संघीय धन नहीं मिलना चाहिए। ट्रंप ने पहले ही 2.2 बिलियन डॉलर की संघीय फंडिंग को स्थायी रूप से रोक दिया है। हार्वर्ड के अध्यक्ष ने कहा– हम अपनी स्वतंत्रता व अधिकारों से समझौता नहीं करेंगे उन्होंने इसकी टैक्स फ्री स्थिति को छीनने की भी धमकी दी है। उन्होंने विश्वविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष की भी आलोचना की, जिन्हें कथित अक्षमता के बावजूद पद से नहीं हटाया गया। हार्वर्ड के अध्यक्ष ने कहा कि यूनिवर्सिटी अपनी स्वतंत्रता और संवैधानिक अधिकारों पर कोई समझौता नहीं करेगी। हार्वर्ड ने अन्य विश्वविद्यालयों के विपरीत, सरकारी हस्तक्षेप का कड़ा विरोध किया है। अध्यक्ष ने कहा कि किसी भी सरकार को चाहे कोई भी पार्टी सत्ता में हो, यह तय नहीं करना चाहिए कि निजी विश्वविद्यालय क्या पढ़ा सकते हैं, किसे प्रवेश दे सकते हैं और किसे नौकरी पर रख सकते हैं, और अध्ययन और जांच के किन क्षेत्रों में आगे बढ़ सकते हैं।

डिजिटल युग और इंसानी भावनाओं को लेकर बाबा वेंगा की भविष्यवाणी सच साबित होती दिख रही

लंदन,18 अप्रैल (एजेंसियां) ।

बाबा वेंगा की भविष्यवाणियों को लेकर दुनिया हमेशा से हैरान रही है और इसी कड़ी में 2025 में उनकी एक और चेतावनी सच साबित होती दिख रही है। चार दशक पहले दुनिया को अलविदा कह चुकीं बाबा वेंगा ने डिजिटल युग और इंसानी भावनाओं को लेकर जो आशंका जाहिर की थी, वे आज की हकीकत बन चुकी है। उन्होंने बताया था कि 2025 में डिजिटल क्रांति अपने चरम पर पहुंचेगी और इंसान भावनात्मक रूप से खोखले होते जाएंगे। इतना ही नहीं स्मार्टफोन का अत्यधिक उपयोग न सिर्फ शारीरिक, बल्कि मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य पर भी गहरा असर डालेगा। बाबा वेंगा की चेतावनी थी कि स्मार्टफोन पर निर्भरता इंसानों को मशीनों जैसा बना देगी। वे न सिर्फ भावनाएं महसूस करने की क्षमता खाने वाले हैं, बल्कि मशीनों से भावनात्मक लगाव महसूस करने वाले है। आज के दौर में यह सच होता दिख रहा है। लोग दिन के औसतन 7 घंटे स्क्रीन पर बिताते हैं, इसमें करीब 4 घंटे स्मार्टफोन पर होते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन और कई व्यवहारिक अध्ययन यह संकेत देते हैं कि लगातार स्क्रीन पर रहने से नींद में खलल, मानसिक तनाव, चिंता और अवसाद जैसी समस्याएं समाज में बढ़ रही हैं।

शोध रिपोर्ट बताती हैं कि स्मार्टफोन की नीली रोशनी और सोशल मीडिया की डोपामाइन एक्टिविटी युवाओं के दिमाग पर बुरा असर डाल रही है। छात्रों और प्रोफेशनल्स में फोकस करने की क्षमता कम हो रही है, जबकि गहरे रिश्ते और सहानुभूति जैसी भावनाएं कमजोर पड़ रही हैं। युवा अब आमने–सामने बातचीत से कतराते हैं। बाबा वेंगा की भविष्यवाणी ने 'डिजिटल डिटॉक्स' जैसे आंदोलनों को भी जन्म दिया है। फ्रांस, दक्षिण कोरिया जैसे देशों ने इसके प्रति कदम उठाए हैं। एप्पल और गूगल ने स्क्रीन टाइम मॉनिटरिंग टूल्स पेश किए हैं। यह सब इस ओर इशारा करता है कि हम उस भविष्य में प्रवेश कर चुके हैं जिसकी चेतावनी बाबा वेंगा ने वर्षों पहले दी थी जहां इंसान मशीनों में तब्दील होते जा रहे हैं।

अमेरिका में पांच लाख का इनामी खालिस्तान समर्थक आतंकी पासिया गिरफ्तार

अमेरिका में खालिस्तान समर्थक संदिग्ध आतंकी व गैंगस्टर हैप्पी पासिया को गिरफ्तार कर लिया गया है। उस पर भारत के चंडीगढ़ के साथ ही पंजाब में कई हमले करने का आरोप है। उसे इमिग्रेशन एंड कस्टम इंफोर्समेंट ने कस्टडी में ले लिया है। उसकी गिरफ्तारी पर भारतीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पांच लाख रुपये का इनाम रखा था। गिरफ्तारी शनिवार की रात को की गई। जांच एजेंसियों को पता चला है कि पासिया पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ मिलकर भारत में आतंकी घटनाओं को अंजाम देता था। एसोसिएटेड प्रेस के मुताबिक वह पाकिस्तान में छिपे खालिस्तानी आतंकी हरविंदर सिंह रिंदा के लिए भी काम करता था। इसके निशाने पर पंजाब के जालंधर के एक पूर्व पुलिस अधीक्षक और उनका परिवार था। उसे जल्द ही भारत लाया जाएगा।

दुनिया की सबसे छोटी नदी! पलक झपकते ही पार, सिर्फ 61 मीटर लंबी

वाशिंगटन,18 अप्रैल (एजेंसियां) ।

आपने गंगा, नील और अमेजन जैसी विशाल नदियों के बारे में तो सुना ही होगा, जिनकी लंबाई हजारों किलोमीटर में होती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया में एक ऐसी भी नदी है, जिसे आप महज कुछ सेकंड में पार कर सकते हैं जी हां, यह कोई मज़ाक नहीं, बल्कि हकीकत है! इस रहस्यमयी और अनोखी नदी का नाम है रॉए नदी। यह अमेरिका के मोंटाना राज्य में स्थित है और इसकी कुल लंबाई केवल 61 मीटर (201 फीट) है। इतनी छोटी कि छलांग लगाते हुए इसे पार कर लें। छोटा पैकेट, बड़ा कमाल यह नदी अमेरिका के मोंटाना राज्य के गायंट स्प्रिंग्स से निकलती है और कुछ ही दूरी पर जाकर मिसौरी नदी में मिल जाती है। इसकी लंबाई सिर्फ 61 मीटर है। इस कारण इसे गिनीज रिकॉर्ड में 1989 से 2006 तक दर्ज रखा गया था। रॉए नदी को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दुनिया की सबसे छोटी नदी के रूप में दर्ज किया गया था। हालांकि बाद में इस श्रेणी को हटा दिया गया। और भी हैं छोटी नदियां दुनियां में रॉए नदी के अलावा भी कुछ और छोटी नदियां हैं, जो लंबाई के मामले में काफी छोटी हैं। ऐसी ही नद्रियों में तम्बोरासी नदी का नाम आता है जो इंडोनेशिया में

स्थित है और इसकी लंबाई केवल 20 मीटर है। इसके अलावा नॉर्वे की कोवासेल्वा नदी है, जिसकी लंबाई लगभग 65.6 फीट है। यहां बताते चलें कि रॉए नदी को अधिकतर संस्थाएं और रिकॉर्ड बुक्स भी दुनिया की सबसे छोटी मान्यता प्राप्त नदी मानती हैं। किसे माना जाता है नदी जब बात नदी को परिभाषित करने की आती है तो विषय विशेषज्ञों की राय भिन्न–भिन्न नजर आती है। ऐसे में यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार, किसी भी जलधारा को नदी कहलाने के लिए यह जरूरी है कि उसमें पानी लगातार बहता हो और यह पानी किसी ऊंचे क्षेत्र से आकर किसी समुद्र, झील या दूसरी नदी में मिल जाए। रॉए नदी इस परिभाषा को पूरी तरह फिट बैठती है, इसलिए इसका नदी कहलाना भी पूरी तरह वाजिब है। जहां एक ओर हम विशाल नदियों की गाथाएं सुनते आए हैं, वहीं रॉए नदी जैसी अनोखी और मिनिएचर जलधाराएं भी दुनिया के भौगोलिक अजूबों में शामिल हैं।

प्रधानमंत्री ओली की माओवादी को चेतावनी, कहा-द्वंदकाल के दौरान किए गए अपराधों को माफ नहीं किया जाएगा

काठमांडू,18 अप्रैल (एजेंसियां) ।

प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने विपक्षी दल माओवादी को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि नेपाल के दशकों तक लंबे सशस्त्र संघर्ष के दौरान तत्कालीन विद्रोही समूह माओवादी द्वारा किए गए जघन्य अपराधों को किसी भी बहाने माफ नहीं किया जा सकता है।

नेपाल के पूर्व सैनिकों और पुलिस संगठन के छठे राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सशस्त्र संघर्ष के कारण पीड़ित हुए एक–एक नेपाली नागरिक को न्याय दिलाने के लिए उनकी सरकार कटिबद्ध है। माओवादी विद्रोहियों द्वारा आम नागरिकों और नेपाल के सुरक्षा बलों के साथ किए गए अमानवीय और जघन्य अपराधों को आम माफी नहीं दी जा सकती है। इसके लिए नेपाल सरकार ने बार बार अंतराष्ट्रीय जगत के सामने प्रतिबद्धता भी व्यक्त की है। उन्होंने जोर देकर कहा कि संक्रमणकालीन न्याय संपादन के लिए गठित सत्य निरूपण आयोग और लापता व्यक्तियों की जांच के लिए आयोग की जवाबदेही सुनिश्चित करने के साथ ही न्याय प्रदान करने के लिए प्रभावी ढंग से काम किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने आश्वासन दिया कि संक्रमणकालीन न्याय

आयोगों के पुनर्गठन में और कोई देरी नहीं होगी।

प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि देश ने द्वंद्व काल के पृष्ठ को बदल दिया है और लोकतंत्र को गले लगा लिया है। किसी भी भ्रम या बहाने के तहत हत्या, हिंसा, धार्मिक अतिवाद या अराजकता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अब हम गठबंधन सरकार में हैं। हमारे पास एकता और राष्ट्र निर्माण की विरासत है और हम एक संप्रभु, एकीकृत नेपाल को नई पीढ़ी को सौंपेंगे। हम राष्ट्रीय गरिमा से समझौता नहीं करेंगे या अपनी सीमाओं को कम करने की अनुमति नहीं देंगे।

उन्होंने नेपाल जैसे विविध देश में सामाजिक सद्भाव के महत्व पर प्रकाश डाला और पूर्व सैन्य और पुलिस कर्मियों से देश के मार्गदर्शक सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सामाजिक सद्भाव के बिना राष्ट्रीय एकता संभव नहीं है। सरकार इस मिशन का नेतृत्व कर रही है और हमें अपने पूर्व सैनिकों और सुरक्षा समुदाय से अटूट समर्थन की आवश्यकता है।

सामान्य स्मार्टफोन से करीब 25 करोड़ गुना तेज कैमरा वैज्ञानिकों ने किया तैयार

वाशिंगटन। वैज्ञानिकों ने ऐसा कैमरा तैया किया है, जो एक सेकंड के खरबवें हिस्से में फोटो खींच सकता है। यह कैमरा सामान्य स्मार्टफोन से करीब 25 करोड़ गुना तेज है। कैमरे का नाम है वीएसपीडीएफ, कैमरे को कोलंबिया यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों की टीम ने तैयार किया है। इसकी मदद से परमाणुओं की गति और उनकी हलचल को बेहद सटीकता से देख सकते है। दरअसल वैज्ञानिक लंबे समय से इस प्रक्रिया को समझना चाहते थे, लेकिन तकनीक की सीमाओं के कारण यह संभव नहीं हो पा रहा था। अब इस नए सुपर–फास्ट कैमरे से संभव हो सकेगा। यह कैमरा आम कैमरों की तरह रोशनी का इस्तेमाल नहीं करता, बल्कि न्यूट्रॉन नामक सूक्ष्म कणों की मदद से परमाणुओं की स्थिति का पता लगाता है। न्यूट्रॉन किसी पदार्थ से टकराकर जब गुजरते है, तब उनके रास्ते में हुए बदलावों से यह समझा जा सकता है कि आसपास कौन–कौन से परमाणु हैं और वे किस तरह से हिल रहे हैं। वीएसपीडीएफ,कैमरा की स्पीड बदली जा सकती है, जिससे 'डायनामिक डिसऑर्डर' और 'स्टैटिक डिसऑर्डर' (सामान्य हलचल) के बीच फर्क करना आसान होता है। इस तकनीक को वैज्ञानिकों ने सबसे पहले जर्मेनियम टेल्यूराइड नामक पदार्थ पर आज़माया। यह पदार्थ थर्मोइलेक्ट्रिक उपकरणों में काम आता है, जो गर्मी से बिजली बनाते हैं या बिजली से ठंडक पैदा करते हैं। अध्ययन में सामने आया कि जैसे–जैसे तापमान बढ़ता है, इसके परमाणु खास दिशा में तेजी से हिलने लगते हैं वही दिशा जिससे यह बिजली खींचता है। इस खोज से वैज्ञानिकों को न केवल जटिल पदार्थों को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलेगी, बल्कि इसतरह के नए उपकरण बनाने की दिशा में भी रास्ता खुलेगा जो अंतरिक्ष अभियानों जैसे कि मंगल ग्रह पर चलने वाले रोवर के लिए ऊर्जा मुहैया करा सकें।

दाऊदी बोहरा मुस्लिमों ने किया वक्फ कानून का समर्थन

पीएम मोदी से मिल कर बोले, इससे मुस्लिमों को होगा फायदा

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। दाऊदी बोहरा मुस्लिम समुदाय ने वक्फ संशोधन कानून का समर्थन किया है और इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शुक्रिया कहा है। दाऊदी बोहरा शिया मुस्लिम समुदाय का मानना है कि नया वक्फ कानून सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के सिद्धांत पर आधारित है। गुरुवार 17 अप्रैल को दाऊदी बोहरा समुदाय के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और उन्हें 2025 के नए वक्फ (संशोधन) कानून के लिए धन्यवाद दिया। दाऊदी बोहरा के प्रतिनिधिमंडल से एक सदस्य ने कहा कि समुदाय की यह मांग लंबे समय से लंबित थी, जिसे पीएम मोदी ने नए वक्फ कानून के साथ पूरा किया। दाऊदी बोहरा एक मुस्लिम समुदाय है, जो पश्चिम भारत में रहते हैं। दाऊदी बोहरा की वैश्विक उपस्थिति 40 से अधिक देशों में है। दाऊदी बोहरा का ऐतिहासिक संबंध मिस्र के फातिमी इमामों से

माना जाता है, जो मिस्र से हैं। यह अहल-अल-बैत यानी पैगंबर मुहम्मद के वंशज माने जाते हैं।

दाऊदी बोहरा मुस्लिम समुदाय ने प्रधानमंत्री के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के सिद्धांत पर भरोसा भी जताया। बैठक के दौरान पीएम मोदी के साथ केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्री किरेन रिजिजू भी शामिल थे। बैठक के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि यह वक्फ कानून रातों-रात नहीं बना। वक्फ कानून की बारीकियों को समझने के लिए 5 साल दिए गए। वक्फ को लेकर 1700 से ज्यादा शिकायत करने वालों में अधिकतर मुस्लिम महिलाएं शामिल थी। वक्फ के नाम पर मजबूर और लाचार गरीबों की सम्पत्तियों पर कब्जा किया जा रहा था।

प्रधानमंत्री मोदी के आवास पर दाऊदी बोहरा मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत में व्यापारिक नेता, पेशेवर, डॉक्टर, शिक्षक और दाऊदी बोहरा समुदाय के कई प्रमुख प्रतिनिधि शामिल थे। उन्होंने अपने संघर्षों के बारे में बताया। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि किस तरह उनके समुदाय के सदस्यों की सम्पत्तियों पर वक्फ द्वारा गलत तरीके से दावा किया गया। वक्फ संशोधन अधिनियम लाने के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया और कहा कि यह काफी समय से लंबित मांग थी।

प्रतिनिधिमंडल ने दाऊदी बोहरा समुदाय के साथ प्रधानमंत्री के लंबे समय से चले आ रहे विशेष संबंध और उनके द्वारा किए गए सकारात्मक कार्यों के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन कानून से उनके समुदाय को काफी लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री ने यह अधिनियम न केवल अल्पसंख्यकों के लिए बल्कि अल्पसंख्यकों के भीतर अल्पसंख्यकों के लिए लाए हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने हमेशा उनकी पहचान को पनपने दिया है, प्रधानमंत्री के नेतृत्व में, वे समावेश की भावना महसूस करते हैं।

प्रधानमंत्री ने वक्फ संशोधन अधिनियम को लाने के पीछे वर्षों की मेहनत के बारे में बताया। उन्होंने वक्फ के कारण लोगों को होने वाली कठिनाइयों के बारे में बताया और कहा कि इस अधिनियम को लाने के पीछे एक प्रमुख कारण यह था कि प्रचलित व्यवस्था से सबसे अधिक पीड़ित महिलाएं, विशेषकर विधवाएं थीं। प्रधानमंत्री ने दाऊदी बोहरा समुदाय के सदस्यों के साथ अपने मजबूत संबंधों को याद किया। उन्होंने सामाजिक कल्याण की दिशा में काम करने की समुदाय की परंपरा की प्रशंसा की, जिसे उन्होंने वर्षों से देखा है। उन्होंने अधिनियम को लाने में समुदाय के विशेष योगदान को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि जब वक्फ संशोधन अधिनियम लाने की दिशा में काम शुरू हुआ, तो सबसे पहले जिन लोगों से उन्होंने इस बारे में चर्चा की, उनमें से एक सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन थे, जिन्होंने अधिनियम की विभिन्न बारीकियों के बारे में विस्तृत टिप्पणी देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सेना के जवान से हथियार छीनने की कोशिश

जम्मू, 18 अप्रैल (ब्यूरो)। राजौरी जिले में सेना के जवानों के साथ दुर्व्यवहार का मामला सामने आया है। भारतीय सेना की ओर से बताया गया कि सेना को आतंकवादियों की संभावित गतिविधियों की सूचना मिली थी जो इस संवेदनशील इलाके में एक गाड़ी में घूम रहे थे। इसके तुरंत बाद, तलाशी अभियान शुरू किया गया। शुरुआती जानकारी से पता चला कि रोकने पर एक व्यक्ति ने ड्यूटी पर तैनात सैनिकों के हथियार छीनने की कोशिश की। इस दौरान उनके साथ झड़प हो गई। सेना का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है।

भारतीय सेना ने राजौरी जिले में तलाशी अभियान के दौरान कुछ व्यक्तियों के साथ मारपीट किए जाने के आरोपों की रिपोर्ट सामने आने के बाद जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि संवेदनशील क्षेत्र में एक वाहन में आतंकवादियों की संभावित आवाजाही के बारे में इनपुट मिले थे। ष्इसके अनुसार तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। प्रारंभिक जानकारी से पता चलता है कि जब एक वाहन को रोका गया, तो एक व्यक्ति ने कथित तौर पर एक सैनिक का हथियार छीनने का प्रयास किया और ड्यूटी पर मौजूद कर्मियों के साथ हाथापाई की।

आंध्र के पूर्व सीएम जगन रेड्डी के 27 करोड़ के शेयर जब्त

अमरावती, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी पर कार्रवाई की है। उनके तीन अलग-अलग कम्पनियों के 27.5 करोड़ के शेयर जांच एजेंसी ने जब्त कर लिए हैं। यह शेयर कार्मेल एशिया होल्डिंग्स लिमिटेड, सरस्वती पावर एंड इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड और हर्षा फर्म नाम की 3 कम्पनियों में हैं।

ईडी ने यह कार्रवाई 14 वर्ष पुराने एक मामले में की है। आर-ोप है कि पिता वाईएस राजशेखर रेड्डी के सीएम रहते समय उन्होंने निजी कम्पनी को एक खनन का प्रोजेक्ट दिलाने में रियायतें दिलवाई और इसके बदले में उन्हें लाभ दिए गए। डालमिया सीमेंट ने इस जमीन की कीमत लगभग 800 करोड़ बताई है। इस गड़बड़ी को लेकर 2011 में मामला दर्ज किया गया था। यह एफआईआर सीबीआई ने दर्ज की थी।

महिला समेत चार लोगों पर एसिड हमला

समस्तीपुर (एजेंसियां)। समस्तीपुर में बदमाशों ने महिला समेत चार लोगों पर एसिड हमला किया है। इस घटना में चरित्र दास, सुरेंद्र दास, उनकी पत्नी बबीता देवी और बालेश्वर दास जख्मी हो गए। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी वहां से फरार हो गये। शोर-गुल होने पर आसपास के लोग घटनास्थल पर जमा हो गये और आननफानन में लोगों ने सभी को सदर अस्पताल में भर्ती कराया। घटना की सूचना मिलते ही एएसपी संजय पांडे के साथ पुलिस की टीम सदर अस्पताल पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है। घटना सरायरंजन थाना क्षेत्र के भगवतपुर गांव की है।

घटना के संबंध में पीड़ित बबीता देवी का कहना है कि गांव के ही मोतीलाल राय के पुत्र चंदन, मुन्ना कुमार और धर्मेंद्र अच्छे चाल चलन के नहीं है। कुछ वर्ष पूर्व गलत मंशा से उनके घर में घुस आया था जिसको लेकर सरायरंजन थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। मामला अभी कोर्ट में चल रहा है। इस मामले में सुलह करने को लेकर अभियुक्त द्वारा लगातार दबाव दिया जा रहा है। कुछ दिन पूर्व भी केस उठा लेने की धमकी दी गई थी। शाम में घर के पीछे किसी काम से गई थी। इसी दौरान चंदन और मुन्ना उनके साथ बदतमीजी करने लगा। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो बोतल में रखा एसिड उन पर फेंक दिया, जिससे वह झुलस गई। उनके चीखने-चिल्लाने पर उनके परिवार के लोग दौड़े तो उक्त लोगों ने उन लोगों पर भी एसिड फेंका।

35 दवाओं पर सरकार ने फिर लगाई पाबंदी

आम लोगों के स्वास्थ्य के लिए जरूरी फैसला

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन यानी सीडीएससीओ की ओर से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के औषधि नियंत्रकों को पैंतीस दवाओं पर पाबंदी लगाने का निर्देश आम जनता के स्वास्थ्य की सुरक्षा के मद्देनजर एक जरूरी कदम है। मगर इससे एक बार फिर यही साफ होता है कि दवा कंपनियां किस तरह आम लोगों की सेहत से खिलवाड़ कर रही हैं। गौरतलब है कि सीडीएससीओ ने पैंतीस फिक्स्ड-डोज काम्बिनेशन यानी एफडीसी दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण को रोकने का निर्देश दिया है, जिनमें दर्द निवारक, पोषण संबंधी पूरक आहार और मधुमेह रोधी दवाएं शामिल हैं।

इस प्रतिबंध का उद्देश्य इन दवाओं की वजह से जन स्वास्थ्य और सुरक्षा के सामने पैदा हो रहे खतरों को रोकना है। मगर सवाल है कि सरकार के संबंधित महकमों के तहत एक व्यापक तंत्र होने के बावजूद ये दवाएं खुले बाजार में कैसे पहुंचती हैं। किसी भी दवा के उत्पादन और उसके बाद बाजार में आकर एक जरूरतमंद उपभोक्ता तक पहुंचने की प्रक्रिया होती है। अगर कुछ दवाएं लंबे समय तक बाजार में बिकती रहती हैं तो उससे उपजे जोखिम के लिए आखिर कौन जिम्मेदार है?

पिछले वर्ष अगस्त में भी बुखार, सर्दी, एलर्जी और दर्द के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक सौ छप्पन एफडीसी दवाओं पर

पाबंदी लगा दी गई थी। तब भी यह कहा गया था कि ये दवाएं इंसान के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित हो सकती हैं। ऐसे निर्देश अक्सर जारी किए जाते रहे हैं। मगर यह समझना मुश्किल है कि सख्ती के बावजूद फिर से कुछ ऐसी दवाएं खुले बाजार में कैसे पहुंच जाती हैं।

दवा कंपनियों के लिए वे कैसे नियम-कायदे तय किए गए हैं, जिसके तहत वे ऐसी दवाओं का उत्पादन करती हैं और उन्हें उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाता है, जो इंसानों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकती हैं? अगर ऐसी दवाएं बनाने वाली कंपनियां राज्यों के प्राधिकरणों से इसके लिए लाइसेंस मिलने को ढाल बनाती हैं, तो क्या इन कंपनियों के साथ-साथ उन्हें इजाजत देने वाले संबंधित महकमों को भी कठघरे में खड़ा किया जाएगा?

सही है कि सीडीएससीओ ऐसी दवाओं को चिह्नित करती है और उसे प्रतिबंधित करने का फैसला करती है। मगर जितने दिनों तक लोगों की सेहत को खतरे में डालने वाली ऐसी दवाएं बिकती रहती हैं, जरूरतमंद लोग उन दवाओं का सेवन करते हैं, उसका क्या और कितना असर पड़ता होगा? पैंतीस या एक सौ छप्पन दवाओं पर पाबंदी लगाने की नौबत तभी आई, जब उसे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक पाया गया। अगर किसी बीमारी के इलाज के क्रम में दी जाने वाली दवा को खतरनाक पाया जाता है, तो यह सुनिश्चित कब होता है?

जिन दवाओं को जोखिम के दायरे में पाया जाता है, उनके परीक्षण और उसके नतीजों को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हुए बिना आम लोगों के लिए उसके उत्प-ादन, बिक्री या वितरण की इजाजत किस आधार पर दी जाती है? सुरक्षा और प्रभावकारिता के मूल्यांकन के बिना वैसी दवाओं के उत्पादन, बिक्री और वितरण के लिए लाइसेंस कैसे जारी कर दिया गया और चिकित्सक उनके सेवन की सलाह किस आधार पर देते हैं, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकता है? सेहत पर कुछ दवाओं के दुष्प्रभाव पहले ही जटिल समस्या बने हुए हैं। ऐसे में जन स्वास्थ्य को खतरे में डालने वाली दवाओं के उत्पादन और बिक्री को लेकर बेहद सख्त नियम-कायदे लागू नहीं किए गए तो इसका गंभीर खमियाजा सबको उठाना पड़ सकता है।

खालिस्तानी आतंकी हैप्पी पासिया अमेरिका में गिरफ्तार

नई दिल्ली/वाशिंगटन, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई और ईआरओ ने खालिस्तानी आतंकवादी हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया को सैक्रामेंटो में गिरफ्तार कर लिया। दो अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी समूहों से जुड़ा यह आतंकी अवैध रूप से अमेरिका में रह रहा था। एफबीआई और अमेरिकी इमिग्रेशन विभाग ने उसे अपने शिकंजे में ले लिया है।

आतंकी हैप्पी पासिया पिछले छह महीनों में पंजाब में 14 आतंकी हमलों के लिए जिम्मेदार है। वह भारत के सबसे वांछित आतंकियों में से एक है। उस पर 5 लाख रुपए का इनाम था। वह अभी आईसीई (इमिग्रेशन एंड कस्टम्स इंफोर्समेंट) की हिरासत में है। हैप्पी पासिया ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई और बब्बर खालसा इंटरनेशनल के साथ मिलकर आतंकी हमलों को अंजाम दिया था। हैप्पी पासिया ने

पंजाब के पुलिस प्रतिष्ठानों पर कई आतंकी हमले किए और उनकी जिम्मेदारी भी ली।

इससे पहले 23 मार्च को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 2024 चंडीगढ़ ग्रेनेड हमला मामले में बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) आतंकवादी संगठन के चार आतंकवादी गुर्गों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। आरोप पत्र दायर करने वाले आरोपियों में पाकिस्तान स्थित नामित व्यक्तिगत आतंकवादी हरविंदर सिंह संधू उर्फ रिंदा और अमेरिका स्थित हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया शामिल हैं। दोनों आतंकवादी हमले के पीछे मुख्य संचालक और साजिशकर्ता थे। उन्होंने ग्रेनेड हमले को अंजाम देने के लिए चंडीगढ़ में भारत स्थित जमीनी गुर्गों को रसद सहायता, आतंकी फंड, हथियार और गोला-बारूद मुहैया कराया था। सितंबर 2024 के हमले का मकसद पंजाब पुलिस के एक सेवानिवृत्त अधिकारी को निशाना बनाना था।

जांच से पता चला कि रिंदा ने हैप्पी पासिया के साथ मिलकर ग्रेनेड हमले के जरिए कानून प्रवर्तन अधिकारियों और आम जनता के बीच आतंक फैलाने की साजिश रची थी। उसका मकसद बीकेआई के आतंकवादी एजेंडे को बढ़ावा देना था। उन्होंने रोहन मसीह और विशाल मसीह नाम के स्थानीय गुर्गों की भर्ती की, जिन्हें उनके सीधे निर्देशों के तहत हमला करने का काम सौंपा गया था। जांच में पता चला कि रिंदा और हैप्पी ने अन्य आरोपियों रोहन मसीह और विशाल मसीह को ग्रेनेड फेंकने से पहले दो बार लक्ष्य की टोह लेने का निर्देश दिया था। इससे पहले पिछले साल दिसंबर में पंजाब पुलिस ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) की ओर संचालित पाकिस्तान-आईएसआई समर्थित आतंकी मॉड्यूल को ध्वस्त कर दिया था, जिसे हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया और शमशेर उर्फ हनी चला रहे थे। इसमें मास्टरमाइंड अभिजोत सिंह सहित इसके पांच सदस्यों की गिरफ्तारी भी शामिल थी। सभी बटाला और गुरदासपुर में दो पुलिस प्रतिष्ठानों पर हैंड ग्रेनेड फेंकने में शामिल थे। उसे जल्द ही भारत लाया जाएगा।

कठुआ और रामनगर से फरार आतंकियों का अब भी कोई सुराग नहीं

जम्मू, 18 अप्रैल (ब्यूरो)। भारतीय सेना समेत अन्य सुरक्षाबल पिछले करीब एक महीने से उन आतंकियों को लेकर परेशान हैं जिनके साथ संक्षिप्त मुठभेड़ हुई, लेकिन वे लापता हो गए। भारतीय सेना की रोमियो फोर्स और स्पेशल आपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने जम्मू कश्मीर के पुंछ के लसाना के वन क्षेत्र में लगातार पांचवें दिन शुक्रवार को अपना संयुक्त अभियान जारी रखा। इस क्षेत्र में छिपे आतंकवादियों का पता लगाने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है।

सोमवार रात को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच हुई गोलीबारी के बाद मंगलवार को तलाशी अभियान फिर से शुरू हुआ। सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और घने जंगल वाले इलाकों में व्यापक तलाशी अभियान चला रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, पुंछ को जम्मू से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित लसाना गांव के पास आतंकवादियों ने रोमियो फोर्स के जवानों पर गोलीबारी की, जिसमें एक सुरक्षाकर्मी

घायल हो गया।

डोडा-किश्तवाड़-रामबन (डीकेआर) रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) श्रीधर पाटिल ने कहा कि जब तक आतंकवादियों का सफाया नहीं हो जाता, तब तक अभियान जारी रहेगा। क्षेत्र के लोगों ने सुरक्षा बलों को पूरा समर्थन दिया है। पर कठुआ और उधमपुर के रामनगर के क्षेत्र से भागने वाले करीब दर्जनभर आतंकियों के प्रति अभी तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है।

कठुआ जिले के हीरानगर के सन्याल गांव में घुसे पांच में से दो आतंकियों को तो बाद में मार गिराया गया था लेकिन बाकी अभी तक हाथ नहीं आए हैं। उनके साथ कई अन्य स्थानों पर पिछले तीन हफ्तों में कई बार मुठभेड़ें तो हो चुकी हैं पर वे बार बार सुरक्षाबलों को चकमा देने में कामयाब हो रहे हैं। हालांकि सुरक्षाधिकारियों को अब शक इसके प्रति है कि जिन आतंकियों से बार बार अलग अलग स्थानों पर मुठभेड़ें हुई हैं वे एक ही ग्रुप है या फिर अलग अलग हैं।

यही हालत उधमपुर जिले के रामनगर इलाके में और किश्तवाड़ के छात्रू में आतंकियों के साथ मुठभेड़ें भी सुरक्षाबलों को परेशान कर रही हैं। छात्रू में तो जैश् मुहम्मद के कमांडर सैफुल्लाह को उसके दो साथियों के साथ मार गिराने में कामयाबी मिली थी पर रामनगर में सुरक्षाबलों के साथ टकराने वाले आतंकी अभी तक हाथ नहीं आए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, रामनगर से भागने वाले आतंकी एक बार एक शिक्षक के घर में घुस कर उनसे खाने पीने का सामान ले जा चुके हैं और अब वे कहां हैं पता ही नहीं चल पा रहा है।

सीरियल में सास, घर में बीवी!

अभिनेता ने ऑनस्क्रीन सासू मां संग रचाई शादी

तेलुगू सिने एक्टर इंद्रनील और मेघना रामी एक बार फिर अजीबोगरीब कारणों से चर्चा में हैं। हाल ही में कुछ जगहों पर खबरें देखी गईं कि तेलुगू टेलीविजन स्टार ने अपनी सास से शादी की है। कई लोगों ने इसकी सत्यता की जांच किए बिना ही तीखे कमेंट किए। दरअसल, इंद्रनील ने मेघना से शादी की है, जो अब 44 साल की हैं। इस कपल की शादी को लगभग 20 साल हो चुके हैं और वे तीन बच्चों के पेरेंट्स हैं।यह भी एक फैक्ट है कि इंद्रनील और मेघना दोनों ही सीरियल्स में एक साथ नजर आ चुके हैं, जिनमें से एक में मेघना ने उनकी सास का रोल किया था।मेघना की इंद्रनील से पहली मुलाकात 2003 में एक पुराने टेली सीरियल 'चक्रवाकम' के सेट पर हुई थी। दोनों में अच्छी दोस्ती हो गई और जल्द ही इंद्रनील ने एक प्रपोजल के साथ पहला कदम उठाया। उम्र के बड़े अंतर को देखते हुए मेघना ने 'इनकार' कर दिया।इससे उम्मीदें टूट गईं लेकिन इंद्रनील हार मानने को तैयार नहीं थे। एक इंटरव्यू में मेघना ने खुलासा किया कि इंद्रनील ने उन्हें कुल नौ बार प्रपोज किया, बावजूद इसके कि उन्हें लगातार मना किया जाता था।मेघना ने कहा- कुछ लोग मेरी शक्ल और तेज आवाज को हल्के में लेते हैं और मानते हैं कि मैं घर में एक कुलमाता हूं, यहां तक कि अपने पति के साथ भी मैं अपनी शर्तें तय करती हूं। लेकिन ऐसा नहीं है।हमारी शादी के शुरुआती दिनों में एक शो के सेट पर मिसकैरेज के बाद, मैं 6 साल से ज़्यादा समय तक उदास रही। मैंने अपने करियर के चरम पर काम करना बंद कर दिया। मैं सिर्फ़ जागने, खाने और सोने के अलावा कुछ नहीं करती थी।'

मुझे प्रेग्नेंसी, काम, इंडस्ट्री से नफरत होने लगी। मैं बहुत ज़्यादा आइसक्रीम और बिरयानी खाती थी। मैं मोटी हो गई हूं, 'मोटी और बदसूरत' जैसा कि कुछ लोग मुझे कहना चाहते हैं, लेकिन एक बार भी मेरे पति ने मुझसे इस बारे में सवाल नहीं किया या मुझे काम करने या ऐसा कुछ करने के लिए मजबूर नहीं किया जो मुझे पसंद न हो।''एक बार एक टीवी शो में इंद्रनील ने दो इच्छाएं रखीं - बच्चे गोद लेना और वजन कम करना। मैं पहली इच्छा तो पूरी नहीं कर सकी, लेकिन मैंने वादा किया कि मैं नैचुरली वज़न कम करूंगी।' लेकिन मिसकैरेज के बाद मेघना ने तय किया कि वो अब मां नहीं बनना चाहती हैं और वो ये भी सोचती हैं कि 60 की उम्र तक पहुंचने-पहुंचने उन बच्चों की देखभाल कौन करेगा।

प्रभुदेवा ने मैसूर में मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया!

जैसे पेड़ कितना भी ऊंचा हो जाए, उसकी जड़ें जमीन में ही रहती हैं, वैसे ही एक्टर प्रभुदेवा अपनी मां की इच्छा पूरी करने के लिए दूर के शहर से मैसूर के छोटे से गांव में आकर भगवान की सेवा में जुट गए। जी हां, उन्होंने अपने खर्चे पर खस्ताहाल मंदिर का जीर्णोद्धार किया है। कई भाषाओं की फिल्मों में एक्टिंग कर चुके एक्टर प्रभुदेवा ने अपनी मां की इच्छा के अनुसार मैसूर जिले के नंजनगुड तालुका के केंबालु गांव में मंदिर का जीर्णोद्धार किया है। उन्होंने इस मंदिर के जीर्णोद्धार पर लगभग 25 लाख रुपये खर्च किए हैं।

25 लाख खर्च कर मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया है

बता दें कि प्रभुदेवा की मां ने कुछ समय पहले केंबालु गांव में जमीन खरीदी थी। इस जमीन के पास स्थित जोलर काल के मलैमहादेव मंदिर की हालत बहुत खराब थी। उनकी मां ने प्रभुदेवा से इस मंदिर का जीर्णोद्धार करने की इच्छा जताई थी। लगभग 25 लाख रुपये खर्च कर मलैमहादेव मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया है।

पूजा के लिए यहां प्रभुदेवा पहुंचे

बता दें कि मंदिर का जीर्णोद्धार पूरा होने के बाद अभिनेता प्रभुदेवा और उनकी पत्नी हिमानी ने मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस पूजा के लिए वे दो दिन तक मंदिर में ही रुके और कलश पूजा, हवन, नवग्रह पूजा में भाग लिया। गांव में मंदिर का जीर्णोद्धार करने की खुशी में पूरे केंबालु और आसपास के गांव वालों के लिए भोजन की व्यवस्था प्रभुदेवा के परिवार ने की थी।

इस बारे में प्रतिक्रिया देते हुए प्रभुदेवा की मां ने कहा, कई साल पहले हमने यहां जमीन खरीदी थी। 1983 में ही यहां का मंदिर खस्ताहाल था। तब हमें लगा था कि इस मंदिर का जीर्णोद्धार करना चाहिए। हमने उस समय मंदिर का कुछ हिस्सा बनवाया था। लेकिन अब प्रभुदेवा ने आखिरकार मंदिर का गोपुरा बनवाकर इसे पूरा किया है। इसलिए हमने हवन करवाया। यह हमारे बच्चे के जन्म का उत्सव था, इसलिए प्रभुदेवा और उनकी पत्नी ने हवन में भाग लिया। मंदिर के निर्माण में कितना खर्च हुआ, यह मायने नहीं रखता, भगवान ने हमें दिया है, हमने वही दिया है। व्यस्त होने के बावजूद भगवान ने प्रभुदेवा को यहां बुला लिया, यह हमारी खुशी है।

फिल्म केसरी चैप्टर 2 में खूंखार जनरल डायर का रोल निभा रहे हैं ब्रिटिश अभिनेता साइमन पैस्ले डे

अक्षय कुमार और आर माधवन की फिल्म 'केसरी चैप्टर 2: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ जलियांवाला बाग' की सिनेमाघरों में जोरदार शुरुआत हुई है। गुड फ्राइडे के मौके पर रिलीज हुई इस कोर्टरूम पीरियड ड्रामा की खूब तारीफ हो रही है। फिल्म एडवोकेट सी. शंकरन नायर की कहानी पर आधरित है, जिन्होंने 1919 के जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद न्याय की मांग करते हुए ब्रिटिश हुकूमत को कठघरे में घसीटा था। इस फिल्म में जहां अक्षय और माधवन के एक्टिंग को खूब सराहना मिल रही है, वहीं ब्रिटिश साम्राज्य के ब्रिगेडियर जनरल रेजिनाल्ड डायर के क्रूर रोल को निभा रहे साइमन पैस्ले डे के भी दर्शक मुरीद हो रहे हैं।

'केसरी 2' में साइमन पैस्ले डे ने अपने खूंखार अंदाज, नृशंस हत्या के बाद भी अहम से भरे हुए व्यक्तित्व को बूखबी निभाया है। जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि साइमन पैस्ले डे एक मंझे हुए और दिग्गज ब्रिटिश एक्टर हैं, जिनका थिएटर से लेकर टीवी और यहां तक कि रेडियो पर भी बड़ा नाम है। साइमन पेस्ले डे हॉलीवुड फिल्म 'स्टार वार्स: द राइज ऑफ स्काईवॉकर' में भी नजर आ चुके हैं।

इंग्लैंड में 13 अप्रैल 1967 को पैदा हुए साइमन 58 साल के हैं। अपने तीस साल से भी अधिक लंबे करियर में उन्होंने थिएटर, रेडियो ड्रामा, टेलीविजन शोज और फिल्मों में खबू नाम कमाया है। साइमन पैस्ले डे अपने करियर की शुरुआत में, ऑस्कर वाइल्ड, विलियम शेक्सपियर, जॉन बुकान और ब्रूस नॉरिस जैसे प्रसिद्ध लेखकों के उपन्यास और नाटकों का मंचन किया है। साइमन ने अपने टेलीविजन करियर की शुरुआत बीबीसी के पॉपुलर शो 'रेड ड्वार्फ' से की थी। इसके बाद वह 'डॉक्टर हू', 'द लास्ट डिटेक्टिव' और 'द मस्किटर्स' जैसी सुपरहिट टीवी सीरीज से पॉपुलैरिटी बटोरी। जढढ की दुनिया में आपने साइमन पैस्ले डे को नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'द क्राउन' और बेनेडिक्ट कंबरबैच की 'शरलॉक' में देखा होगा।साइमन पैस्ले के फिल्मी करियर की शुरुआत 2004 में 'चर्चिल: द हॉलीवुड इयर्स' से हुई। वह 'स्टार वार्स: द राइज ऑफ स्काईवॉकर', 'विक्टोरिया एंड अब्दुल' और 'ब्रेक्सिट: द अनसिविल वॉर' जैसी फिल्मों में काम कर चुके हैं।

'केसरी चैप्टर 2' साइमन पैस्ले डे की पहली बॉलीवुड फिल्म है। उन्होंने फिल्म में जनरल डायर की भूमिका निभाई है, जिसने अमृतसर के जलियांवाला बाग में भीड़ पर गोली चलाने का आदेश दिया था। अप्रैल 1919 में बैसाखी के त्यौहार के दौरान लोग रॉलेट एक्ट का विरोध करने जलियांवाला बाग पहुंचे थे। करण सिंह त्यागी के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म 'द केस दैट शुक द एम्पायर' किताब पर आधारित है।

निजी जिंदगी से जुड़ी अफवाहें मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालती : रहमान

म्यूजिक कंपोजर, सिंगर एआर रहमान, अपने म्यूजिक कंसर्ट 'वंडरमेंट' की तैयारी में व्यस्त हैं। इस बीच, उन्होंने समाचार एजेंस के साथ बात की। इस दौरान, उन्होंने बताया कि निजी जिंदगी से जुड़ी अफवाहें मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालती हैं। इंटरव्यू में एआर रहमान ने 'वंडरमेंट' टूर की तैयारी, संगीत में एआई के इस्तेमाल, अफवाहों और मानसिक स्थिति पर पड़ने वाले असर को लेकर खुलकर बात की। जब उनसे पूछा गया कि, संगीत के लिए मन की प्रसन्नता की आवश्यकता होती है, तो क्या आपके बारे में चलने वाली खबरें और अफवाहें आपको प्रभावित करती हैं?

रहमान ने जवाब दिया, मुझे लगता है कि अफवाहें असर डालती हैं और हर कलाकार इस स्थिति से गुजरता है। अफवाहें मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालती हैं। कठिन परिस्थितियों में फंसे होने की वजह से वे दुखी और प्रभावित होते हैं और उस स्थिति में भी उन्हें काम करना पड़ता है। उस स्थिति में भी उन्हें 'छैया छैया' या 'हम्मा हम्मा' जैसे गाने करने पड़ते हैं। गायक हो या कोई और उस स्थिति में आप एक अभिनेता की तरह बन जाते जाते हैं। आप अंदर से भले ही दुखी होते हैं, लेकिन आपको दिखाना होता है कि आप खुश हैं। एआर रहमान को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल हुआ था, जिसमें सामने आया था कि रहमान बैंड की गिटारिस्ट रहीं मोहिनी डे के साथ रिलेशन में हैं। इस अफवाह से व्यथित रहमान ने एक बयान जारी किया था। उन्होंने नोटिस भी जारी किया था, जिसमें उन्होंने अपने बारे में अपमानजनक खबरें फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की बात कही थी।

रहमान से जब पूछा गया कि जब उनके बारे में कुछ अफवाहें सामने आती हैं तो उन्हें कैसा लगता है? इस पर उन्होंने हल्के अंदाज में कहा, ऐसी बातों से असर पड़ता है, लेकिन मेरा मानना है कि यह जिंदगी का एक हिस्सा है। उतार-चढ़ाव जिंदगी में बने रहते हैं। रहमान ने अपने स्वास्थ्य के बारे में भी बात की और अपने प्रशंसकों के साथ एक मैसेज शेयर किया था, जिसमें उन्होंने कहा, आप सभी के प्यार के लिए धन्यवाद। आप सभी को चिंता में डालने के लिए खेद है। मैं आप सभी की प्रार्थनाओं और प्यार की वजह से स्वस्थ हूं। डीवाई पाटिल स्टेडियम में आपसे जल्द मिलूंगा। मार्च में एआर रहमान के सीने में दर्द की शिकायत हुई थी। इस वजह से उन्हें चेन्नई के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तब रहमान ने अपने प्रशंसकों के शुक्रिया अदा किया था।

सामंथा रुथ प्रभु को ऋतिक रोशन से ज्यादा हैंडसम लगते हैं नागा चैतन्य

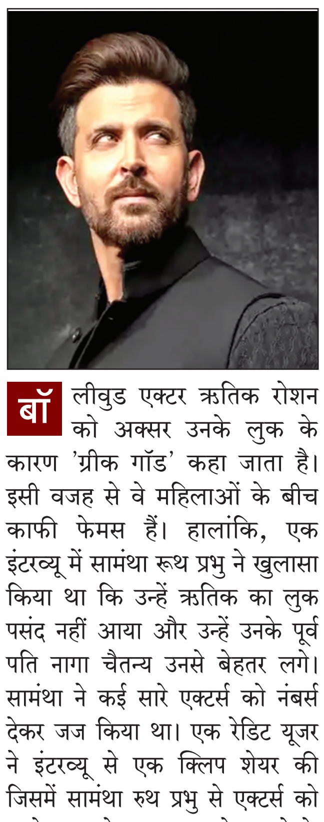

बॉलीवुड एक्टर ऋतिक रोशन को अक्सर उनके लुक के कारण 'ग्रीक गॉड' कहा जाता है। इसी वजह से वे महिलाओं के बीच काफी फेमस हैं। हालांकि, एक इंटरव्यू में सामंथा रूथ प्रभु ने खुलासा किया था कि उन्हें ऋतिक का लुक पसंद नहीं आया और उन्हें उनके पूर्व पति नागा चैतन्य उनसे बेहतर लगे। सामंथा ने कई सारे एक्टर्स को नंबर्स देकर जज किया था। एक रेडिट यूजर ने इंटरव्यू से एक क्लिप शेयर की जिसमें सामंथा रुथ प्रभु से एक्टर्स को उनके लुक के आधार पर रेट करने के लिए कहा गया था। उन्होंने महेश बाबू को 10/10 रेटिंग दी और कहा, 'मुझे सोचने की ज़रूरत ही नहीं है।' जब रिपोर्टर ने उसे ऋतिक को रेटिंग देने के लिए कहा, तो उन्होंने जवाब दिया, 'हर कोई मुझे मार डालेगा, लेकिन मुझे ऋतिक का लुक ज़्यादा पसंद नहीं है' और उन्हें 7/10 दिया। उन्होंने नागा चैतन्य को 10/10 और रणबीर कपूर को 8/10 रेटिंग दी। शाहिद कपूर के बारे में पूछे जाने पर सामंथा ने कहा, 'कमीने से पहले शाहिद - 5/10, कमीने के बाद - 9/10।' जो लोग नहीं जानते, उनके लिए बता दें कि सामंथा और नागा चैतन्य की पहली मुलाकात 2010 की तेलुगू फिल्म 'ये माया चेसावे' के सेट पर हुई थी। हालांकि, 2014 में ऑटोनगर सूर्या की शूटिंग के दौरान कथित तौर पर दोनों एक-दूसरे के प्यार में पड़ गए थे। उन्होंने 2017 में शादी कर ली, लेकिन सिर्फ़ चार साल बाद ही उन्होंने अलग होने की घोषणा कर दी। 2023 में, चैतन्य ने खुलासा किया कि उन्होंने उन्हें तलाक दे दिया है। सामंथा फिलहाल अपनी आगामी सीरीज़ 'रक्त ब्रह्मांड: द ब्लडी किंगडम' की शूटिंग कर रही हैं। राज और डीके के डायरेक्शन में बने इस शो को खूनी एक्शन और एंटरटेनर कहा जा रहा है। उनके पास मनोज बाजपेयी, जयदीप अहलावत, प्रियमणि और शारिब हाशमी के साथ 'द फैमिली मैन सीजन 3' भी है। इस सीरीज़ के इस साल नवंबर में रिलीज़ होने की उम्मीद है।

अनुराग कश्यप ने फिल्म फुले को लेकर बवाल कर रहे ब्राह्मण समुदाय पर साधा निशाना

फिल्ममेकर और एक्टर अनुराग कश्यप इस वक्त अनंत महादेवन की जीवनी पर आधारित फिल्म फुले को लेकर कॉन्ट्रोवर्सी में घिरे हैं। दरअसल इस फिल्म को मिल रही आलोचनाओं से परेशान अनुराग कश्यप ने केवल सेंसर बोर्ड को ही नहीं बल्कि ब्राह्मण समुदाय के खिलाफ भी नफरत से भरा कॉमेंट कर डाला है।

फिल्ममेकर ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है जिसमें 'फुले' को लेकर चल रहे जातिवाद वाले हंगामे के खिलाफ अपनी बात रखी है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए देश में आज भी जातिवाद की मौजूदगी को लेकर एक बड़ा और बेबाक सवाल किया है। उन्होंने इस पोस्ट में महाराष्ट्रियन ब्राह्मण समूहों द्वारा नाराजगी और अनंत महादेवन निर्देशित फुले की रिलीज में देरी पर अपनी निराशा जताई। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज़ पर लिखा, मेरी जिंदगी का पहला नाटक ज्योतिबा और सावित्रीबाई फुले पर था। भाई अगर जातिवाद नहीं होता इस देश में तो उनको क्या जरूरत थी लड़ने की। अब ये ब्राह्मण लोगों को शर्म आ रही है या वो शर्म में मरे जा रहे हैं या फिर एक अलग (वैकल्पिक) ब्राह्मण भारत में जी रहे हैं जो हम देख रहे हैं, जिसे हम समझ नहीं पा रहे हैं। कृपया कोई समझाए- यहां असली मूर्ख कौन है?

इतना ही नहीं, अनुराग ने सीबीएफसी और उनके पास भेजी गई फिल्म के समूहों तक पहुंचने के तरीके पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, मेरा सवाल ये है कि जब फिल्म सेंसरशिप के लिए जाती है तो बोर्ड में चार सदस्य होते हैं। आखिर समूहों और विंग्स को फिल्मों तक पहुंच कैसे मिलती है, जब तक कि उन्हें इसकी अनुमति न दी जाए? पूरी बकवास प्रणाली ही धांधली वाली है।

भगवान राम ने वनवास में की थी रामगिरि शक्तिपीठ की पूजा

हिंदू धर्म में देवी सती को समर्पित शक्तिपीठों की विशेष मान्यता है। माना जाता है कि जो भी भक्त इस सभी शक्तिपीठों के दर्शन कर लेता है, उसे जीवन के सभी कष्टों से मुक्ति मिल जाती है। उत्तर प्रदेश में स्थित एक ऐसे शक्तिपीठ के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसका संबंध भगवान राम से माना गया है। चलिए जानते हैं उस खास शक्तिपीठ के बारे में।

इसलिए कहलाता है रामगिरि शक्तिपीठ

वाल्मीकि रामायण में वर्णन मिलता है कि भगवान राम समेत माता सीता और लक्ष्मण जी ने अपने वनवास के दौरान साढ़े ग्यारह वर्ष उत्तर प्रदेश के चित्रकूट में बिताए थे। चित्रकूट में ही वह शक्तिपीठ स्थापित है, जिसे लेकर यह माना जाता है कि वनवास के दौरान इस स्थान पर भगवान राम ने पूजा-अर्चना अर्चना की थी। ऐसे में भगवान राम की भक्ति के कारण यह शक्तिपीठ रामगिरि शक्तिपीठ के नाम से भी प्रचलित है। कुछ लोग मध्य प्रदेश के मैहर में शारदा देवी मंदिर को शक्ति पीठ मानते हैं, तो वहीं कुछ लोग उत्तर प्रदेश के चित्रकूट में स्थित शारदा मंदिर को शक्ति पीठ मानते हैं। इसे लेकर कई मतभेद मिलते हैं।

भक्तों के सभी कष्ट हरती हैं देवी

क्या है मान्यता

माना जाता है कि उत्तर प्रदेश में मंदाकिनी नदी के पास मां सती का दायां स्तन गिरा था, जिसे शिव पुराण में शिवानी शक्ति पीठ के रूप में जाना जाता है। चित्रकूट के मंदाकिनी नदी किनारे एमपी क्षेत्र के नया गांव में एक बहुत सुंदर मंदिर स्थापित है। यहां देवी को शिवानी रूप में पूजा जाता है, वहीं भैरव देव को चंड कहते हैं। यह स्थान बहुत ही पवित्र माना गया है। ऐसा कहा जाता है कि यहां दर्शन करने से साधक को को अपनी विपत्तियों से मुक्ति मिल जाती है। साथ ही भक्तों की सभी मनोकामनाएं भी पूर्ण होती हैं।

जल्दी दिल हार बैठते हैं 6 तारीख पर जन्मे लोग, नहीं होती पैसों की कोई कमी!

अंक ज्योतिष शास्त्र में 01 से 9 तक मूलांक माने गए हैं, जो व्यक्ति की जन्मतिथि के आधार पर ज्ञात किए जाते हैं। किसी व्यक्ति की जन्म की तारीख की संख्या को आपस में जोड़कर जो संख्या प्राप्त होती है, वहीं उस व्यक्ति का मूलांक होता है। उदाहरण के तौर पर अगर किसी व्यक्ति का जन्म किसी महीने की 21 तारीख को हुआ है, तो उसका मूलांक 8 होगा, क्योंकि 2 और 1 को आपस में जोड़ने पर 3 प्राप्त होता है।

मिलती है शुक्र देव की कृपा

आज हम बात कर रहे हैं मूलांक 6 की। अंक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जिस व्यक्ति का जन्म किसी महीने की 6, 15 या फिर 24 तारीख को हुआ होता है, उसका मूलांक 6 होता है। इस मूलांक के स्वामी शुक्र ग्रह माने गए हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शुक्र देव धन, वैभव, सौंदर्य, प्रेम और कला के कारक हैं।

कैसा होता है स्वभाव

मूलांक 6 के जातक जल्दी ही घुल-मिल जाते हैं और इनका व्यक्तित्व भी काफी आकर्षक होता है। अपनी इस खासियत के कारण ये लोग जल्दी ही दोस्त बना लेते हैं। ये लोग अपनी मेहनत से बहुत धन कमाते हैं और भौतिक सुख-सुविधाओं से परिपूर्ण होते हैं।

इसी के साथ ये लोग काफी विश्वसनीय, उदार और शांति प्रिय भी होते हैं। वहीं इन जातकों के दिल जल्दी ही किसी पर आ जाता है, जिस कारण यह काफी बार धोखा भी खाते हैं। दिलफेंक होने कारण इस मूलांक को काफी बार मुसीबतों का सामना भी करना पड़ता है।

कैसा होता है प्रेम संबंध

मूलांक 6 के जातकों के विवाह या प्रेम संबंध की बात की जाए, तो ये लोग अपने पार्टनर को खुश रखने की पूरी कोशिश करते हैं।

इस मूलांक के जातक काफी रोमांटिक किस्म के होते हैं। आमतौर इनका गृहस्थ जीवन खुशहाल बीतता है, लेकिन कभी-कभी इन्हें वैवाहिक जीवन में कुछ कष्टों का भी सामना करना पड़ता है।

इन शुभ योग में मनाई जाएगी सीता नवमी जानें पूजा का शुभ मुहूर्त और महत्व

सीता नवमी का हिन्दू धर्म में बड़ा महत्व है। यह दिन माता सीता के प्राकट्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी दिन माता सीता का धरती पर अवतरण हुआ था। यह पर्व हर साल वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को आता है और इसे जानकी जयंती के नाम से भी जाना जाता है। वहीं, इस दिन कई शुभ योग का दुर्लभ संयोग बन रहा है।

शुभ योग – सीता नवमी पर कई शुभ योगों का अद्भुत संयोग बन रहा है, जो इस पर्व की महिमा को और भी बढ़ा रहे हैं। इस दिन रवि योग दोपहर 2 बजकर 1 मिनट से अगले दिन सुबह 05 बजकर 36 मिनट तक रहेगा। अभिजित मुहूर्त सुबह 11 बजकर 51 मिनट से दोपहर 12 बजकर 45 मिनट तक रहेगा। विजय मुहूर्त दोपहर 02 बजकर 32 मिनट से 03 बजकर 25 मिनट तक रहेगा।

सीता नवमी पूजा समय

सीता नवमी के दिन पूजा करने का शुभ समय सुबह 10 बजकर 58 मिनट से दोपहर 1 बजकर 38 मिनट तक रहेगा।

मध्याह्न पूजा मुहूर्त – 5 मई 2025 को सुबह 10 बजकर 58 मिनट से दोपहर 01 बजकर 38 मिनट तक रहेगा।

कब है सीता नवमी?

हिंदू पंचांग के अनुसार, वैशाख माह शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि 5 मई को सुबह 7 बजकर 35 मिनट पर शुरू होगी। वहीं तिथि का समापन अगले दिन यानी 6 मई को सुबह 8 बजकर 38 मिनट पर होगा। पंचांग गणना के आधार पर इस साल सीता नवमी का व्रत 5 मई को रखा जाएगा।

पूजा मंत्र

श्री सीतायै नमः।।

ॐ श्री सीता रामाय नमः।।

सीता नवमी पूजा विधि

सीता नवमी के दिन सुबह उठकर स्नान करें। साप कपड़े पहनें। पूजा स्थल को गंगाजल से शुद्ध करें और एक वेदी पर लाल रंग का वस्त्र बिछाएं। माता सीता और भगवान राम की प्रतिमा स्थापित करें। उन्हें फूल, फल, धूप, दीप और फल-मिठाई अर्पित करें। सीता चालीसा व जानकी स्तोत्र का पाठ करें। भगवान राम और माता सीता के वैदिक मंत्रों का जाप करें। अंत में आरती करें। इसके बाद पूजा में हुई गलतियों के लिए माफी मांगे।

सीता नवमी का महत्व

सीता नवमी का व्रत सुहागन महिलाओं के लिए विशेष महत्व रखता है। इस दिन व्रत रखने से पति की दीर्घायु और परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है। ऐसा कहा जाता है कि इस दिन माता जानकी की पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और जीवन में सुख-शांति आती है। ऐसे में इस दिन देवी की विधिपूर्वक आराधना करें। इसके साथ ही तामसिक चीजों से दूर रहें।

आखिर क्यों भगवान श्रीराम को जीवन भर संघर्षों का करने पड़ा था सामना?

धार्मिक मान्यता के अनुसार, रोजाना भगवान श्रीराम की पूजा-अर्चना और प्रिय भोग लगाने से साधक को शुभ फल की प्राप्ति होती है। साथ ही जीवन में सफलता के रास्ते खुलते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि भगवान राम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है। राम जी गुणों के कारण आदर्श पुरुष माने जाते हैं।

भगवान श्रीराम ने अपने जीवन के दौरान कई तरह की समस्या का सामना किया, जैसे- 14 साल का वनवास, मां सीता का हरण, मातृ और पितृ वियोग, लंकापति रावण से युद्ध आदि हैं। लेकिन आप जानते हैं कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम को जीवन में इन संघषा का सामना क्यों करना पड़ा था।

इस प्रकार थी राम जी की कुंडली

राम जी की कुंडली में कई शुभ और अशुभ योग हैं, जिसका प्रभाव उनके जीवन पर पड़ा और जीवन में समस्याओं का सामना करना पड़ा।

नौमी तिथि मधुमास पुनीता। सुकल पच्छ अभिजित हरिप्रीता।।
मध्यदिवस अति सीत न घामा। पावन काल लोक बिश्रामा।।

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि भगवान श्रीराम की कुंडली का वर्णन रामचरितमानस के बालकांड में देखने को मिलता है। इस दोहे में प्रभु के जन्म के समय के बारे में बताया गया है। इस दोहे का अर्थ यह है कि राम जी का जन्म चैत्र महीने की शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि पर हुआ था। उनका जन्म कर्क लग्न में अभिजीत मुहूर्त के दौरान हुआ था। प्रभु की कुंडली में उच्च का मंगल सप्तम भाव में है, जो मांगलिक दोष प्रदर्शित करता है। इसी वजह से राम जी को वैवाहिक जीवन में कई समस्या का सामना करना पड़ा। नीच गुरु होने की वजह से भगवान श्रीराम को सीता जी से वियोग मिला था। राम जी की कुंडली में शनि ग्रह मातृ में हैं और आत्मा, पिता एवं यश के कारक सूर्य देव पितृ भाव में हैं। ऐसा माना जाता है कि सूर्य और शनि देव के रिश्ते मधुर नहीं होते हैं, जिसकी वजह से राम ने अपने माता-पिता से वियोग का सामना किया।

वरुथिनी एकादशी पर गलती से भी न खाएं चावल, मिल सकते हैं बुरे परिणाम

वरुथिनी एकादशी का हिन्दू धर्म में बहुत ज्यादा महत्व है। यह वैशाख मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को आती है। यह व्रत भगवान विष्णु की पूजा के लिए समर्पित है। इस उपवास का पालन करने से भक्तों को पुण्य और मोक्ष की प्राप्ति होती है। वहीं, इस दिन को लेकर कुछ प्रमुख नियम बनाए गए हैं, जिनमें से एक प्रमुख नियम चावल का सेवन न करना भी है, तो आइए इसके पीछे के नियम के बारे में जानते हैं।

वरुथिनी एकादशी का धार्मिक महत्व

वरुथिनी एकादशी का व्रत करने से मनुष्य को सभी प्रकार के पापों से मुक्ति मिलती है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, इस व्रत के प्रभाव से व्यक्ति को कन्यादान के बराबर पुण्य फल प्राप्त होता है। यह व्रत दुख और दरिद्रता को दूर करने वाला माना गया है और इसके प्रभाव से व्यक्ति को मृत्यु के बाद मोक्ष की प्राप्ति होती है।

एकादशी पर क्यों नहीं खाते हैं चावल?

धार्मिक मान्यता

पौराणिक कथाओं के अनुसार, एकादशी के दिन चावल खाना पाप माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि इस दिन चावल का सेवन करने से व्यक्ति को रेंगने वाले जीव के रूप में जन्म लेना पड़ता है। इसलिए, इस दिन चावल से परहेज करना जरूरी है ताकि व्रत का पूर्ण फल प्राप्त हो सके और किसी भी नकारात्मक परिणाम से बचा जा सके।

व्रत के नियम –वरुथिनी एकादशी का व्रत दशमी तिथि की रात्रि से ही शुरू हो जाता है। इस दिन तामसिक भोजन जैसे – मांस, मदिरा, प्याज और लहसुन का सेवन नहीं करना चाहिए। एकादशी के दिन सुबह उठकर स्नान करें और भगवान विष्णु की विधिपूर्वक पूजा करें। पूरे दिन निजर्ला या फलाहार पर व्रत करें। शाम को भगवान विष्णु की आरती करें। द्वादशी के दिन ब्राह्मणों को भोजन कराएं और दान-दक्षिणा दें। इसके बाद ही व्रत का पारण करें।

गलती से चावल खाने पर क्या करें

अगर वरुथिनी एकादशी के दिन गलती से आपने चावल खा लिया है, तो इसका नकारात्मक प्रभाव कम करने के लिए तुरंत भगवान विष्णु से अपनी भूल के लिए क्षमा याचना करें और क्षमका के अनुसार दान-पुण्य करें। इसके बाद एकादशी का व्रत पूरी श्रद्धा और विधि-विधान से करें। ऐसा करने से इसके अशुभ प्रभाव को आसानी से कम किया जा सकता है।

शिवलिंग जलाभिषेक के समय किस दिशा में होना चाहिए आपका मुख, ध्यान रखें ये नियम

माना जाता है कि शिवलिंग पर जल चढ़ाने मात्र से महादेव प्रसन्न हो जाते हैं। लेकिन आपको जल चढ़ाने से संबंधित कुछ नियम भी जरूर ध्यान रखने चाहिए, ताकि आपको इसका पूरा लाभ मिल सके। ऐसे में चलिए जानते हैं कि किसी दिशा में खड़े होकर शिवलिंग पर जल चढ़ाना चाहिए और इस दौरान किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

दिशा का रखें ध्यान

शास्त्रों के अनुसार, व्यक्ति को शिवलिंग पर इस तरह से जल चढ़ाना चाहिए, कि उसका मुख उत्तर दिशा की ओर हो। इस बात का खासतौर से ध्यान रखें कि जल चढ़ाते समय आपका मुख पश्चिम या फिर दक्षिण दिशा की ओर नहीं होना चाहिए। जलाभिषेक के दौरान ओम नमः शिवाय मंत्र का जप भी करते रहें। इससे भोलेनाथ प्रसन्न होते हैं।

जलाभिषेक के नियम

शिवलिंग अभिषेक के लिए हमेशा गंगाजल या फिर साफ पानी का ही इस्तेमाल करें। जलाभिषेक के लिए हमेशा तांबे, पीलत या फिर चांदी के लोटे का इस्तेमाल करना चाहिए। जल

इस तरह अर्पित करें कि उसकी जलधारा पतली और धीमी गति से शिवलिंग पर गिरे। सीधे खड़े होकर शिव जी का जलाभिषेक नहीं करना चाहिए। आप बैठकर या झुककर शिवलिंग का जलाभिषेक कर सकते हैं।

न करें ये गलतियां

हमेशा स्नान करने और स्वच्छ कपड़े पहनने के बाद ही शिवलिंग का अभिषेक करना चाहिए। भूल से भी शिवलिंग पर गंदा जल अर्पित न करें, वरना भोलेनाथ नाराज हो सकते हैं। साथ ही जल चढ़ाते समय आपके मन में किसी तरह के नकारात्मक नहीं आने चाहिएं। शांत और श्रद्धाभाव से शिवलिंग पर जल अर्पित करना चाहिए और इस दौरान शिव जी का ध्यान करना चाहिए।

बोलें ये मंत्र

ॐ नमः शिवाय।
ॐ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि तन्नो रुद्रः प्रचोदयात्
ॐ अघोराय नमः ।
ॐ शर्वाय नमः ।
ॐ विरूपाक्षाय नमः ।
ॐ विश्वरूपिणे नमः ।
ॐ त्र्यम्बकाय नमः।
ॐ कपर्दिने नमः ।
ॐ भैरवाय नमः ।
ॐ शूलपाणये नमः।
ॐ ईशानाय नमः ।
ॐ महेश्वराय नमः।
ॐ ऊर्ध्व भू फट् ।
ॐ नमः शिवाय ।
ॐ ह्रीं ह्रौं नमः शिवाय ।
ॐ नमो भगवते दक्षिणामूर्त्तये मह्यं मेधा प्रयच्छ स्वाहा ।
ॐ इं क्षं मं औं अं ।
ॐ प्रौं ह्रीं ठः ।
ॐ नमो नीलकण्ठाय ।
ॐ पार्वतीपतये नमः ।
ॐ पशुपतये नमः ।

प्रदोष व्रत के दिन करें महादेव के इस स्तोत्र का पाठ, खुलेंगे सफलता के रास्ते

सनातन धर्म में शिव परिवार की विशेष पूजा-अर्चना करने के लिए त्रयोदशी तिथि को शुभ माना जाता है, क्योंकि इस दिन प्रदोष व्रत किया जाता है। प्रदोष व्रत के शुभ अवसर पर महादेव और मां पार्वती की पूजा-अर्चना संध्याकाल में करने का विधान है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, प्रदोष व्रत करने से साधक को जीवन में सभी डर से छुटकारा मिलता है।

अगर आप प्रदोष व्रत के दिन भगवान शिव की कृपा प्राप्त करना चाहते हैं, तो प्रदोष व्रत के दिन शिव जी की पूजा करें और सच्चे मन से शिव तांडव स्तोत्र का पाठ करें। धार्मिक मत है कि शिव तांडव स्तोत्र का पाठ करने से महादेव प्रसन्न होते हैं और सभी भय से छुटकारा मिलता है। साथ ही सफलता के रास्ते खुलते हैं। आइए पढ़ते हैं शिव तांडव स्तोत्र।

प्रदोष व्रत 2025 डेट और शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि की शुरुआत 25 अप्रैल को सुबह 11 बजकर 44 मिनट से होगी और 26 अप्रैल को सुबह 8 बजकर 27 मिनट पर तिथि खत्म होगी। इस प्रकार 25 अप्रैल को शुक्र प्रदोष व्रत किया जाएगा। इस दिन महादेव की पूजा करने से समय शाम 6 बजकर 33 मिनट से 9 बजकर 3 मिनट तक है।

भगवान शंकर के तीसरे नेत्र की उत्पत्ति कैसे हुई?

भगवान शिव की पूजा का सनातन धर्म में बहुत ज्यादा महत्व है। उन्हें त्रिलोचन के नाम से भी जाना जाता है, जो शक्ति और ज्ञान का प्रतीक हैं। शंकर जी के तीसरे नेत्र की उत्पत्ति को लेकर कई पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं। महादेव के तीसरे नेत्र की उत्पत्ति का वर्णन शिव पुराण में भी मिलता हैं,

पहली कथा – प्रचलित पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान शिव जब सती के वियोग में तपस्या में लीन थे, तब देवताओं को तारकासुर नाम का असुर बहुत परेशान कर रहा था। तब ब्रह्माजी ने बताया था कि तारकासुर का वध केवल शिव के पुत्र द्वारा ही संभव है। देवताओं ने शिव और पार्वती के विवाह के लिए कामदेव को उनकी तपस्या भंग करने के लिए भेजा। कामदेव ने अपने पुष्प बाणों से शिव के ध्यान को भंग करने का प्रयास किया।

क्रोधित होकर भगवान शंकर ने अपनी आंखें खोलीं और उनके ललाट से एक प्रचंड अग्नि ज्वाला निकली। इस ज्वाला ने कामदेव को भस्म कर दिया। ऐसा माना जाता है कि यही अग्नि ज्वाला भगवान शिव का तीसरा नेत्र बनी।

दूसरी कथा – एक अन्य मान्यता के अनुसार, भगवान शिव का तीसरा नेत्र ऊर्जा का प्रतीक है। यह नेत्र भूत, वर्तमान और भविष्य को एक साथ देखने की क्षमता रखता है। कथा के अनुसार, जब भगवान शिव ने सृष्टि के रहस्यों और समय के चक्र को गहराई से अनुभव किया, तो उनके ज्ञान और अंतर्दृष्टि के प्रतीक के रूप में उनके माथे पर तीसरा नेत्र प्रकट हुआ। कहते हैं कि यह नेत्र अहंकार, अज्ञानता और भ्रम के अंधकार को दूर करने वाली ज्ञान की ज्योति है।

तीसरे नेत्र का महत्व

भगवान शिव के तीसरे नेत्र का बड़ा महत्व है। यह एक अंग नहीं है, बल्कि यह उनकी शक्तियों का प्रतिनिधित्व करता है। इसके साथ ही यह भोलेनाथ के ज्ञान, विवेक, और सत्य की पहचान का प्रतीक है। यह नकारात्मकता और बुराई को नष्ट करने की क्षमता रखता है।

आध्यात्मिक दृष्टिकोण से, तीसरा नेत्र अंतर्ज्ञान और उच्च चेतना का केंद्र माना जाता है, जिसे जागृत करने से व्यक्ति दिव्य ज्ञान और सत्य का अनुभव कर सकता है।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

संपादकीय

गांधी परिवार पर चार्जशीट

यहां से राजनीति नई करवट ले सकती है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 'नेशनल हेराल्ड' अखबार और एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) मामले में जो आरोप-पत्र अदालत में दाखिल किया है, उसमें सोनिया गांधी को पहला और राहुल गांधी को दूसरा आरोपित बनाया गया है। गांधी परिवार के खिलाफ यह पहला आरोप-पत्र है। मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडीज दोनों दिवंगत नेता हैं, फिर भी ईडी ने उन्हें आरोपित बनाया है। कांग्रेस ने इस कार्रवाई के खिलाफ देश भर में विरोध-प्रदर्शन शुरू किए हैं। धनशोधन कानून के मुताबिक, गांधी परिवार के नेताओं पर सजा की तलवार लटकी है, लेकिन दोनों नेता दिसंबर, 2015 से जमानत पर हैं। वह निर्णय भी विशेष अदालत का था। जब तक अदालत नया गिरफ्तारी वारंट जारी नहीं करती, तब तक जमानत पर तत्काल संकट नहीं है। भविष्य में अदालत के फैसलों के आधार पर इसमें परिवर्तन संभव है। इसके अलावा, ईडी जुलाई, 2022 में लगातार तीन दिनों में 11 घंटे सोनिया गांधी और लगातार 5 दिनों में करीब 50 घंटे तक राहुल गांधी से सघन पूछताछ कर चुका है, लिहाजा आरोप-पत्र दाखिल करने और अदालत के संज्ञान लेने के बाद गांधी नेताओं की गिरफ्तारी संभव और प्रासंगिक नहीं लगती। अलबत्ता आरोप-पत्र में 'अपराध से अर्जित आय' 988 करोड़ रुपए मानी गई है। संबद्ध संपत्तियों का बाजार मूल्य करीब 5000 करोड़ रुपए आंका गया है। आरोप एजेएल की 2000 करोड़ रुपए की संपत्तियों पर कब्जे के लिए उसका अधिग्रहण, निजी कंपनी 'यंग इंडियन' के जरिए, मात्र 50 लाख रुपए में किए जाने का भी है। ईडी ने पीएमएलए की धारा 4 के तहत सजा भी मांगी है। इसमें 7 साल तक की जेल का प्रावधान है। यदि 25 अप्रैल को विशेष अदालत के न्यायाधीश इस आरोप-पत्र पर संज्ञान लेते हैं, तो उस दिन और ट्रायल के दौरान सोनिया-राहुल गांधी को अदालत में उपस्थित रहना होगा। बहरहाल इस मामले के तमाम ब्यौरे देश के सामने हैं। 2012 में डॉ. सुब्रह्मण्यम स्वामी ने अदालत में याचिका दी थी। तब केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार थी। सवाल है कि करीब 13 साल के बाद एक आरोप-पत्र दाखिल क्यों किया गया? सघन पूछताछ के भी तीन साल गुजर चुके हैं, लिहाजा ऐसे अतिविशिष्ट मामले में जांच एजेंसियां इतनी लेट-लतीफी क्यों करती हैं? हरियाणा में मनोहर लाल खट्टर और नायब सिंह सैनी की 2014 से सरकार है। तब खूब शोर मचाया जाता था कि गांधी परिवार के दामाद रॉबर्ट वाड्रा को सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। ईडी ने 15 अप्रैल को उनसे भी 6 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की। वाड्रा आज भी स्वतंत्र हैं। दरअसल कुछ सवाल ईडी की जांच की विश्वसनीयता और उसकी सजा-दर पर भी किए जा सकते हैं। करीब 96 फीसदी मामले विपक्षी नेताओं के ही खिलाफ क्यों दर्ज किए जाते हैं? गौरतलब यह है कि अशोक चव्हाण, नारायण राणे (दोनों महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री) सहित अजित पवार, प्रफुल्ल पटेल, हिमंता बिस्व सरमा, सुवेन्दु अधिकारी, नवीन जिन्दल सरीखे नेताओं की लंबी फेहरिस्त है, जो कभी गैर-भाजपा दलों में रहे और विभिन्न घोटालों में आरोपित हुए, लेकिन वे 'भाजपाई' हैं, लिहाजा तमाम आरोपों और जांच से मुक्त हैं। यह ईडी जैसी प्रमुख आर्थिक जांच एजेंसी की स्वायत्तता पर 'काला सवाल' है। कांग्रेस इसे ही 'प्रतिशोध की राजनीति' करार दे रही है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने गांधी परिवार पर आरोप-पत्र को प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की 'बदले की राजनीति' के संदर्भ में देखा है और उसके खिलाफ 'सत्यमेव जयते' का नारा बुलंद किया है। बहरहाल यह मामला राजनीतिक रूप से संवेदनशील साबित हो सकता है।

गांधी परिवार के खिलाफ यह पहला आरोप-पत्र है। मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडीज दोनों दिवंगत नेता हैं, फिर भी ईडी ने उन्हें आरोपित बनाया है। कांग्रेस ने इस कार्रवाई के खिलाफ देश भर में विरोध-प्रदर्शन शुरू किए हैं। धनशोधन कानून के मुताबिक, गांधी परिवार के नेताओं पर सजा की तलवार लटकी है, लेकिन दोनों नेता दिसंबर, 2015 से जमानत पर हैं। वह निर्णय भी विशेष अदालत का था। जब तक अदालत नया गिरफ्तारी वारंट जारी नहीं करती, तब तक जमानत पर तत्काल संकट नहीं है। भविष्य में अदालत के फैसलों के आधार पर इसमें परिवर्तन संभव है। इसके अलावा, ईडी जुलाई, 2022 में लगातार तीन दिनों में 11 घंटे सोनिया गांधी और लगातार 5 दिनों में करीब 50 घंटे तक राहुल गांधी से सघन पूछताछ कर चुका है, लिहाजा आरोप-पत्र दाखिल करने और अदालत के संज्ञान लेने के बाद गांधी नेताओं की गिरफ्तारी संभव और प्रासंगिक नहीं लगती। अलबत्ता आरोप-पत्र में 'अपराध से अर्जित आय' 988 करोड़ रुपए मानी गई है।

2025 की बीजिंग इंडिया रिपोर्ट एक बार फिर यह स्पष्ट करती है कि जलवायु संकट कोई जेंडर न्यूट्रल आपदा नहीं है। इसके प्रभाव गहरे, असमान और स्त्री-विरोधी हैं

बदलते मौसम, टूटती औरतें,सूखे खेत, खाली रसोई और थकी औरतें

प्रियंका सौरभ

भारत की करोड़ों ग्रामीण महिलाएं पहले से ही संसाधनों की कमी, सामाजिक सीमाओं और अवैतनिक घरेलू ज़िम्मेदारियों के बोझ तले दबी हुई हैं। जलवायु परिवर्तन इस बोझ को और भारी बना देता है – कभी सूखा बनकर, कभी बाढ़ बनकर, तो कभी धीमे-धीमे कुपोषण और थकावट के ज़हरीले मिलन के रूप में। बीजिंग रिपोर्ट बताती है कि जलवायु संकट न केवल महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता को गिरा रहा है, बल्कि उन्हें उनकी जैविक, सामाजिक और आर्थिक गरिमा से भी वंचित कर रहा है

जब हम जलवायु परिवर्तन की बात करते हैं, तो चर्चा अक्सर पिघलते ग्लेशियर, बढ़ते समुद्र तल और बदलते मौसम चक्रों तक सिमट जाती है। परंतु इसके मानवीय चेहरे – विशेष रूप से ग्रामीण भारतीय महिलाओं के चेहरों – को अक्सर भुला दिया जाता है। 2025 की बीजिंग इंडिया रिपोर्ट एक बार फिर यह स्पष्ट करती है कि जलवायु संकट कोई ₹जेंडर न्यूट्रल₹ आपदा नहीं है। इसके प्रभाव गहरे, असमान और स्त्री-विरोधी हैं। भारत की करोड़ों ग्रामीण महिलाएं पहले से ही संसाधनों की कमी, सामाजिक सीमाओं और अवैतनिक घरेलू ज़िम्मेदारियों के बोझ तले दबी हुई हैं। जलवायु परिवर्तन इस बोझ को और भारी बना देता है – कभी सूखा बनकर, कभी बाढ़ बनकर, तो कभी धीमे-धीमे कुपोषण और थकावट के ज़हरीले मिलन के रूप में। बीजिंग रिपोर्ट बताती है कि जलवायु संकट न केवल महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता को गिरा रहा है, बल्कि उन्हें उनकी जैविक, सामाजिक और आर्थिक गरिमा से भी वंचित कर रहा है। ग्रामीण महिलाओं के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं पहले से ही सीमित हैं, लेकिन जलवायु परिवर्तन से उपजा पोषण संकट और गर्मी का तनाव उनके प्रजनन और मातृ स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। रिपोर्ट के अनुसार, लगातार डिहाइड्रेशन और एनीमिया के कारण महिलाओं में समय से पहले हिस्टेरेक्टॉमी (गर्भाशय-उच्छेदन) के मामले बढ़े हैं। यह केवल एक मेडिकल प्रक्रिया नहीं, बल्कि उनके शरीर से जुड़ी स्वायत्तता और गरिमा पर एक हमला है। बांझपन, जटिल प्रसव, और गर्भधारण में कठिनाइयाँ अब सामान्य सी समस्याएं बनती जा रही हैं – और इनके पीछे जलवायु से जुड़ी असुरक्षा की स्पष्ट छाया है। भारत की अधिकांश ग्रामीण महिलाएं या तो खेतों में काम करती हैं या छोटे कृषि कार्यों में लगी होती हैं, लेकिन वे भूमि की मालकिन नहीं होतीं। जब बारिश असमय होती है, जब फसलें सूख जाती हैं या जब मिट्टी बंजर हो जाती है – तो सबसे पहले और सबसे ज़्यादा झटका इन महिलाओं को लगता है। बुंदेलखंड जैसे क्षेत्रों में, लगातार सूखे की मार ने न केवल उत्पादन को गिराया है, बल्कि महिलाओं की मौसमी बेरोजगारी को भी बढ़ाया है। खेत से कटने का मतलब होता है रसोई का खाली होना, बच्चियों की स्कूल से विदाई और कर्ज़ का एक

और फेरा। जो महिलाएं कृषि से इतर हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण या छोटे पैमाने के व्यवसायों में लगी थीं, उन्हें भी चरम मौसम ने नहीं बख्शा। बीजिंग रिपोर्ट बताती है कि 2023-24 में चरम जलवायु घटनाओं के दौरान गैर-कृषि क्षेत्रों में महिलाओं की आय में औसतन 33% की गिरावट आई। यह न केवल आर्थिक नुकसान है, बल्कि आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास पर भी करारा प्रहार है। जलवायु से प्रेरित विस्थापन, परिवार की आय में गिरावट और पारंपरिक सोच – ये तीनों मिलकर किशोर लड़कियों की शिक्षा को बाधित कर रहे हैं। जब परिवार के पास सीमित संसाधन होते हैं, तो सबसे पहले लड़कियों की पढ़ाई पर कैंची चलती है। उन्हें स्कूल से निकाल कर घरेलू काम में झोंक दिया जाता है, या जल्दी शादी के लिए तैयार किया जाता है। शिक्षा की यह टूटती श्रृंखला, उनके जीवन भर के अवसरों को सीमित कर देती है। विशेष रूप से आदिवासी और दलित महिलाएं – जिन्हें पहले से ही सामाजिक हाशिए पर रखा गया है – जलवायु आपदाओं के समय सबसे ज़्यादा उपेक्षा का शिकार होती हैं। 2020 के चक्रवात 'अम्फान' के दौरान, सुंदरबन क्षेत्र की दलित महिलाओं ने बताया कि राहत केंद्रों से उन्हें बाहर रखा गया, और आश्रय निर्णयों में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। जलवायु संकट के समय सामाजिक भेदभाव और भी तीखा हो जाता है। बीजिंग इंडिया रिपोर्ट इस संकट को केवल उजागर नहीं करती, बल्कि इससे निपटने के स्पष्ट रास्ते भी सुझाती है – जिनमें सबसे अहम है लैंगिक संवेदनशीलता को जलवायु रणनीति के केंद्र में लाना। राज्य स्तरीय जलवायु योजनाओं में महिलाओं की विशिष्ट ज़रूरतों को शामिल किया जाना चाहिए। ओडिशा जैसे राज्यों ने अपनी जलवायु रणनीतियों में लिंग संकेतकों को शामिल करना शुरू किया है, लेकिन ज़रूरत है कि यह पहल हर राज्य में दोहराई जाए। गांव, जाति और आर्थिक स्थिति के अनुसार लिंग-आधारित डेटा संग्रह आवश्यक है ताकि नीतियाँ धरातल पर असरदार साबित हो सकें। पंचायत स्तर पर लिंग घटक के साथ जलवायु भेद्यता सूचकांक बनाना एक प्रभावशाली कदम हो सकता है। स्वयं सहायता समूहों और महिला सहकारी समितियों को जलवायु-लचीले कृषि, हरित नौकरियों, नवीकरणीय ऊर्जा और कृषि-प्रसंस्करण के क्षेत्रों में कौशल प्रदान करके मजबूत किया जा सकता है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को बेहतर संसाधनों से लैस करना, विशेषकर प्रजनन और मातृ देखभाल के लिए, अत्यावश्यक है – खासकर उन इलाकों में जो जलवायु संकट से प्रभावित हैं। गुजरात में महिलाओं द्वारा संचालित जल समितियों ने यह सिद्ध किया है कि जब महिलाएं नीति निर्माण और संसाधन प्रबंधन का हिस्सा बनती हैं, तो समाधान अधिक टिकाऊ और संवेदनशील होते हैं। स्थानीय आपदा प्रबंधन, वन अधिकार समितियों और जल प्रबंधन में महिला भागीदारी को अनिवार्य किया जाना चाहिए। (राष्ट्रीय जलवायु कार्य योजना) के अंतर्गत चल रहे मिशनों – जैसे उजाला योजना, पीएमयूवाई आदि – को महिला केंद्रित दृष्टिकोण के साथ पुनः परिभाषित किया जाए। जलवायु-संवेदनशील क्षेत्रों में इन योजनाओं के विस्तार से न केवल स्वास्थ्य और आजीविका सुदृढ़ होगी, बल्कि लैंगिक न्याय को भी बल मिलेगा। ग्रामीण महिलाएं केवल जलवायु परिवर्तन की पीड़िता नहीं हैं – वे बदलाव की वाहक भी बन सकती हैं। लेकिन इसके लिए ज़रूरत है कि हम उन्हें केवल 'सहायता की पात्र' न मानें, बल्कि 'साझेदार' के रूप में देखें। बीजिंग रिपोर्ट का यही संदेश है – कि अगर हमें जलवायु परिवर्तन से प्रभावी ढंग से निपटना है, तो जेंडर और क्लाइमेट को एक-दूसरे से अलग नहीं, बल्कि एक साथ समझना होगा। एक महिला जब सूखते हुए तालाब की मिट्टी से अपने बच्चे के लिए पीने का पानी खुरचती है, वह सिर्फ मातृत्व नहीं, बल्कि जलवायु संकट की सबसे त्रासद छवि बन जाती है। अब वक्त है कि नीति, विज्ञान और समाज – तीनों मिलकर उसकी आवाज़ को गंभीरता से सुनें।

कुछ अलग

पर्यटन की लंबाई

हिमाचल की हर अंगड़ाई से पर्यटन निकलता है, माना तो तुम्हारे नूर से खजाना निकलता है। कुछ यूं कहते और सोचते हैं हिमाचल के मुख्यमंत्री, जब पर्यटन की हर सीढ़ी पर आर्थिक लाभ दिखाई देता है। पर्यटन की लंबाई में एक बार पैमाइश हो जाए, तो जिक्र हिमाचल के हर गांव तक का होगा। योजनाएं बड़ी हैं और इसीलिए कोई मुख्यमंत्री कांगड़ा एयरपोर्ट के विकास को लेकर सदी की सबसे बड़ी संरचना के प्रति अडिग है। वह जब कांगड़ा को टूरिज्म मानचित्र पर राजधानी के रूप में देखता है, तो वनखंडी चिडियाघर और पौंग झील में आर्थिकी का पुनर्वास दिखता है। हमें लगता है हिमाचल का हर हिस्सा और हर घर से पर्यटन निकलता है। ऐसे स्लोगन कांगड़ा को पर्यटन की राजधानी बनाएंगे, बल्कि पूरे हिमाचल को पर्यटन घर बनाने की इच्छाशक्ति होगी, तो आर्थिकी के मजमून अपने आप मजबूत और सारी अधोसंरचना निखर जाएगी। हिमाचल को देखने या हिमाचल में पर्यटन को देखने का बजट नहीं, वक्त चाहिए। बिलासपुर की परियोजनाओं का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पर्यटन की झील में तैरती योजनाओं का जिक्र करते हैं। वह 25 सौ करोड़ के खाके में दर्ज होती अधोसंरचना का उल्लेख करते हुए निवेशक का स्वागत कर रहे हैं। दो सौ नए होटलों की भागीदारी में हिमाचल कल कहां होगा, यह प्रतीक्षा जरूरी है। पर्यटन से होटलों का जुडना एक बात है, लेकिन पर्यटन को होटल में ही आबाद नहीं किया जा सकता है। अगर दो सौ नए होटलों में निवेश की राहें खोजनी हैं, तो हिमाचल पर्यटन के सर्किटों में खुद को तलाशना होगा। पर्यटक के व्यवहार में हिमाचल की मंजिलें, अलग-अलग कहानी हैं। आज की तारीख में भी वह अटल टनल को लांघने की इच्छा से बाहर नहीं आ पा रहा है, तो हमें उसका रुख मोडना होगा। रोमांच तो मनाली पहुंचने के सफर में कीरतपुर से ही शुरू हो जाता है।

बोध कथा

लक्ष्मण को दिया था अमूल्य ज्ञान

रावण एक महान विद्वान, महाशक्तिशाली योद्धा और शिव भक्त था। हालांकि उसे उसका अहंकार और अधर्म विनाश की ओर ले गया। जब राम ने रावण का वध कर दिया तब वह मृत्युशय्या पर पड़ा था। रावण ने अपने जीवन में भले ही अनेक पाप किए हों, लेकिन मरते समय वह एक शिक्षक की भूमिका में थे। लक्ष्मण जैसे योद्धा ने भी उनसे ज्ञान प्राप्त किया। रावण की अंतिम शिक्षाएं बताती हैं कि सबसे बड़ा ज्ञान वह होता है, जो अनुभवों से मिलता है। अगर हम उसे समझ लें तो अपने जीवन को बेहतर बना सकते हैं। उस समय श्रीराम ने लक्ष्मण से कहा कि वह रावण के पास जाकर उनके पैर छुए और उनसे ज्ञान प्राप्त करें। मरते समय एक ज्ञानी व्यक्ति बहुत मूल्यवान शिक्षा दे सकता है। भगवान श्री राम की आज्ञा पाकर लक्ष्मण रावण के पास गए। पहले वे रावण के सिर के पास खड़े हो गए। रावण ने कुछ नहीं कहा। लक्ष्मण वापस राम के पास लौटे और कहा कि रावण कुछ नहीं बोल रहा। तब राम ने उन्हें समझाया कि ज्ञान प्राप्त करने के लिए हमेशा विनम्रता आवश्यक है। गुरु या ज्ञानी व्यक्ति के चरणों में बैठकर ही शिक्षा प्राप्त की जाती है। फिर लक्ष्मण वापस गए और इस बार रावण के चरणों के पास बैठ गए। तब रावण ने अपने जीवन के अनुभवों से कुछ महत्वपूर्ण शिक्षाएं दीं। रावण ने कहा कि जब भी कोई अच्छा कार्य करना हो, तो उसे तुरंत कर लेना चाहिए।

देश दुनिया से

हिंदू धर्मस्थलों में लूट और अव्यवस्था!

हमारे पास ऐसा मानने के लिए पर्याप्त प्रमाण हैं कि इस धरा यानी पृथ्वी का निर्माण किसी न किसी दैवीय शक्ति के अधीन हुआ है और इसके साक्षात प्रमाण इस धरती के कण कण में, इस चराचर जगत में प्राणियों में, पशु पक्षियों में, मनुष्यों में और वनस्पतियों में दृष्टिगोचर होते हैं। क्या यह प्रमाण पर्याप्त नहीं है कि इस परिवर्तनशील पृथ्वी पर जन्म-मृत्यु का चक्र और आनुवंशिक गुणों के चलते भूलोक पर जीव जंतुओं, वनस्पतियों एवं मनुष्यों की उपस्थिति करोड़ों वर्षों से यथावत बनी हुई है और आगे भी बनी रहेगी। अगर मनुष्य की उत्पत्ति के शुरुआती कुछ हजार वर्षों को छोड़ दें तो जैसे जैसे मनुष्य की बुद्धि का विकास हुआ और मनुष्य एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को अपने अनुभवों का हस्तांतरण करता गया तो वहीं उसे ईश्वरीय उपस्थिति का आभास भी हुआ होगा। लिहाजा उसने अपने तौर तरीकों से प्रत्यक्ष देवताओं की पूजा आराधना शुरू की। हिंदू धर्म की राह पर चलकर ही विश्व में कई प्रकार के धर्म संप्रदायों का प्रादुर्भाव हुआ और सभी धर्मों का एक ही मकसद रहता आया है और वह है जन्म मरण से मुक्ति और ईश्वर के चरणों में मोक्ष मिले। वर्तमान समय में जैसे-जैसे भारतवर्ष की आबादी बढ़ रही है, लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है, शिक्षा का प्रचार प्रसार हो रहा है, सोशल मीडिया और गूगल जैसे सर्च इंजन से नित नवीन जानकारियां लोगों को मिल रही हैं, उससे यह स्वाभाविक ही है कि लोगों की जिज्ञासा में वृद्धि होती है और वह उन स्थलों को जाकर देखना चाहता है जहां भी पहुंचना असंभव माना जाता था। आज संचार और यातायात के बेहतरीन साधन उपलब्ध हैं, लिहाजा लोगों की भीड़ भी इन धार्मिक तीर्थ स्थलों पर बढ़ती जा रही है। बचपन से मिले पारिवारिक संस्कारों के चलते प्रत्येक हिंदू अपने आराध्य भगवान की पूजा अर्चना के अलावा भारतवर्ष के अनेक प्रसिद्ध मंदिरों/देवस्थानों में जाकर माथा टेकना चाहता है। प्रत्येक भारतीय धर्म, कर्म और ईश्वरीय विधान में आस्था रखता है ताकि उसे आध्यात्मिक शांति मिले और सद्गति प्राप्त हो, लेकिन श्रद्धालु और यात्रीगण जब किसी तीर्थस्थल अथवा किसी बड़े देवालयों में पहुंचते हैं तो उन्हें वहां सुविधाओं का अकाल, अव्यवस्थाओं और पंडे पुजारियों की लूट से दो चार होना पड़ता है। अगर मैं अपनी यात्राओं अथवा अपने मित्रों/रिश्तेदारों के अनुभव से कहूं तो हमें बड़े हिंदू तीर्थस्थलों में फैली अव्यवस्थाओं और लम्बी लम्बी लाइनों का सामना करना पड़ता है। भारतवर्ष की पुण्य धरा में विराजमान ईश्वरीय शक्तियां जिन्हें हम विविध नामों से जानते हैं, का पूजन न केवल घरों में होता है अपितु मंदिरों एवं देवालयों में वर्ष पर्यंत भक्तजन और श्रद्धालु नतमस्तक होने जाते हैं। हिंदू मंदिरों में फैली अराजकता और अव्यवस्था के कई कारण हैं, जिनमें मंदिरों का सरकारी नियंत्रण होना, सीसीटीवी कैमरों के बावजूद भ्रष्टाचार और मंदिरों के प्रबंधन में अनियमितता इत्यादि शामिल हैं। सरकारी नियंत्रण के कारण, मंदिरों की आय और संपत्ति पर सरकार का नियंत्रण रहता है, जिससे भक्तों के मन में मंदिर के प्रबंधन में पारदर्शिता की कमी का एहसास होता है। भ्रष्टाचार भी एक बड़ी समस्या है जिसके कारण मंदिरों की आय का दुरुपयोग होता है और मंदिर की संपत्ति का नुकसान होता है। भौतिकतावाद की इस अंधी दौड़ में ईश्वरीय सेवा में संलग्न तथाकथित पुजारी लोग ही जब जनता को लूटने में लगे हुए हों और जिन्होंने भगवान के दरबार में रहकर भी रुपया कमाने को ही अपना मूल मंत्र अथवा साध्य बना रखा हो, जहां वीवीआईपी दर्शनों के नाम पर धन संपन्न/शक्ति संपन्न और राजनीतिक तौर पर प्रभावशाली लोग हजारों की भीड़ को दरकिनार करते हुए वीवीआईपी रास्तों से जब ईश्वर की कृपा पाने के लिए बगल से गुजरते हों और वहां एक साधारण गरीब आम इनसान श्रद्धालु कातर दृष्टि से उनको गुजरते देखकर कुंठा, निराशा, हताशा और तकलीफ से डूबता उतरता तो होगा ही। आज की तारीख में चंद स्वार्थी, लालची प्रवृत्ति के लोग धर्मस्थलों में आने वाले भक्तजनों को लूटने से बाज नहीं आते हैं तो वहीं भिखारियों की फौज 2-2 सौ मीटर तक पीछा करके तंग करती है, जिससे आम आदमी एवं पढ़े लिखे लोगों का मन वितृष्णा से भर जाता है। लेकिन यह भी सत्य है कि हाल ही में संपन्न प्रयागराज के महाकुंभ में अतिउत्तम व्यवस्थाओं के कारण उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रद्धालुओं के बीच अपनी एक अलग छवि बनाई है। केंद्र एवं राज्य सरकारों को चाहिए कि मंदिरों के लिए नीतियां बनाएं और नियम निर्धारित करें। स्वच्छता एवं शौचालयों की सुंदर व्यवस्था हो। मंदिरों की आय के कुछ फीसदी भाग से मंदिर क्षेत्र का विकास करवाया जाना चाहिए। उस क्षेत्र की गलियां, सडक़ें चौड़ी करवाई जानी चाहिए। वीवीआईपी एवं धनवान लोगों और सामान्य जनता के बीच का अंतर समाप्त होना चाहिए।

भारत की विरासत

कर्नाटक

विरुपाक्ष मंदिर

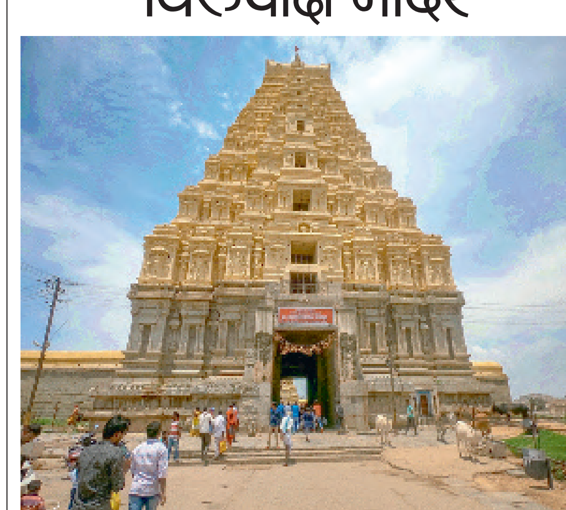

हिंदू मंदिर स्थित हैहम्पी , दक्षिण भारत के कर्नाटक राज्य का एक प्राचीन गाँव है । मंदिर का निर्माण 7वीं शताब्दी ई. में हुआ था और यह पूजा स्थल के रूप में उपयोग में है । भारतीय प्रायद्वीप के दक्षिण की ओर , तुंगभद्रा नदी की जलधारा से घिरे चट्टानी ग्रेनाइट क्षेत्र में हम्पी के शानदार खंडहर हैं। 14वीं शताब्दी का यह शहर महान विजयनगर साम्राज्य की राजधानी था और शासक कृष्णदेवराय (शासनकाल 1509-29) के अधीन अपने चरम पर पहुंच गया था। शहर लगभग 16 वर्ग मील (41 वर्ग किमी) के क्षेत्र में फैला हुआ है। इसके केंद्र में विरुपाक्ष या पंपापति मंदिर है, जो विजयनगर साम्राज्य से पहले का है। मंदिर का विस्तार 13वीं और 16वीं शताब्दी के बीच किया गया जबकि हम्पी का निर्माण इसके चारों ओर किया गया। मंदिर के पत्थरों पर चिनाई के निशान हैं जो अभिविन्यास और स्थान का उल्लेख करते हैं, जो यह सुझाव देते हैं कि वर्तमान स्थान पर लाए जाने से पहले उन्हें उनके स्रोत पर तैयार किया गया था और आकार दिया गया था।

अमृत कलश

भक्ति रूप कर्म

जिस प्रकार रेल के इंजन के पीछे डिब्बे जुड़े रहते हैं उसी प्रकार मनुष्य के जन्म के साथ ही अनेक पूर्व संस्कारों के परिपक्व कर्म जुड़े रहते हैं। इस लोक में आते ही मनुष्य जीवन भर कर्म करता है किंतु प्रत्येक व्यक्ति के कर्म करने के उद्देश्य भिन्न होते हैं। मनुष्य कभी स्वार्थ की भावना से प्रेरित होकर कर्म करता है तो कभी परोपकार की भावना से। कोई केवल धन अर्जित करने का प्रयास करता है तो कोई पुण्य के लिए कर्म करता है। प्रायः लोग सम्मान प्रतिष्ठा आ।थक लाभ या हार–जीत की भावना से विविध कार्य में प्रवृत्त होते हैं। किंतु भगवान श्रीकृष्ण ऐसे कर्मों के परिणाम पर प्रकाश डालते हुए कहते हैं –'हे अर्जुन! जो कर्म भगवान की प्रसन्नता के उद्देशय से नहीं किए जाते वे मनुष्य को बांधने वाले होते हैं।' भगवान श्रीकृष्ण इस उपदेश के माध्यम से अर्जुन को समझाते हैं कि हर कार्य में भगवान् को केंद्र में रख कर कर्म करना चाहिए। अतः जो भी कार्य प्रभु के प्रति सम।पत होकर किए जाते हैं वे भक्तिमय बन जाते हैं। भगवान श्रीस्वामिनारायण भी अपने वचनामृत ग्रंथ में यही संदेश देते हैं कि 'यदि कोई धर्म अर्थ या काम की इच्छा को त्याग कर केवल भगवान की प्रसन्नता के लिए शुभ कर्म करता है तो उसका वह कार्य भक्तिमय बन जाता है और उसका फल मोक्ष के रूप में प्राप्त होता है।' अतः जो भी कार्य भगवान की प्राप्ति और उनकी प्रसन्नता के लिए किया जाता है वही भक्ति कहलाता है।

दृष्टि कोण

टैरिफ के मुकाबले को चीनी आर्थिक दीवार

शी ने आखिर किन वजहों से तीन देशों में जाना तय किया? दरअसल, 9 अप्रैल को रोक लगाने से पहले, ट्रम्प ने कई निर्यात-उन्मुख दक्षिण-पूर्व एशियाई अर्थव्यवस्थाओं पर सबसे अधिक 'पारस्परिक' टैरिफ लगाए। उन्होंने कंबोडिया पर 49 प्रतिशत के टैरिफ लगाए, जबकि वियतनाम और मलेशिया पर क्रमशः 46 प्रतिशत और 24 प्रतिशत शुल्क लगाया गया। व्यापार युद्ध और तेज़ हो गया है, क्योंकि व्हाइट हाउस ने कहा है कि चीन को अब अमेरिका में आयात पर 245 फीसदी टैरिफ का सामना करना पड़ सकता है। वियतनाम अमेरिका द्वारा अधिकतम 46 प्रतिशत टैरिफ को लेकर गुस्से में है। सोमवार को वियतनामी अख़बार 'नहान डैन' में प्रकाशित एक लेख में, शी ने संरक्षणवाद की अपनी आलोचना दोहराते हुए कहा कि चीन और वियतनाम को मिलकर बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली और स्थिर आपूर्ति शृंखलाओं की रक्षा करनी चाहिए। यात्रा से पहले, शी ने तीन मलेशियाई समाचार आउटलेट द्वारा प्रकाशित एक लेख में चीन और मलेशिया के बीच 'बहुपक्षीय स्तर पर सहयोग की गति को बढ़ाने' का संकल्प लिया। टोरंटो विश्वविद्यालय में चीनी राजनीति की प्रोफेसर लिनेट ओंग ने कहा, 'मैं इसे व्यापार युद्ध में संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ लड़ने के लिए गठबंधन बनाने के शी के प्रयास के रूप में देखती हूं।' 10-सदस्यीय 'आसियान' के कई देश अमेरिका द्वारा भारी टैरिफ लगाए जाने से नाखुश हैं।

वाशिंगटन ने मलेशिया पर 24 प्रतिशत व्यापार शुल्क लगाया, जिसे मलेशियाई अधिकारियों ने अस्वीकार कर दिया। मलेशिया, जो अपनी गुटनिरपेक्ष स्थिति का दावा करता है, सौदे पर बातचीत करने के लिए वाशिंगटन, एक प्रतिनिधिमंडल भेज रहा है। कई दक्षिण-पूर्व एशियाई सरकारें अमेरिकी बाजार तक अपनी पहुंच बनाए रखने के लिए ट्रम्प प्रशासन के साथ बातचीत करने की उम्मीद करती हैं। वियतनाम ने भी अधिक अमेरिकी सामान खरीदने, और अमेरिकी आयातों पर शुल्क में कटौती करने की पेशकश की है। कंबोडिया ने भी यू.एस. आयात पर टैरिफ को घटाकर पांच प्रतिशत करने की पेशकश की है। डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा पूरी दुनिया में उथल-पुथल मचाये रखने का आज 15वां दिन है। ट्रंप ने 2 अप्रैल को वैश्विक बाजारों में अराजकता फैला दी, जिसे उन्होंने 'मुक्ति दिवस' कहा। एक दिन पहले वो ऐसा करते, तो बिना कहे लोग मान लेते कि ट्रंप, 'मूर्ख दिवस' मना रहे हैं। इस तथाकथित 'मुक्ति दिवस' की अर्थशास्त्रियों ने जमकर आलोचना की थी, और इसे निरर्थक बताया था। आयातित वस्तुओं पर वैश्विक स्तर पर 10 प्रतिशत का टैरिफ लगाया गया, जबकि कई देशों को उनके साथ अमेरिकी व्यापार घाटे के आधार पर बहुत अधिक शुल्क का सामना करना पड़ा। एक ऐसा कदम, जो अवांछित और हाहाकारी है। कुछ ही दिनों में बाजार में उथल-पुथल, खरबों डॉलर की संपत्ति का सफाया और अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में उछाल देखा गया, ट्रम्प ने बड़े टैरिफ पर 90-दिन की रोक की घोषणा की, लेकिन वाशिंगटन के सबसे करीबी सहयोगियों सहित सभी देशों पर 10 प्रतिशत के उपाय को बरकरार रखा। मगर, ट्रम्प ने मैक्सिको और कनाडा को बख्शा नहीं। इन पर लगाए गए 25 फीसद टैरिफ को बरकरार रखा। फिर उन्होंने चीन को निशाने पर लिया। जिससे बाज़ार में अराजकता फैल गई। क्या इसे 'टैरिफ वॉर' कहें, या कि 'टैरिफ टेररिज़्म'? ट्रम्प प्रशासन द्वारा लगाए गए टैरिफ ने वित्तीय बाजारों को हिलाकर रख दिया है। कई निवेशक और बाजार पर्यवेक्षक वैश्विक आर्थिक मंदी के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। 16 अप्रैल को, प्रेसिडेंट शी इस्ताना नेगरा में मलेशिया के राजा, सुल्तान इब्राहिम इस्कंदर से मिले। इसके बाद प्रधानमंत्री अनवर के साथ दोपहर में पुत्रजया में सेरी परदाना कॉम्प्लेक्स (प्रधानमंत्री का आधिकारिक निवास) में बैठक हुई, जहां दोनों नेताओं की उपस्थिति में कई सहमति ज्ञापनों और द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर किये गए।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका प्रबल आत्मविश्वास और आज के दिन का आसान कामकाज मिलकर आपको आराम के लिए काफ़ी वक़्त देंगे। जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है। अपने परिवार को पर्याप्त समय दें। उन्हें महसूस होने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। आज आप अपने जीवनसाथी को सरप्राइज़ दे सकते हैं, अपने सारे कामों को छोड़कर आज आप उनके साथ वक़्त बिता सकते हैं। शादीशुदा ज़िन्दगी के मोर्चे पर हालात वाक़ई थोड़े मुश्किल रहे हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों का दबाव और घर में अनबन के चलते आपको तनाव का सामना करना पड़ सकता है आज अगर आप दूसरों की बात मानकर निवेश करेंगे, तो आर्थिक नुकसान तक़रीबन पक्का है। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख-दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। करिअर में तरक्क़ी के लिए नयी क्षमताएं विकसित करना और नयी तकनीकें सीखना महत्वपूर्ण रहेगा।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह

भागमभाग भरे दिन के बावजूद आपकी सेहत पूरी तरह दुरुस्त रहेगी। आर्थिक रूप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, अपने प्रिय के बिना समय बिताने में दिक़्क़त महसूस करेंगे। आपको ऐसी परियोजनाओं पर काम करना चाहिए, जो आगे चलकर मुनाफ़ा दें। किसी पार्क में घूमते समय आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख़्स से हो सकती है जिससे अतीत में आपके मतभेद रहे हों। जीवनसाथी के साथ कुछ तनातनी मुमकिन है, लेकिन शाम के खाने के साथ चीज़ें भी सुलझ जाएंगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपका दानशीलता का व्यवहार आपके लिए छुपे हुए आशीर्वाद की तरह सिद्ध होगा, क्योंकि यह आपको शक, अनास्था, लालच और आसक्ति जैसी ख़राबियों से बचाएगा। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। आपको मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल-जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। आज आप अपने किसी वादे को पूरा नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से आपका प्रेमी आपसे नाराज हो जाएगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे – आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। आज आपको अपने उन रिश्तेदारों को पैसा उधार नहीं देना चाहिए जिन्होंने आपका पिछला उधार अब तक वापस नहीं किया है। घर में किसी भी तरह का बदलाव करने से पहले अपने बड़ों की राय लें, नहीं तो वे आपसे नाख़ुश हो सकते हैं। आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता-पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ध्यान से सुकून मिलेगा। आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। आज आपको दूसरों की ज़रूरतों पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। हालांकि बच्चों को ज़्यादा छूट देना आपके लिए समस्या खड़ी कर सकता है। दूसरे आपसे काफ़ी ज़्यादा समय की मांग कर सकते हैं। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर अपने घर की छत या किसी पार्क में टहलना पसंद करेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन आपके लिए ऊर्जा से भरा दिन नहीं है और आप छोटी-छोटी बातों पर झुंझलाएंगे। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। दोस्त मददगार और सहयोगी रहेंगे। नई परियोजनाओं को आरम्भ करने के लिए शुभ दिन है। अपनी बातचीत में मौलिकता रखें, क्योंकि किसी भी तरह का बनावटीपन आपको फ़ायदा नहीं पहुंचाएगा। आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई बाहरी व्यक्ति दूरी पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप दोनों चीज़ें संभाल लेंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अपने परिवार को पर्याप्त समय दें। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूए-गा। यदि कोई समस्या है तो उसे टालें नहीं, बल्कि जल्दी-से-जल्दी उसका समाधान ढूंढने की कोशिश करें। इस समय का उपयोग आप अपने शोकों को पूरा करने में कर सकते हैं। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूज़िक सुन सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

कोई आपका मूड ख़राब कर सकता है, लेकिन ऐसी चीज़ों को ख़ुद को क़ाबू न करने दें। त्वचा से जुड़ी समस्याएँ पैदा हो सकती हैं। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें आपको उनसे सलाह पर ध्यान देने की ज़रूरत है। सकारात्मक बातों पर विचार करने में कोई बुराई नहीं है। साझीदार से संवाद क़ायम करना बहुत कठिन सिद्ध होगा। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता-पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। कुछ लोगों के लिए- परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा। अगर आप जल्दबाज़ी में निष्कर्ष निकालेंगे और ग़ैर-ज़रूरी काम करेंगे, तो आज का दिन काफ़ी निराशाजनक हो सकता है। आज के दिन आपका वैवाहिक जीवन एक ख़ूबसूरत बदलाव से गुज़रेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

काम का थोड़ा आज कुछ तनाव और खीज की वजह बन सकता है। पैसा अचानक आपके पास आएगा यह न केवल आपका मन हल्का करेगा, बल्कि आप दोनों के बीच मतभेद दूर करने में भी मदद करेगा। भावनात्मक उथल-पुथल आपको परेशान कर सकती है। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे - बस एक-एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनीयता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बेकार की बात पर बहस करके अपनी ऊर्जा जाया न करें। याद रखें कि वाद-विवाद से कुछ भी हासिल नहीं होता, लेकिन खोता ज़रूर है। संदिग्ध आर्थिक लेन-देन में फंसने से सावधान रहें। आज भाग्य आपका साथ ज़रूर देगा, क्योंकि यह आपका दिन है। नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। छात्र-छात्राओं को आज अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी खाली समय मिले अपने काम को पूरा कर लें। ऐसा करना आपके लिए हितकारी है

आज का पंचांग

दिनांक : 19 अप्रैल 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : वैशाख,कृष्ण पक्ष
तिथि : षष्ठी रात्रि 06:24 तक
नक्षत्र : मूल प्रातः 10:21 तक
योग : शिव रात्रि 12:50 तक
करण : वणिज रात्रि 06:24 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:33 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:04 , सूर्यास्त 06:32 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:26 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:49 , सूर्यास्त 06:23 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उड़द खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल प्रातः 10:21 तक , भद्रा रात्रि 06:22 से, ग्रीष्म ऋतु आरंभ

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शांति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भजनलाल शर्मा की पत्रकारों को बड़ी सौगात

पत्रकारों के बच्चों के लिए उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति योजना लागू

जयपुर,18 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा अधिस्वीकृत पत्रकारों के बच्चों के लिए उच्च शिक्षा हेतु छात्रवृत्ति योजना की अधिसूचना जारी कर दी गई है। बजट घोषणा वर्ष 2024-25 को पूरा करते हुए राज्य के सभी अधिस्वीकृत पत्रकारों के बच्चों के लिए राष्ट्रीय स्तर के उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययन हेतु वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए यह योजना शुरू की गई है।

योजना के तहत आवेदक छात्र/छात्रा के माता-पिता में से किसी एक व्यक्ति को सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, राजस्थान से अधिस्वीकृत पत्रकार होना आवश्यक है। ऐसे अधिस्वीकृत पत्रकार जिनकी स्वयं की आजीविका पूर्णतः पत्रकारिता पर निर्भर हो तथा अभ्यर्थी की स्वयं की वार्षिक आय को सम्मलित करते हुए अधिकतम 5 लाख रुपये से कम हो, उनके दो बच्चे पात्र होंगे।

राष्ट्रीय स्तर की शिक्षण संस्थानों के मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रमों में संस्थाओं द्वारा विद्यार्थियों से लिये गये केवल अनिवार्य नॉन रिफंडेबल शुल्कों का आधा अर्थात 50 प्रतिशत शुल्क का पुनर्भरण/भुगतान विद्यार्थी को बैंक खाते के माध्यम से ऑनलाइन किया जाएगा। पाठ्यक्रम एक से अधिक वर्ष की अवधि होने पर छात्रवृत्ति का नवीनीकरण प्रतिवर्ष किया जायेगा। आवेदनकर्ता को छात्रवृत्ति के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन आवश्यक दस्तावेजों के साथ संबंधित जिला सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय पर करना होगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पत्रकार कल्याण के लिए पूर्व में भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। शर्मा ने अधिस्वीकृत पत्रकारों और उनके परिजनों के लिए राजस्थान पत्रकार स्वास्थ्य योजना (आरजे-एचएस) का शुभारंभ किया है। इस योजना के तहत अधिस्वीकृत पत्रकारों और परिवार के सदस्यों को आरजीए-चएस की तर्ज पर कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। स्वतंत्र पत्रकारों के अधिस्वीकरण की आयु सीमा तथा अनुभव में छूट देते हुए न्यूनतम पात्रता आयु 45 वर्ष तथा पत्रकारिता का अनुभव 15 वर्ष किया। सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर को जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार से जोड़ने के लिए नव-प्रसारक नीति जारी की। वहीं पत्रकार एवं साहित्यकार कल्याण कोष से अधिस्वीकृत पत्रकारों एवं आश्रितों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

भजनलाल शर्मा आज से रहेंगे तीन दिवसीय दौरे पर

जयपुर,18 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार (19 अप्रेल) से जयपुर, सीकर, झुंझुनूं और चूरू के तीन दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान शर्मा आमजन से संवाद करेंगे और विभिन्न क्षेत्रों के संबंधित विषयों पर अधिकारियों की बैठकें लेंगे। शर्मा शनिवार को सड़क मार्ग से टांटियावास, चौमूं, गोविन्दगढ़, सरगोठ, रींगस, पलसाना, बाजौर होते हुए सीकर सर्किट हाउस पहुंचेंगे। यहां वे जनसुनवाई करेंगे और अधिकारियों की बैठक भी लेंगे। इसके पश्चात वे धोद, लक्ष्मणगढ़ होते हुए फतेहपुर पहुंचेंगे।

हीटवेव प्रबंधन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, हर जीवन अमूल्य: राठौड़

जयपुर,18 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रदेश में भीषण गर्मी और हीटवेव के खतरे को देखते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने चिकित्सा संस्थानों में पुख्ता प्रबंधन सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि हीटवेव प्रबंधन में किसी भी स्तर पर लापरवाही सामने आने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी, क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति का जीवन अमूल्य है और जांच, दवा या उपचार के अभाव में किसी भी रोगी के जीवन को खतरा नहीं होना चाहिए।

राठौड़ आज स्वास्थ्य भवन में भीषण गर्मी और हीटवेव के दौरान चिकित्सा संस्थानों में आवश्यक तैयारियां, बजट घो-षणाओं और चिकित्सा सेवाओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर समीक्षा बैठक कर रही थीं। उन्होंने मौसम विभाग की चेतावनी का हवाला देते हुए कहा कि राजस्थान में भीषण गर्मी और हीटवेव का अत्यधिक प्रभाव रहने की आशंका है, इसलिए भारत सरकार और राज्य सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुसार सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने अस्पतालों में हीटवेव और मौसमी बीमारियों के उपचार के लिए आवश्यक दवाओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने पर जोर दिया और आवश्यकतानुसार स्थानीय स्तर पर भी दवाओं की खरीद करने की अनुमति दी, लेकिन दवाओं की कमी न होने की सख्त हिदायत दी। राज्य स्तर से भी दवाओं की मांग, आपूर्ति और वितरण की नियमित रूप से प्रभावी निगरानी करने के निर्देश दिए गए। राठौड़ ने ऑक्सीजन प्लांट्स सहित अन्य चिकित्सा उपकरणों के नियमित रखरखाव पर विशेष ध्यान देने को कहा।प्रमुख शासन सचिव ने हर चिकित्सा संस्थान में पानी, छाया, एसी, कूलर और पंखों की समुचित उपलब्धता और कार्यशीलता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी भी चिकित्सा संस्थान में मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा, तो संबंधित संस्थान प्रभारी जिम्मेदार होंगे और उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

केन्द्र सरकार विपक्ष के नेताओं को डराने की कोशिश कर रही है : रावत

बानसूर,18 अप्रैल (एजेंसियां)। कोटपूतली बहरोड़ जिले के बानसूर में शुक्रवार को नारायणपुर और बानसूर ब्लॉक के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा सोनिया गांधी और राहुल गांधी को जारी किए गए समन के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बानसूर में एसडीएम कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार पर राजनीतिक द्वेष के तहत कार्रवाई करने का आरोप लगाया और नारेबाजी की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बानसूर एसडीएम कार्यालय के बाहर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पुतला दहन कर विरोध जताया। उन्होंने ईडी की कार्रवाई को 'राजनीतिक उत्पीड़न' बताया और इसे तत्काल वापस लेने की मांग की। पूर्व मंत्री शकुंतला रावत ने कहा कि केंद्र सरकार विपक्षी नेताओं को डराने और उनकी आवाज दबाने की कोशिश कर रही है।

मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत योजना लागू

भूमि विकास बैंकों के ऋणी किसानों और लघु उद्यमियों को मिलेगी बड़ी राहत

जयपुर,18 अप्रैल (एजेंसियां)। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने बताया कि भूमि विकास बैंकों के अवधिपार ऋणी सदस्यों को राहत देने के लिए राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत योजना 2025-26 लागू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि योजना के माध्यम से ऋणी सदस्यों को पुन मुख्यधारा में लाने के लिए राज्य सरकार द्वारा 200 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है।

दक ने बताया कि योजना के तहत वर्ष 2014-15 से राज्य सरकार की ब्याज अनुदान योजना के अंतर्गत वितरित ऋणों को छोड़कर भूमि विकास बैंकों के स्तर पर 1 जुलाई, 2024 को अवधिपार हो चुके समस्त ऋण मामले राहत के लिए पात्र होंगे। अवधिपार मूलधन और बीमा प्रीमियम की सम्पूर्ण राशि ऋणी द्वारा जमा कराये जाने पर राज्य सरकार द्वारा अवधिपार ब्याज और दण्डनीय ब्याज में 100 प्रतिशत राहत दी जाएगी। उन्होंने कहा कि योजना से ऋणी किसानों और लघु उद्यमियों को बड़ी राहत मिलने के साथ ही भूमि विकास बैंकों के ऋणों की वसूली और उनकी आर्थिक स्थिति पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। सहकारिता मंत्री ने बताया कि योजना में पूर्व में वसूली के लिए नीलामी के दौरान भूमि विकास बैंकों के नाम क्रय की गई भूमि किसानों को वापस लौटाये जाने का प्रावधान किया गया है। साथ ही, मृतक ऋणियों के मामलों में भी उनके वारिसान को योजना से लाभान्वित किये जाने का प्रावधान है। पारदर्शिता की दृष्टि से योजना का क्रियान्वयन पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए पात्र ऋणी सदस्यों को अपना जनाधार नम्बर एवं मोबाइल नम्बर संबंधित भूमि विकास बैंक को उपलब्ध करवाना होगा। दक ने बताया कि योजना का लाभ प्राप्त करने वाले ऋणी सदस्यों को कृषि एवं अकृषि गतिविधियों के लिए राज्य सरकार की 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान योजना में नवीन ऋण दिया जाकर लाभान्वित किया जा सकेगा, जिससे उनका आर्थिक उन्नयन होगा।सहकारिता मंत्री ने भूमि विकास बैंक के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी पात्र व्यक्तियों को योजना से लाभान्वित किया जाना सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए सभी पात्र व्यक्तियों तक जानकारी पहुंचाई जाए। साथ ही, अधिकारी अपने स्तर पर पूरे मनोयोग से प्रयास करते हुए ऋणी सदस्यों को योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए प्रेरित करें।

वक्फ की जमीन से मुस्लिम होगा समृद्ध : राठौड़

जयपुर,18 अप्रैल (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने वक्फ संशोधन विधेयक 2025 को गरीब मुलसमानों के लिए बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीब मुस्लिम भाई-बहनों के हितों को ध्यान में रखकर इस विधेयक को तैयार किया है। इस विधेयक की जानकारी के अभाव में कुछ लोग मुस्लिम समाज के लोगों को गुमराह कर रहे है लेकिन जब वक्फ की संपत्ति का उपयोग गरीब मुसलमानों की शिक्षा, चिकित्सा और उनके उत्थान के लिए किया जाएगा तब मुस्लिम समाज यह समझ जाएगा कि यह हमारे हित में है। राठौड़ ने एक बार फिर स्पष्ट करते हुए कहा कि वक्फ की एक इंच भी संपत्ति सरकार लेने वाली नहीं है। सरकार वक्फ की संपत्तियों को बाहुबलियों के कब्जे से छुडाकर उस संपत्ति से होने वाली आय का उपयोग गरीब मुस्लिम समाज के लोगों के लिए करेगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि वक्फ की संपत्ति पर बाहुबलियों ने कब्जा कर रखा है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खडगे जी ने भी वक्फ की 5 एकड़ भूमि पर कब्जा कर रखा था, जो अब लौटा रहे है, अभी तक लौटाई नहीं है, अब वक्फ की जमीन लौटाने की पेशकश की है। खडगे ही नहीं, कांग्रेस के कई नेताओं ने वक्फ की संपत्ति पर कब्जा कर लिया और इसका दुरूर्पयोग कर रहे है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी अब वक्फ की संपत्ति पर होने वाले अवैध कब्जों को खाली करवाकर उससे होने वाली आय का उपयोग गरीब मुस्लिम वर्ग के लिए करेगी।

एक राष्ट्र-एक विधान विजन पर हरकत में हरियाणा विधानसभा

विदेशी मेहमानों ने हरियाणवी लोकधुनों पर किया नृत्य

चंडीगढ़,18 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के पटना सम्मेलन में लिए संकल्प तथा 'एक राष्ट्र-एक विधान' विजन का क्रियान्वयन करने के लिए वीरवार और शुक्रवार को लोक सभा के वरिष्ठ अधिकारियों से बात की। विधान प्रारूपण में 36वें अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के शिष्टमंडल के साथ पहुंचे कोर्स डायरेक्टर डॉ. के.एन. चतुर्वेदी और प्राइड के उप-सचिव सुनील मिनोचा आदि से हुई बातचीत में विधान सभा के अनेक आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा हुई।

विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि हरियाणा विधान सभा सचिवालय संवैधानिक मूल्यों के जन-जन तक प्रचार प्रसार की योजना बना रहा है। हरियाणा विधान सभा में हाल ही में हुई युवा संसदों पर भी चर्चा की गई। विस अध्यक्ष ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से युवाओं व जनता को प्रोत्साहन मिलता है। इस कड़ी में भविष्य में इस प्रकार के कार्यक्रम प्रदेश में जारी रखने की योजना पर विचार किया गया।

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता : स्वास्थ्य मंत्री

चंडीगढ़,18 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री कुमारी आरती सिंह राव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने 3 लाख रुपये से अधिक वार्षिक आय वाले परिवारों के लिए शुरू की गई चिरायु आयुष्मान भारत योजना का का विस्तार कर दिया है। यह विस्तार राज्य के प्रत्येक निवासी के लिए गुण-वत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा सुलभ और सस्ती सुनिश्चित करने की दिशा में एक कदम आगे है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने घोषणा की कि संशोधित योजना के तहत, 3 लाख रुपये से अधिक और 6 लाख रुपये तक की वार्षिक आय वाले परिवार अब 4,000 रुपये का वार्षिक अंशदान देकर लाभ उठा सकते हैं। इसी तरह, 6 लाख रुपये से अधिक आय वाले परिवार 5,000 रुपये का वार्षिक अंशदान देकर योजना के तहत लाभ प्राप्त करने के पात्र होंगे।

हरियाणा सरकार खेल को केवल करियर ही नहीं, बल्कि जीवन शैली बनाने की दिशा में कर रही है कार्य : सैनी

चंडीगढ़।,18 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार खेल को केवल एक करियर ही नहीं, बल्कि जीवन शैली बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। प्रदेश में स्कूल स्तर से ही खेलों को अनिवार्य किया जा रहा है, ताकि बचपन से ही शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का संतुलन बना रहे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हर खिलाड़ी को 20 लाख रुपये का मेडिकल बीमा कवर देने का संकल्प लिया गया है।

नायब सिंह सैनी रोहतक जिला के गांव किलोई स्थित श्री शिव कुमार मेमोरियल स्टेडियम परिसर में तीसरी अखिल भारतीय शिव कुमार स्मृति बास्केटबॉल प्रतियोगिता का बतौर मुख्यातिथि विधिवत शुभारंभ करने उपरांत उपस्थितगण को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने शिव कुमार स्मृति स्टेडियम के कार्यों के लिए 21 लाख रुपए की धनराशि, गांव में शीघ्र महिला चौपाल का निर्माण तथा गांव की विभिन्न मांगों को शीघ्र पूर्ण करवाने की भी घोषणा की। उन्होंने स्वर्गीय शिव कुमार के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए कहा कि उनकी स्मृति हमें देश के लिए बेहतर करने की प्रेरणा देती रहेगी। यह उनकी सोच का प्रतीक है, जो खेल के माध्यम से समाज को एकजुट और सशक्त बनाना चाहती थी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि खेलों को बढ़ावा देने व खिलाड़ियों के लिए सुरक्षित रोजगार सुनिश्चित करने के लिए 'हरियाणा उत्कृष्ट खिलाड़ी सेवा नियम 2021' बनाये गए हैं। इसके तहत खेल विभाग में 550 नए पद बनाये गये। इसके अलावा, 224 खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी दी है। खिलाड़ियों के लिए क्लास-वन से क्लास-थ्री तक के पदों की सीधी भर्ती में आरक्षण का प्रावधान किया गया है। हरियाणा देश का पहला राज्य है, जो पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को सबसे अधिक नकद पुरस्कार देता है। प्रदेश में अब तक खिलाड़ियों को 593 करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार दिए हैं। इसके अतिरिक्त उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 298 खिलाड़ियों को मानदेय भी दिया जा रहा है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले तथा पदक जीतने वाले छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। वर्ष 2014 से अब तक 29 हजार से अधिक छात्रों को 53 करोड़ 45 लाख रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की गई है। खेल विभाग द्वारा 15 हजार 634 खिलाडि़यों को उपकरण प्रदान किये जा चुके हैं। खिलाडि़यों को बचपन से ही तराशने के लिए 1,489 खेल नर्सरियां संचालित की जा रही है, जिनमें 37 हजार 225 खिलाड़ी प्रशिक्षण ले रहे हैं। इन नर्सरियों में नामांकित 8 से 14 वर्ष की आयु के खिलाडि़यों को 1500 रुपये तथा 15 से 19 वर्ष की आयु के खिलाडि़यों को 2000 रुपये प्रति माह दिये जाते हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बास्केटबॉल एक ऐसा खेल है, जो केवल शारीरिक क्षमता की परीक्षा नहीं लेता, बल्कि इसमें टीम वर्क, अनुशासन, रणनीति और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता का भी परीक्षण होता है। यह युवाओं में एकजुटता, समर्पण और अनुशासन का विकास करता है। ऐसे खेलों से ही हम एक स्वस्थ, सक्रिय और जागरूक समाज की नींव रखते हैं। ऐसे अखिल भारतीय टूर्नामेंट का आयोजन हरियाणा के लिए गौरव का विषय है। यह न केवल राज्य के खेल जगत में एक नया मुकाम स्थापित कर रहा है, बल्कि इससे किलोई जैसे गांवों को भी राष्ट्रीय पटल पर पहचान मिल रही है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह टूर्नामेंट केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि यह स्वर्गीय शिव कुमार के समर्पण, अनुशासन और सेवा भावना की जीवंत स्मृति है। उन्होंने अपने जीवनकाल में खेलों और समाज सेवा को महत्व दिया। इस प्रतियोगिता के माध्यम से उनके इन विचारों को जीवित रखा गया है। उनका जीवन हम सभी के लिए एक प्रेरणा है। हरियाणा की धरती शुरू से ही वीरों, खिलाड़ियों और मेहनतकश किसानों की भूमि रही है। यहां के गांव-गांव से खेल प्रतिभाएं निकलती रही हैं, जिन्होंने न केवल देश में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन किया है। चाहे वह कुश्ती हो, बॉक्सिंग हो, हॉकी हो या फिर बास्केटबॉल, हरियाणा के बेटों और बेटियों ने हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे को भी प्रोत्साहन देती हैं। जब विभिन्न राज्यों और संस्कृतियों के खिलाड़ी एक साथ मैदान में उतरते हैं, तो वह केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि राष्ट्र एकता का प्रदर्शन होता है। उन्होंने प्रतियोगिता के आयोजकों को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस प्रकार के सफल आयोजन ने इसे एक सामाजिक संदेशवाहक कार्यक्रम बना दिया।

एम्स गोरखपुर में 500 बेड के विश्राम सदन का शिलान्यास

चिकित्सक की सबसे बड़ी पहचान उसकी संवेदना: योगी

गोरखपुर, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक चिकित्सक की सबसे बड़ी पहचान उसकी संवेदना होती है। यदि किसी डॉक्टर के मन में संवेदना नहीं है तो वह डॉक्टर कहलाने का अधिकारी है या नहीं, इस पर विचार होना चाहिए। उसकी पहचान ही संवेदना से है। चिकित्सक की संवेदना गंभीर से गंभीर मरीज की आधी बीमारी को दूर कर सकती है। मुख्यमंत्री ने चिकित्सा संस्थानों के डॉक्टरों को यह नसीहत भी दी की वे बेवजह मरीजों को हायर सेंटर रेफर करने की प्रवृत्ति से बचें और मरीज को क्रिटिकल केयर उपलब्ध कराने में रिस्क लेने की आदत डालें।

सीएम योगी शुक्रवार दोपहर बाद अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) गोरखपुर के परिसर में 500 लोगों की क्षमता वाले विश्राम सदन (रैन बसेरे) का भूमि पूजन-शिलान्यास करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। 44.34 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह विश्राम सदन पूर्वी उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा विश्राम सदन होगा। इसका निर्माण पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के सीएसआर निधि से कराया जा रहा। शिलान्यास समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी चिकित्सा संस्थान डॉक्टर के व्यवहार के माध्यम से संवेदना का केंद्र भी होता है। संवेदना के इस केंद्र में अगर एक मरीज भर्ती होने आता है तो उसके साथ कम से कम 3 या 4 अटेंडेंट होते हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश में तो कई बार अटेंडेंट की संख्या 10 तक हो जाती है। ऐसे में मरीज के साथ आने वाले अटेंडेंट को आश्रय की अच्छी व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि 500 बेड के विश्राम सदन के शिलान्यास के साथ ही गोरखपुर एम्स को एक नई उपलब्धि प्राप्त हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एम्स गोरखपुर का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जुलाई 2016 में किया था। 2019 में एम्स गोरखपुर का पहला मैच एडमिशन लिया था और 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस एम्स का लोकार्पण किया था। 2016 में जो बीज एम्स के रूप में गोरखपुर में रोपा गया था, आज वह एक वटवृक्ष बनकर हजारों पीड़ितों को आरोग्यता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, एक नया जीवनदान देने का केंद्र बन गया है। उन्होंने कहा कि एम्स गोरखपुर में होगा, यह एक कल्पना मात्र लगती थी। हम लोग 2003 से इस आवाज को उठा रहे थे। उस समय अटल बिहारी वाजपेयी देश के प्रधानमंत्री थे।

एम्स दिल्ली के बाहर भी स्थापित होंगे, इसके लिए उन्होंने छह एम्स की घोषणा की थी। पर, उसके बाद यह क्रम थम सा गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद बिना भेदभाव, सबका साथ, सबका विकास के मंत्र का साकार रूप स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भी देखने को मिल रहा है। देश के अंदर 22 नए एम्स पीएम मोदी के कार्यकाल में, 10 वर्षों में बने हैं या बन रहे हैं। उनमें से गोरखपुर एम्स भी एक है। गोरखपुर में एम्स बने, इसके लिए 2003 में उठाई गई आवाज को 2016 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आकार दिया।

मुख्यमंत्री ने करीब डेढ़ वर्ष पहले लखनऊ में एसजीपीजीआई के अपने दौरे के दौरान सड़कों पर बड़ी संख्या में लोगों को देख उनकी व्यवस्था के लिए अटेंडेंट शेल्टर होम बनाने के निर्देश दिए थे। एसजीपीजीआई, केजीएमयू, बीएचयू में और एम्स गोरखपुर में पेशेंट अटेंडेंट के लिए विश्राम गृह बनाने की जिम्मेदारी अवनीश अवस्थी को दी गई थी। उन्होंने प्रयास शुरू किए तो पेट्रोलियम मिनिस्ट्री ने एसजीपीजीआई, केजीएमयू और आरएमएल के लिए तीन रैन बसेरे दिए। पावर मिनिस्ट्री के सहयोग से एम्स गोरखपुर के लिए रैन बसेरा स्वीकृत हुआ।

अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीआरडी मेडिकल कॉलेज में 20 साल पहले इंसेफेलाइटिस के पीक समय में शुरू किए गए तीमारद-ारों के भोजन के लिए रियायती मॉडल का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि एक समय बीआरडी मेडिकल कॉलेज इंसेफेलाइटिस हॉटस्पॉट था। वहां पर समूचे पूर्वी उत्तर प्रदेश के पेशेंट आते थे। वहां पर बड़ी अव्यवस्था देखने को मिलती थी। लोगों के पास खाने के लिए भोजन नहीं होता था। उस समय हम लोगों ने एक स्वयंसेवी संस्था से मिलकर व्यवस्था कराई थी। उस समय आठ रुपये में तीमारदारों के लिए दाल, चावल, रोटी, सब्जी की व्यवस्था शुरू की गई। उन्होंने कहा कि आज भी पेशेंट के अटेंडेंट को बीआरडी मेडिकल कॉलेज और गुरु गोरखनाथ चिकित्सालय में भी दस रुपये में भरपेट दाल, चावल, सब्जी, रोटी की सुविधा आज भी प्राप्त हो रही है।

इस मौके पर सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि एम्स गोरखपुर की स्थापना का श्रेय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को है। उन्होंने इस संस्थान के लिए अपना खून-पसीना बहाया है। जनता को बेहतरीन स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना हमेशा से उनकी उच्च प्राथमिकता रहा है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के नौनिहालों के लिए त्रासदी रही इंसेफेलाइटिस पर पूर्ण नियंत्रण इसका प्रमाण है। शिलान्यास समारोह में एम्स गोरखपुर की गवर्निंग काउंसिल के चेयरमैन देशदीपक वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन और सहयोग से कम समय में ही गोरखपुर एम्स की उपलब्धियां मौन क्रांति की तरह है। वर्तमान में यहां पांच सुपर स्पेशलिटी डिपार्टमेंट संचालित हो चुके हैं।

उन्होंने कहा कि गोरखपुर का एम्स प्रथम श्रेणी वाले संस्थानों की कतार में तेजी से शामिल हो रहा है। इस अवसर पर एम्स गोरखपुर की कार्यकारी निदेशक डॉ. विभा दत्ता ने कहा कि विश्राम सदन सिर्फ एक भवन नहीं है बल्कि रोगियों के परिजनों को आश्रय और बुनियादी सुविधाएं सुविधा दिलाने का संवेदनशील कदम है। उन्होंने कहा कि एम्स गोरखपुर चिकित्सा सुविधाओं के क्षेत्र में धीरे-धीरे नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

स्वागत संबोधन में पावर ग्रिड के निदेशक (कार्मिक) यतींद्र द्विवेदी ने मुख्यमंत्री के स्वागत करते हुए बताया कि विश्राम सदन के निर्माण को 31 मार्च 2027 तक पूर्ण किए जाने का लक्ष्य है। इस अवसर पर महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव समेत कई जनप्रतिनिधि, मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, पावर ग्रिड के कार्यपालक निदेशक (सीएसआर) जसवीर सिंह, उत्तरी क्षेत्र-3 के कार्यपालक निदेशक वाई.के. दीक्षित, उत्तरी क्षेत्र-3 के मानव संसाधन प्रमुख रमन सहित पावरग्रिड तथा एम्स, गोरखपुर के वरिष्ठ अधिकारी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पिछड़े वर्ग के कल्याण के लिए योगी सरकार ने खोला खजाना

विभिन्न योजनाओं पर खर्च किए गए ढाई हजार करोड़ रुपए

लखनऊ, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। योगी सरकार ने 2024-25 में पिछड़े वर्ग के उत्थान और कल्याण के लिए अपना खजाना खोल दिया है। प्रदेश सरकार ने विभिन्न योजनाओं के तहत पिछड़े वर्ग के लाखों लोगों को राहत देने और उन्हें आगे बढ़ाने के उद्देश्य से ढाई हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च की है। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार पिछड़े वर्ग के समग्र विकास को लेकर प्रतिबद्ध है। उनकी शिक्षा, तकनीकी प्रशिक्षण, सामाजिक सहयोग और आवासीय सुविधाओं के साथ ही आधारभूत सुविधाओं पर ध्यान देकर सरकार सामाजिक समरसता और सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रही है।

पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 2024-25 में सरकार ने पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजना पर 168.75 करोड़ रुपए खर्च किए हैं, जिससे 7.94 लाख से अधिक छात्रों को लाभ मिला है। इसके तहत, कक्षा एक से कक्षा 10 तक के पिछड़े वर्ग के छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। वहीं, दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत 1981.45 करोड़ रुपए व्यय किए गए, जिससे 21.31 लाख छात्रों को शैक्षिक सहायता मिली। इसमें कक्षा 11 से उच्च शिक्षा में पढ़ने वाले छात्र लाभान्वित होते हैं। सरकार ने पिछड़ी जातियों की गरीब बेटियों की शादी में मदद के लिए 2024-25 में 200 करोड़ रुपए की राशि खर्च की है। इसका लाभ एक लाख बेटियों और उनके परिवारों को मिला, जिससे उन्हें आत्मसम्मान के साथ जीवन की नई शुरुआत करने का अवसर मिला।

प्रदेश सरकार ने पिछड़ी जातियों के छात्रों को कंप्यूटर शिक्षा से जोड़ने के लिए 2024-25 में 32.92 करोड़ रुपए की राशि खर्च की है। इस योजना से 29,769 छात्रों को आधुनिक तकनीकी ज्ञान मिला, जिससे उनके रोजगार के अवसर बढ़े हैं। इस योजना का उद्देश्य पिछड़े वर्ग के छात्रों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ना है। शिक्षा के साथ-साथ आवास सुविधा को बेहतर बनाने के लिए भी सरकार ने छात्रावास अनुरक्षण योजना के अंतर्गत 2024-25 में 2 करोड़ रुपए की राशि व्यय की है। यह बजट प्रदेश के छह छात्रावासों के अनुरक्षण हेतु दिया गया है। इन छात्रावासों के माध्यम से योगी सरकार पिछड़े वर्ग के छात्रों को आवासीय सुविधा भी प्रदान कर रही है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट में छह नए जजों को दिलाई गई शपथ

प्रयागराज, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट में शुक्रवार को छह नए न्यायाधीशों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली ने अपने न्यायालय कक्ष में सभी नए न्यायाधीशों को सुबह 10 बजे शपथ ग्रहण कराया। इसी के साथ हाईकोर्ट में कुल जजों की संख्या 87 हो गई है। हाईकोर्ट में जजों के कुल 160 पद स्वीकृत हैं।

जिन नए न्यायाधीशों ने शुक्रवार को शपथ ग्रहण किया उसमें जितेंद्र कुमार सिन्हा, अनिल कुमार, संदीप जैन, अवनीश सक्सेना, मदन पाल सिंह और हरवीर सिंह शामिल हैं। इस मौके पर तमाम न्यायाधीश और हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, एडवोकेट एसोसिएशन के पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद थे।

अस्पताल में नहीं हुआ प्रोटोकॉल का पालन तो मंत्री नाराज

सोनभद्र, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में एक अस्पताल के दौरे के दौरान योगी सरकार में मंत्री प्रोटोकॉल के उल्लंघन से नाराज हो गए। इसके बाद मंत्री संजीव कुमार गोंड ने सोनभद्र के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) को अस्प-ताल के अधीक्षक को दूसरे स्थान पर ट्रांसफर करने का निर्देश दिया है।

सोनभद्र जिले में ओबरा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले गोंड, उत्तर प्रदेश सरकार में समाज कल्याण राज्य मंत्री हैं।

अधिकारियों के अनुसार,संजीव कुमार गोंड बुधवार को डिबुलगंज स्थित संयुक्त जिला अस्पताल में सौर ऊर्जा संयंत्र का उद्घाटन करने गए थे।

अपने दौरे के दौरान उन्होंने कथित तौर पर देखा कि जब समर्थक उनका अभिवादन कर रहे थे तो अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक रवि प्रताप सिंह चेहरे पर मास्क लगाए चुपचाप पीछे खड़े थे। संजीव गोंड ने

संवाददाताओं से कहा, मैं पहचान नहीं पाया कि वह डॉक्टर कौन था। बाद में उद्घाटन स्थल पर डॉक्टर मेरे पास आया और बोला, मंत्री महोदय, आप मुझसे नहीं मिले। मैंने उससे कहा कि प्रोटोकॉल के अनुसार आगे आकर मेरा अभिवादन करना आपका कर्तव्य था। गोंड ने यह भी आरोप लगाया कि स्थानीय लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनसे शिकायत की थी कि अधिकारी अक्सर ड्यूटी के दौरान शराब के नशे में पाया जाता है। उन्होंने कहा, ऐसे डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी अश्विनी कुमार ने पुष्टि करते हुए कहा, मंत्री ने बुधवार को उन्हें फोन किया था तभी मुझे पता चला कि डिबुलगंज अस्पताल के अधीक्षक ने प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया। मैंने एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा मामले की जांच के आदेश दिए हैं। दोषियों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि एक चिकित्सक की सबसे बड़ी पहचान उसकी संवेदना होती है और अगर चिकित्सक के मन में संवेदना नहीं है तो वह चिकित्सक कहलाने का अधिकारी है या नहीं, इस पर जरूर विचार होना चाहिए।

उत्तर प्रदेश की जीएसडीपी 2024-25 में 27 लाख करोड़ से ज्यादा हुई

लखनऊ, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। आर्थिक विकास के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल हुई हैं। उत्तर प्रदेश, जो कभी विकास की दौड़ में पिछड़ गया था, आज पूरी रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। वर्ष 1950 से लेकर 2017 तक प्रदेश की सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) केवल 12.75 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच पाई थी। लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी नीतियों और निर्णायक नेतृत्व की बदौलत यह आंकड़ा 2024-25 में दोगुना से अधिक होकर 27.51 लाख करोड़ रुपए के करीब पहुंचा है। यही नहीं, आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्रदेश ने 30.77 लाख करोड़ रुपए के जीएसडीपी लक्ष्य को भी निर्धारित किया है।

राष्ट्रीय स्तर पर जहां 2023-24 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 9.6 प्रतिशत रही, वहीं उत्तर प्रदेश ने 11.6 प्रतिशत की दर से ग्रोथ दर्ज कर देश के अन्य राज्यों को पीछे छोड़ दिया। यह स्पष्ट संकेत है कि मुख्यमंत्री योगी का आर्थिक मॉडल तीव्र गति से विकास की ओर अग्रसर है। प्रदेश की यह प्रगति दर्शाती है कि पहले की सरकारों की उपेक्षा के कारण उत्तर प्रदेश वर्षों तक विकास की दौड़ में पिछड़ता रहा। लेकिन अब वही राज्य, नए भारत के निर्माण में एक मजबूत स्तंभ के रूप में उभरकर सामने आ रहा है।

इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बेहतर कानून व्यवस्था को व्यापार के लिए संजीवनी बताया है। आईआईए अयोध्या मंडल के अध्यक्ष प्रमित कुमार सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नीतियां उत्तर प्रदेश के विकास के मार्ग पर आगे बढ़ाने में सहायक साबित हो रही हैं। विशेष तौर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कानून व्यवस्था को लेकर सख्त निर्देश भी इसका बड़ा कारण है। इसी वजह से प्रदेश में व्यापार के अनुकूल माहौल बना है। जिसका परिणाम है कि देश-विदेश से लोग व्यापार करने के लिए उत्तर प्रदेश आने के लिए उत्सुक रहते हैं। यहां पर इन्वेस्ट करने के बाद कारोबारियों को अपने व्यापार में काफी सहूलियत में मिलती है। इसके साथ ही लोग उत्तर प्रदेश में काफी सुरक्षित भी महसूस करते हैं।

वक्फ सम्पत्ति बता कर कब्रिस्तान की जमीन पर किया कब्जा

एफआईआर दर्ज होते ही आरोपी फरार

बरेली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। बरेली के सीबीगंज क्षेत्र में कब्रिस्तान की सरकारी भूमि को वक्फ सम्पत्ति बताकर कब्जा करने का आरोपी एफआईआर दर्ज होने के बाद से फरार है। पुलिस आर-ोपी सब्जे अली की तलाश कर रही है। प्रशासन की मदद से पुलिस उसकी सम्पत्ति जब्त कर सकती है। सीबीगंज के एक मामले में शिकायत पर एसएसपी ने जांच कराई तो पता लगा कि गांव सरनिया के अभिलेखों में कब्रिस्तान के नाम दर्ज सरकारी भूमि को सब्जे अली ने फर्जी ट्रस्ट बनाकर वक्फ में पंजीकृत करवाकर कब्जा कर लिया है। पुत्तन शाह ने मामले की शिकायत दर्ज कराई थी।

पुत्तन शाह ने कानूनी लड़ाई लड़ी तो दो साल पहले कोर्ट ने भूमि को कब्जामुक्त कराने का आदेश जारी कर दिया। कोर्ट के आदेश को भी सब्जे अली दबाए बैठा रहा। एसएसपी के हस्तक्षेप पर बुधवार को पुत्तन शाह ने 11 लोगों पर धोखाधड़ी, फर्जी कागजात बनाने व मारपीट की रिपोर्ट कराई। बृहस्पतिवार को इंस्पेक्टर सुरेश चंद्र गौतम ने मौके पर टीम भेजकर जांच कराई तो पता लगा कि सब्जे अली व उसके परिजन घर में ताला डालकर भाग गए हैं। भूमि को कब्जामुक्त कराने की प्रक्रिया भी जल्द शुरू करने की तैयारी है।

गांव सरनिया निवासी पुत्तन शाह के मुताबिक गांव में ही एक बेशकीमती जमीन खतौनी में कब्रिस्तान के नाम दर्ज है। यह सरकारी जमीन है।

उन्होंने बताया कि गांव के ही सब्जे अली ने सैयद हामिद हसन नाम के एक व्यक्ति को फकीर बनाकर कब्रिस्तान के कुछ हिस्से की जमीन पर बैठा दिया। फिर उससे झाड़-फूंक कराकर लोगों को बरगलाने लगा।

आरोपी उससे होने वाली आमदनी में अपना हिस्सा लेने लगा। हामिद हसन की मौत के उसके शव को वहीं कब्र खुदवाकर दफन करा दिया। फिर उस जमीन के साथ ही कब्रिस्तान के कुछ हिस्से की करीब तीन बीघा जमीन पर कब्जा करने की नियत से मजार का निर्माण कराने लगा था।

आरोपी ने फर्जी कागजात तैयार कर फकीर सैयद हामिद हसन दरगाह चैरिटेबिल ट्रस्ट के नाम से न्यास पत्र उपनिबंधक सदर द्वितीय के कार्यालय में 24 नवंबर वर्ष 2020 को पंजीकृत करा लिया। इसके बाद अवैध रूप से कब्जा की गई जमीन पर खुद को ट्रस्टी नामित कर ट्रस्ट में अपने ही परिजनों को शामिल कर लिया। आरोपी ने सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड लखनऊ में इस सम्पत्ति को पंजीकृत करा दिया। इसे अपनी जमीन बताते हुए खुद इसका अध्यक्ष बन गया। पुत्तन शाह ने 12 फरवरी वर्ष 2021 में सब्जे अली ने पुत्तन शाह के विरुद्ध ही कोर्ट में एक वाद डाल दिया। पुत्तन ने कानूनी लड़ाई लड़ी तो कोर्ट ने सब्जे अली के कब्जे को अवैध पाया।

फिडे महिला ग्रैंड प्रिक्स : कोनेरू हम्पी की शानदार जीत, दिव्या देशमुख ने भी की दमदार वापसी

पुणे, 18 अप्रैल (एजेंसियां)।

फिडे महिला ग्रैंड प्रिक्स 2024 के चौथे दौर में भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी ने अपने अनुभव और स्थितिगत ताकत का शानदार प्रदर्शन करते हुए रूस की पोलिना शुवालोवा को पराजित किया है। वहीं दिव्या देशमुख ने भी रोमांचक अंदाज़ में बाजी अपने नाम की, जबकि द्रोणवल्ली हरिका और वैशाली रमेशबाबू का अखिल भारतीय मुक़ाबला बराबरी पर छूटा।

हम्पी की सटीक रणनीति, पोलिना को किया परास्त – इतालवी ओपनिंग के साथ शुरू हुए इस मुक़ाबले में हम्पी ने पोलिना के ख़िलाफ़ धीरे-धीरे स्थिति मजबूत की। आठवें मोड़ पर पोलिना की एक चूक ने हम्पी को बढ़त दिलाई। 12वीं चाल में रानियों का आदान-प्रदान हुआ और इसके बाद हम्पी ने अपने जुड़े हुए प्यादों और सातवीं पंक्ति तक घुसपैठ करने वाली किश्ती से खेल पर पकड़ बना ली। 26वीं चाल तक तस्वीर साफ हो गई थी और 37 चालों में हम्पी ने बाज़ी अपने नाम कर ली। मैच के बाद हम्पी ने इसे 'आरामदायक खेल' बताया।

दिव्या देशमुख की 70 चालों तक चली जंग- दिव्या देशमुख ने कारो-कान बचाव एक्सचेंज वेरिएशन में शानदार खेल दिखाया। उन्होंने ज़्यादातर समय बढ़त बनाए रखी और अंत में डबल किश्ती और राजा की मदद से 70 चालों के बाद मेलिया सलोमे को हराया। इस जीत के साथ दिव्या भी अंक तालिका में शीर्ष की ओर पहुंच गई हैं।

हरिका और वैशाली का मुक़ाबला रोमांचक ड्रॉ- अखिल भारतीय भिड़ंत में द्रोणवल्ली हरिका और वैशाली रमेशबाबू आमने-सामने थीं। ग्रुनफेल्ड बचाव से शुरू हुए इस मुक़ाबले में हरिका ने लंबे समय तक बढ़त बनाए रखी, लेकिन वैशाली ने धैर्य नहीं खोया। 34वीं चाल के बाद हरिका कोई निर्णायक बढ़त नहीं बना सकीं और खेल बराबरी पर समाप्त हुआ।

अंक तालिका में कड़ी टक्कर- चीन की झू जिनर इस समय 3.5 अंकों के साथ अंक तालिका में सबसे आगे हैं। हम्पी और दिव्या दोनों ही जिनर से केवल आधा अंक पीछे हैं। शुक्रवार को हम्पी और हरिका के बीच एक अहम अखिल भारतीय मुक़ाबला खेला जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

आईपीएल 2025 : गुजरात टाइटंस ने दासुन शनाका को ग्लेन फिलिप्स की जगह टीम में किया शामिल

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के सीजन में गुजरात टाइटंस (जीटी) ने बड़ा बदलाव करते हुए श्रीलंका के दासुन शनाका को टीम में शामिल किया है। शनाका को ग्लेन फिलिप्स की जगह टीम में लिया गया है, जो ग्रोइन इंजरी के चलते टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं और स्वदेश लौट चुके हैं। ग्लेन फिलिप्स को इस सीजन गुजरात टाइटंस ने 2 करोड़ रुपये के बेस प्राइस पर खरीदा था। हालांकि, उन्हें एक भी मुकाबले में खेलने का मौका नहीं मिला और इसी बीच वो ग्रोइन इंजरी का शिकार हो गए। इसके बाद फ्रेंचाइजी ने उन्हें पूरे टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। दासुन शनाका इससे पहले 2023 के सीजन में भी गुजरात टाइटंस की ओर से खेल चुके हैं। उस वक्त उन्हें कुछ ही मुकाबलों में मौका मिला था। अब एक बार फिर फ्रेंचाइजी ने उन पर भरोसा जताया है। शनाका को उनके बेस प्राइस 75 लाख रुपये में टीम में शामिल किया गया है। दासुन शनाका श्रीलंका के अनुभवी ऑलराउंडर हैं। उन्होंने अब तक 102 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और उपयोगी गेंदबाजी के लिए पहचाने जाने वाले शनाका, गुजरात टाइटंस की प्लेइंग इलेवन में बतौर ऑलराउंडर अहम भूमिका निभा सकते हैं।

आईपीएल : हेड सबसे अधिक स्ट्राइक रेट से 1000 रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

मुम्बई। सनराइजर्स हैदराबाद को मुंबई इंडियंस के खिलाफ यहां हुए मैच में हार का सामना करना पड़ा है पर इस मैच में सनराइजर्स की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने एक नया रिकार्ड बनाया है। हेड ने इस मैच में केवल 29 रन बनाये पर इसके साथ ही हेड आईपीएल में पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने 170 से अधिक के स्ट्राइक रेट और 30 से अधिक के औसत से कुल 1000 रन बनाये हैं। इससे पहले जिन भी खिलाड़ियों ने 1000 रन बनाये हैं उनका स्ट्राइक रेट कम रहा है। हेड ने आईपीएल में 172 के स्ट्राइक रेट से 1000 रन बनाए है। हेड ने कुल 32 मैचों में 36.21 के औसत से 1014 रन बनाए हैं। इससे पहले 102 से अधिक खिलाड़ियों ने आईपीएल में 1000 रन बनाये हैं। इसमें वेस्टइंडीज के रसल ने 170 के अधिक के स्ट्राइक रेट से 1000 रन बनाये पर उनका औसत भी 27 रहा है। इसके अलावा वेस्टइंडीज के ही निकोलस पूरन और दक्षिण अफ्रीका के हेनिरिक क्लासेन जैसे खिलाड़ियों ने भी 1000 रन बनाये हैं पर उनका औसत भी हेड से कम ही रहा है हालांकि हेड का फॉर्म इस साल आईपीएल में अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने 6 मैच में अब तक कुल 248 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 34 के औसल और 168 के स्ट्राइके रेट से रन बनाये हैं।

पंजाब किंग्स में आने से आया मेरे में बदलाव : अर्शदीप

नई दिल्ली । बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने आईपीएल के इस सत्र में पंजाब की ओर से अच्छा

प्रदर्शन किया है। अर्शदीप ने कहा है कि इस टीम में आने के बाद से ही उनमें काफी बदलाव आया है जिसके कारण ही वह पहले से बेतर खिलाड़ी बन सके हैं। अर्शदीप ने कहा कि फ्रेंचाइजी में एक साल होने के बाद से ही उन्हें अहम भूमिका भी मिलने लगीं जिससे वह अधिक जिम्मेदारी से अपना काम कर पाते हैं। वह साल 2019 से ही पंजाब किंग्स से खेल रहे हैं। उन्होंने 71 मैचों में अब तक 26.82 की औसत और 9 की इकॉनमी रेट से 84 विकेट लिए हैं। अर्शदीप ने कहा, जब से मैं पंजाब किंग्स में आया हूं, पहले साल को छोड़कर , मुझे अपनी भूमिका में वरिष्ठता महसूस होने लगी है। मैं पिछले सात सालों से इस टीम से जुड़ा हुआ हूं और टीम के साथ अपना पहला साल बिताने के बाद मुझे लगने लगा कि मुझे टीम में बहुत बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। इससे मुझे एक खिलाड़ी और बेहतर इंसान के रूप में विकसित होने में भी सहायता मिली। अर्शदीप का अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन आईपीएल सीजन 2021 में आया जब उन्होंने 12 मैचों में 18 विकेट लिए। वहीं उन्होंने 2022 में 10 विकेट लिए थे। अर्शदीप ने कहा कि इस लीग में खेलने से उन्हें पता चला कि अधिक दबाव वाले मैचों में किस प्रकार से खेला जाता है। इसके साथ ही उनका रुख भी खेल को लेकर गंभीर को गया क्योंकि कठिन हालातों में अगर रुख गंभीर नहीं होगा तो उसका नुकसान टीम को हो सकता है।

चिन्नास्वामी में बारिश के बाद बरसे पंजाब किंग्स के गेंदबाज

इस सीजन तीसरी बार घर में शर्मसार हुई आरसीबी

बेंगलुरु, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। बारिश से प्रभावित मुकाबले में पंजाब किंग्स ने धमाकेदार खेल दिखाते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 5 विकेट से हरा दिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी आरसीबी की अपने घर में हालत खराब रही। आरसीबी टिम डेविड की नाबाद 50 रनों की पारी की मदद से निर्धारित किए 14 ओ-वरों के खेल में जैसे-तैसे 95 रन का स्कोर खड़ा पाई। इसके जवाब में पंजाब किंग्स ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 12.1 ओवर 98 रन बनाकर मैच को अपने नाम कर लिया। पंजाब किंग्स की यह 7 मैचों में 5वीं जीत है। वहीं आरसीबी को इस सीजन तीसरी हार का सामना करना पड़ा है। आरसीबी को ये तीनों हार अपने घर में मिली है।बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम में बारिश के कारण यह मैच देर से शुरू हुआ था। मुकाबले में पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी का फैसला किया। गेंदबाजी में पंजाब के लिए अर्शदीप सिंह ने पहले ही ओवर में विकेट लेकर अपनी टीम को धमाकेदार शुरुआत दिलाई। पहले ओवर में विकेट के बाद तो फिर आरसीबी की हालत खराब हो गई।बैक टू बैक दूसरे लो स्कोरिंग मैच में पंजाब किंग्स की टीम ने आरसीबी के खिलाफ संभलकर अपनी शुरुआत की। पंजाब को सिर्फ 96 रन का टारगेट मिला था, लेकिन इसके बावजूद ओपनर बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य हड़बड़ी दिखाते हुए अपना विकेट गंवा दिया। इसके बाद कप्तान श्रेयस अय्यर भी कुछ खास कमाल नहीं कर सके। एक समय पंजाब किंग्स की टीम 54 रन के स्कोर 4 विकेट गंवाकर मुश्किल में फंस गई थी, लेकिन निहाल बढ़ेरा सुयश शर्मा के खिलाफ बड़े शॉट खेलकर मैच को एकतरफा बना दिया।

टीम के लिए निहाल बढ़ेरा ने नाबाद 33 रनों की पारी खेली थी। अपनी इस पारी में उन्होंने 3 छक्के और 3 चौके भी लगाए। इसके अलावा जोश इंग्लिस ने 17 गेंद में 14 रनों का योगदान दिया। वहीं ओपनिंग करने उतरे प्रियांश आर्य ने 11 गेंद में 16 रनों की पारी खेली जबकि प्रभसिमरन की पारी 13 रन पर समाप्त हुई। वहीं अंत में मार्कस स्टोइनिस 7 रन बनाकर मैच को फिनिश किया।पंजाब किंग्स के खिलाफ एम चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम में एक तरफ आरसीबी के बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह बिखर रही थी तो दूसरी ओर टिम डेविड ने अकेले मोर्चा संभालते हुए टीम को एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। टिम डेविड ने तेज तर्रा बैटिंग करते हुए 26 गेंद में 50 रन बनाकर नाबाद रहे। अपनी इस पारी में उन्होंने 5 चौके और 3 छक्के भी लगाए। टिम डेविड के अलावा आरसीबी के लिए और कोई भी खिलाड़ी कमाल नहीं दिखा सके।

टिम डेविड के बाद आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ही एक ऐसा बल्लेबाज रहे जो दहाई के आंकड़े को पार किया। रजत पाटीदार ने 18 गेंद में 23 रन बनाकर आउट हुए। इसके इसके अलावा विराट कोहली समेत और कोई भी खिलाड़ी दहाई अंक तक नहीं पहुंच पाए। यही कारण है कि आरसीबी की टीम पंजाब के खिलाफ 100 रन के स्कोर तक भी नहीं पहुंच पाई।आरसीबी के खिलाफ मुकाबले में पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। कप्तान का यह फैसला चिन्नास्वामी में पूरी तरह से कारगर रहा। पंजाब की तरफ से अर्शदीप सिंह, मार्को येनसन, युजवेंद्र चहल और हरप्रीत बरार ने दो-दो विकेट अपने नाम किए।

17 साल के सफर में विश्व की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग बनी आईपीएल

मुम्बई, 18 अप्रैल (एजेंसियां)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 17 साल पूरे हो गये हैं। आज ही के दिन 18 अप्रैल 2008 को आईपीएल की शुरुआत हुई थी तब किसी को भी अंदाजा नहीं था कि ये एक दिन दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग बन जाएगी और इसी की तर्ज पर कई नई लीग भी उभरेंगी। आईपीएल का शुरुआती मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच खेला गया था। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित उस पहले ही मैच में केकेआर की ओर से खेल रहे न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ब्रैंडन मैक्कुलम ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था।

मैक्कुलम केकेआर की ओर से पारी की शुरुआत के लिए उतरे और उन्होंने जमकर रन बनाये। मैक्कुलम ने केवल 73 गेंदों पर ही नाबाद 158 रन बना दिये। इस दौरान उन्होंने 13 छक्के और 10 चौके लगाये। उसी पारी से सौरव गांगुली की कप्तानी वाली केकेआर ने तीन विकेट पर 222 रन बनाये थे।

इसके बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की पूरी टीम 15.1 ओवरों में ही 82 रनों पर सिमट गई और उसे 140 रनों से बड़ी हार का सामना करना पड़. उस मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की कप्तानी राहुल द्रविड़ के पास थी। मैक्कुलम को उस मैच में प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिल था।

आईपीएल के पहले सत्र की विजेता राजस्थान रॉयल्स रही थी। तब रॉयल्स की कप्तान ऑस्ट्रेलिया के दिवंगत स्पिनर शेन वॉर्न कर रहे थे।

आईपीएल के अब तक के सत्रों में कई विवाद भी उभरे हैं। आईपीएल 2010 फाइनल के बाद इसके कमिश्नर रहे ललित मोदी को बीसीसीआई से भ्रष्टाचार के आरोपों में बाहर कर दिया था। वहीं साल 2013 में राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ियों पर स्पॉट फिक्सिंग का आरोप लगे थे।

गोल्फ टूर्नामेंट में रिटर्न शॉट लगाते जस्टिन थॉमस

साउथ कैरोलिना में आरबीसी हैरीटेज गोल्फ टूर्नामेंट में जस्टिन थॉमस रिटर्न शॉट लगाते हुए।

बार्सिलोना ओपन : कार्लोस अल्कराज क्वार्टरफाइनल में, लासलो जिरे को सीधे सेटों में हराया

बार्सिलोना, 18 अप्रैल (एजेंसियां)।

स्पेनिश स्टार कार्लोस अल्कराज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बार्सिलोना ओपन के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। गुरुवार को खेले गए मुकाबले में उन्होंने सर्बिया के लासलो जिरे को 6-2, 6-4 से हराया।

पहले सेट में किया दबदबा, दूसरे में दिखा संघर्ष

वर्ल्ड नंबर-2 अल्कराज ने मुकाबले की शानदार शुरुआत करते हुए पहले सेट में जिरे को कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने दोनों ब्रेक प्वाइंट बचाते हुए पहला सेट 6-2 से अपने नाम किया। इस सेट में जिरे एक भी विनर नहीं लगा सके, जबकि अल्कराज ने 8 विनर जमाए। दूसरे सेट में जिरे ने वापसी की कोशिश की और 4-2 की बढ़त भी बना ली। हालांकि इसके बाद अल्कराज ने लय पकड़ते हुए लगातार चार गेम जीते और सेट के साथ मुकाबला भी अपने नाम किया।

मैच के बाद अल्कराज ने कहा, 4-2 से पिछड़ने के बाद मैंने अपनी असली टेनिस खेली। खुशी है कि सही वक्त पर अपना स्तर बढ़ा सका। उम्मीद है कि आगे भी इसी तरह खेल जारी रखूंगा। अगले मुकाबले में किससे भिड़ंत अब क्वार्टरफाइनल में अल्कराज का मुकाबला वर्ल्ड नंबर-7 एलेक्स डी मिनाउर या ब्रिटेन के जैकब फर्नले में से किसी एक से होगा। यह मुकाबला शुक्रवार को खेला जाएगा। डेविडोविच फोकीना ने रुब्लेव को चौंकाया दूसरी ओर, स्पेन के अलेहांद्रो डेविडोविच फोकीना ने वर्ल्ड नंबर-8 आंद्रे रुब्लेव को 7-5, 6-4 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। छह मुकाबलों में यह पहली बार था जब डेविडोविच फोकीना ने रुब्लेव को शिकस्त दी। उन्होंने पहले सेट में तीन बार ब्रेक हासिल किया और दूसरा सेट भी शानदार अंदाज़ में 5-4 की बढ़त के बाद बिना कोई पॉइंट गंवाए मैच अपने नाम कर लिया। खाचनॉफ भी क्वार्टरफाइनल में एक अन्य मुकाबले में रूस के कारेन खाचनॉफ ने स्पेन के जौमे मुनार को 7-5, 6-4 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया।

वाराणसी की पूजा यादव ने रचा इतिहास, भारतीय महिला हॉकी टीम में बनाई जगह

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)।

वाराणसी के ग्रामीण इलाके से ताल्लुक रखने वाली 21 वर्षीय पूजा यादव ने भारतीय महिला हॉकी टीम में जगह बनाकर इतिहास रच दिया है। वह पूर्वांचल क्षेत्र की पहली महिला खिलाड़ी बनी हैं, जिन्हें भारतीय हॉकी टीम में शामिल किया गया है। पूजा को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चुनी गई 26 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम में जगह मिली है। यह दौरा 26 अप्रैल से 4 मई 2025 तक पर्थ हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा। सेलेक्शन पर बोलीं पूजा – सपनों को दबाएं नहीं, मेहनत करो और उड़ान भरो अपनी इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए पूजा यादव ने कहा, जब मुझे टीम में चुने जाने की खबर मिली, तो यकीन नहीं हुआ। घर से हर कोई मुझे फोन कर बधाई देने लगा। मेरे माता-पिता और भाई-बहन बेहद खुश हैं। पहले कभी सोचा नहीं था कि ऐसा कुछ होगा, लेकिन अब वे मुझ पर गर्व कर रहे हैं। पूजा ने आगे कहा, मैं गर्व महसूस कर रही हूं कि मैं पूर्वांचल से भारतीय टीम में जगह बनाने वाली पहली महिला खिलाड़ी हूं। मैं चाहती हूं कि मेरी यह कामयाबी गांव-कस्बों की बाकी लड़कियों के लिए भी प्रेरणा बने। उन्हें अपने सपनों को दबाना नहीं चाहिए। अगर परिवार साथ दे और कड़ी मेहनत हो, तो कोई भी मुकाम दूर नहीं।

नेशनल कैंप में सीनियर खिलाड़ियों के साथ अनुभव

पूजा यादव ने 23 मार्च 2025 से बेंगलुरु स्थित साई सेंटर में सीनियर नेशनल कैंप में अभ्यास शुरू किया था। इस दौरान उन्होंने 65 सदस्यीय संभावित

खिलाड़ियों की सूची में भी जगह बनाई थी। सीनियर खिलाड़ियों के साथ अनुभव को लेकर पूजा ने कहा, यह मेरे लिए शानदार अनुभव रहा। सीनियर खिलाड़ियों को देखना और उनके साथ खेलना मेरे खेल को कई गुना बेहतर कर रहा है। सभी बहुत मददगार हैं और हमें लगातार बेहतर करने की सलाह देते रहते हैं।

नेहा बनीं मेंटर और रूम पार्टनर

पूजा ने बताया कि नेहा दीदी से उन्हें खास प्रेरणा मिली है। मैं मिडफील्डर हूं और हमेशा सुषिला दी और नेहा दी को आदर्श मानती थी। अब उनके साथ प्रैक्टिस करना सपना सच होने जैसा है। नेहा दी मेरी रूम पार्टनर भी हैं और उन्होंने खेल के साथ डाइट, रणनीति और भारतीय टीम में खेलने के अनुभव को लेकर बहुत कुछ सिखाया है।

क्रिकेट से हॉकी तक का सफर

पूजा का सफर भी बेहद दिलचस्प रहा है। उन्होंने बताया, मैं बचपन में क्रिकेट बहुत खेला करती थी, लेकिन स्कूल में हॉकी खेलने का मौका मिला और वहीं से शौक बना। 2015 में खेलना शुरू किया, पहले राज्य की जूनियर टीम में जगह बनाई और फिर सीनियर टीम में भी शामिल हुई। कई बार जूनियर नेशनल टीम से चूकने के बाद भी मैंने हार नहीं मानी। 2025 की सीनियर महिला नेशनल हॉकी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करने के बाद अब नेशनल कैंप तक पहुंची हूं।

ऑस्ट्रेलिया टूर पर फोकस

पूजा का अगला लक्ष्य अब ऑस्ट्रेलिया दौरे में अच्छा प्रदर्शन करना है। उन्होंने कहा, फिलहाल मेरा ध्यान सिर्फ इसी दौरे पर है। कोशिश करूंगी कि हर मौके का पूरा फायदा उठाऊं और आगे एफआईएच हॉकी प्रो लीग के लिए टीम में अपनी जगह बनाए रख सकूं।

महिंद्रा के दो लेटेस्ट वर्जन लांच होंगे 2026 तक

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)।

स्वदेशी कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा अपनी दो सबसे ज्यादा बिकने वाली एसयूवी थार और एक्सयूवी700 के फेसलिफ्ट वर्जन पर काम कर रही है। कंपनी के यह लेटेस्ट वर्जन 2026 तक लॉन्च किए जाएंगे।

थार को साल 2020 में और एक्सयूवी700 को 2021 में बाजार में उतारा गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक थार फेसलिफ्ट कोडनेम डब्ल्यू515 के तहत तैयार की जा रही है, जिसका डिजाइन थार रॉक्स से प्रेरित होगा।

इसमें डबल-स्टैक्ड स्लॉट वाली नई ग्रिल, सी-शेप्ड एलईडी सिग्नेचर हेडलाइट और टेल-लाइट, नया बंपर, बॉडी क्लैडिंग और नए डिजाइन वाले अलॉय व्हील्स शामिल होंगे।

इंटीरियर में भी नया स्टीयरिंग व्हील, रीमैप किए गए बटन, बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और हार्ड-टॉप वर्जन में सनरूफ जैसी सुविधाएं जोड़ी जाएंगी।

इंजन ऑप्शन्स में कोई बदलाव नहीं होगा। इसमें कनेक्टेड एलईडीहेडलाइट्स, नया ग्रिल, चौकोर व्हील क्लैडिंग जैसे बदलाव देखने को मिल सकते हैं। इंटीरियर में भी हाई-टेक और प्रीमियम टच देखने को मिलेगा। एक्सयूवी700 फेसलिफ्ट में भी इंजन विकल्प पहले जैसे ही रहेंगे, जिनमें 2.0-लीटर टर्बो-पेट्रोल (200एचपी) और 2.2-लीटर टर्बो-डीजल (155-185एचपी) शामिल होंगे।

दोनों एसयूवीएस में तकनीक और डिजाइन के लिहाज से बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।इसमें पहले की तरह 2.0-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन (152एचपी), 1.5-लीटर डीजल (119एचपी) और 2.2-लीटर डीजल (132एचपी) इंजन के विकल्प मिलेंगे, जो 6-स्पीड मैनुअल या ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ आएंगे।

वहीं, एक्सयूवी700 फेसलिफ्ट (कोडनेम डब्ल्यू616) को बीई 6 और एक्सईवी 9ई जैसी इलेक्ट्रिक एसयूवीएस की फ्यूचरिस्टिक डिजाइन लैंग्वेज के अनुसार अपडेट किया जाएगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सुप्रीम कोर्ट को...

कल को गांव के गांव वक्फ बाई यूजर हो जाएंगे, क्योंकि कश्मीर में तो हिंदुओं को पलायन के लिए मजबूर किया गया तो वहां कौन देखने गया किसकी सम्पत्ति का क्या इस्तेमाल हुआ? पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में भी आज वही हो रहा है। बड़ी अजीब बात है कि एक तरफ एक गिरोह को सड़क पर दंगे करने से लेकर किसी भी सम्पत्ति को अपना बताने तक का अधिकार है। दूसरी तरफ अपने आराध्यों के मंदिर में पूजा के अधिकार के लिए एक वर्ग दशकों तक कोर्ट में दौड़ता है। एक तरफ फंडिंग और रसूख है, दूसरी तरफ इस देश को अपना मानने वाले लोग हैं जो संविधान से ऊपर शरीयत को नहीं रखते।

देश के उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने न्यायपालिका की गिरती हुई साख का जिक्र करते करते हुए कहा है कि सुप्रीम कोर्ट सुपर संसद बनने की कोशिश न करे। सुप्रीम कोर्ट कानून नहीं बना सकती। यह काम संसद का है जो जनता के प्रति जवाबदेह है। संसद के दोनों सदनों से पारित होकर और राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद वक्फ संशोधन अधिनियम कानून बना। अब सुप्रीम कोर्ट में इसके खिलाफ कई याचिकाएं पहुंच गईं। अब सुप्रीम कोर्ट ने इसपर सुनवाई भी शुरू कर दी, जैसे कि सुप्रीम कोर्ट संसद से ऊपर हो। हां, भारतीय लोकतंत्र में राष्ट्रपति के शीर्ष आसन पर उंगली उठाने के बाद मद में आए सुप्रीम कोर्ट ने खुद को संसद के ऊपर समझ लिया हो तो कोई आश्चर्य की बात नहीं। जिस कानून को पूरी संसद ने पारित किया उस पर सरकार को सुप्रीम कोर्ट के बेमानी सवालों के जवाब देने पड़ रहे हैं। अब तक देश के सभी सांसदों को सुप्रीम कोर्ट के सामने धरना पर बैठ जाना चाहिए था। अब तय हो ही जाना चाहिए कि देश विधायिका से चलेगा या सुप्रीम कोर्ट से।

मोदी सरकार भी फिसड्डी ही साबित हो रही है। आप याद करिए तब सोमनाथ चटर्जी लोकसभा के अध्यक्ष हुआ करते थे। उस समय भी इसी तरह सुप्रीम कोर्ट ने लोकसभा को अपने अरदब में लाने की कोशिश की थी। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ने सुप्रीम कोर्ट को सख्त चेतावनी दी थी कि वह अपनी हद में रहे। लेकिन संसद से पारित होने के बाद भी नरेंद्र मोदी की सरकार सुप्रीम कोर्ट के हड़काने पर सफाई देने लग जाती है। सरकार के सीधे स्टैंड लेना चाहिए कि संसद से पारित हुए विधेयकों पर सरकार सुप्रीम कोर्ट के समक्ष कोई भी जवाब देने के लिए जिम्मेदार नहीं है। लेकिन यह लोकतांत्रिक नैतिक बल है ही नहीं सरकार के पास। अनुच्छेद-370 और 35-ए निरस्त किए जाने का मामला हो या फिर वक्फ संशोधन कानून पारित होने का मामला, बार-बार सुप्रीम कोर्ट संसद से पारित विधेयकों पर याचिका दाखिल कर लेती है और पंच बन कर बैठ जाती है। जैसे उसके पास और कोई काम ही नहीं हो। अनुच्छेद 370 हो या वक्फ विधेयक, इसका संसद से पारित होना लोकतंत्र में एक उदाहरण की तरह दर्ज होना चाहिए था, उसे सुप्रीम कोर्ट दुनिया के सामने ऐसे पेश कर रही है कि जैसे मुसलमानों की अकेली हित-धारक सुप्रीम कोर्ट ही है।

जबकि पूरा देश जानता है कि वक्फ संशोधन विधेयक को संसद में पेश किए जाने के बाद इसे संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के समक्ष भेजा गया था। इसमें शामिल पक्ष-विपक्ष के 21 लोकसभा और 10 राज्यसभा सांसदों ने 36 बैठकें की। इतना ही नहीं, 10 शहरों में जाकर जमीनी स्थिति भी देखी गई। कुल 284 हितधारकों से उनके सुझाव लिए गए। 25 राज्यों के वक्फ बोर्डों के प्रतिनिधियों से सुझाव लिए गए। लोकसभा में 12 घंटे की चर्चा के बाद रात के 2 बजे बिल पारित कराया गया। जिसे एक उदाहरण के रूप में लिया जाना चाहिए था, न्यायपालिका उसकी छीछालेदर करने में लगी है। स्पष्ट है कि सुप्रीम कोर्ट उन सारी लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और उनमें शामिल जन-प्रतिनिधियों को तुच्छ मानती है और खुद को सर्वश्रेष्ठ।

काशी-मथुरा से लेकर हिंदुओं से जुड़े तमाम विषयों पर विभिन्न अदालतों में हिंदुओं का पक्ष रखने वाले अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने सुप्रीम कोर्ट के इस बेजा दोहरे रवैये पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड को लेकर जब वो सुप्रीम कोर्ट में याचिका लेकर गए थे तब उनसे पूछा गया था कि सीधे सुप्रीम कोर्ट क्यों आ गए, हाईकोर्ट क्यों नहीं गए, उन्हें पहले हाईकोर्ट जाना चाहिए था। जैन ने बताया कि 7 साल से अतदि महत्वपूर्ण सामाजिक मसलों से जुड़ी 140 से अधिक याचिकाओं को लेकर वे अलग-अलग अदालतों में संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन आज तक उनमें कोई अंतरिम राहत नहीं मिली। और वक्फ कानून के खिलाफ फौरन याचिकाएं स्वीकार कर ली जाती हैं?

विष्णु शंकर जैन ने पूछा कि आखिर क्या कारण है कि एक पक्ष सुप्रीम कोर्ट जाता है तो तुरंत उसकी याचिका स्वीकार कर ली जाती है और पुचकार कर अंतरिम राहत देने की बात भी की जाती है, जबकि दूसरे पक्ष के लिए यह व्यवहार लागू नहीं होता। अधिवक्ता ने कहा कि पिछले 13 वर्षों से 4 राज्यों में एंडोमेंट एक्ट के जरिए मंदिरों पर कब्जा किए जाने के विरुद्ध सुनवाई चल रही है, हाल ही में फैसला भी आया है जिसमें सारे मुद्दों को हाईकोर्ट में भेज दिया गया है। विष्णु शंकर जैन ने कहा कि ये सारे सवाल वक्फ मामले में क्यों नहीं किए जा रहे हैं?

गुरुवार 17 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू होने से पहले विष्णु शंकर जैन ने मीडिया के समक्ष ये सवाल पूछे थे। उन्होंने सलाह दी थी कि सारे मामलों को एक हाईकोर्ट में भेजकर एक संवैधानिक पीठ बनाई जाए और इसकी सुनवाई हो। वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन का सवाल जायज है। आखिर एआईएमआईएम, अमानतुल्लाह खान, जमीयत और कई विपक्षी राजनीतिक दलों की याचिकाएं सीधे सुप्रीम कोर्ट में कैसे स्वीकार कर ली जाती हैं? जबकि हिंदुओं को अयोध्या से लेकर काशी-मथुरा तक के लिए जिले की कचहरियों से होकर गुजरना पड़ता है और सदियों लग जाते हैं।

अबतक वक्फ मामले में सुप्रीम कोर्ट ने लगातार दो दिन सुनवाई की है। जबकि आप देखिए, काशी में ज्ञानवापी के सर्वे में भी निकला कि ये हिंदू मंदिर था। उसकी दीवारें चीख-चीख कर कहती हैं कि ये मंदिर है। क्या वहां किसी प्रकार की रोक लगाई गई? क्या मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर को ध्वस्त करके बने शाही ईदगाह मस्जिद के संबंध में ऐसा कोई निर्णय आया? मध्य प्रदेश स्थित भोजशाला मंदिर को लेकर कोई स्टे आया? मुस्लिमों को नहीं भी नहीं रोका गया, फिर बार-बार मोदी सरकार के कानूनों पर स्टे क्यों?

गांव के गांव को वक्फ सम्पत्ति बताकर छीन लिया गया। तमिलनाडु में तिरुचेंदुराई गांव में 1500 वर्ष पुराने मंदिर को वक्फ ने अपना बता दिया। डेढ़ हजार वर्ष पूर्व इस्लाम था ही नहीं। हाल ही में तमिलनाडु के वेल्लोर स्थित कट्टुकोल्लै गांव में 150 परिवारों की कृषि वाली भूमि को दरगाह की जमीन बताकर वक्फ ने नोटिस थमा दिया। यह सुप्रीम कोर्ट को क्यों नहीं दिखता? सुप्रीम कोर्ट के इस रवैये के पीछे कोई संदेहास्पद मसला है, जिसकी बेहद सूक्ष्मता से पड़ताल होनी चाहिए।

राष्ट्रपति को...

उनके पास एक कार्ययोजना होगी, जिस पर मिशन मोड में काम किया जाएगा। किसी भी कीमत पर हिंसा के खिलाफ लड़ाई लड़नी होगी।

गौरतलब है कि संसद से पारित हुए वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन के दौरान बंगाल में कई जगहों पर हिंसा हुई। हिंसा पीड़ित सैकड़ों परिवार झारखंड के पाकुड़ जिले में चले गए हैं। कई परिवारों ने मालदा में स्थापित राहत शिविरों में शरण ली है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय ने केंद्रीय बलों को तैनात करने का आदेश दिया था। कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए कुछ समय के लिए केंद्रीय सुरक्षा बल मुर्शिदाबाद में तैनात रहेंगे। अदालत पीड़ितों के पुनर्वास की निगरानी भी करेगी। मामले में जारी राजनीतिक बयानबाजी को लेकर भी कोर्ट ने सख्ती दिखाई है।

गौरतलब है कि मुर्शिदाबाद जिले के कई इलाकों में वक्फ कानून के विरोध में बीती 11-12 अप्रैल को हिंसा भड़क गई थी। ये हिंसा सुती, धुलियान और जंगीपुर इलाकों में हुई। इस हिंसा में तीन लोगों की मौत हुई और कई अन्य घायल हुए। धुलियान के मंदिरपाड़ा इलाके में कथित तौर पर कई महिलाओं का उत्पीड़न किया गया। हिंसा के चलते मुर्शिदाबाद में बड़े पैमाने पर विस्थापन हुआ। हिंसा की जांच के लिए नौ सदस्यीय एसआईटी का गठन किया गया है। इस एसआईटी की अध्यक्षता डीआईजी मुर्शिदाबाद रेंज करेंगे। गठित की गई एसआईटी में एक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (खुफिया शाखा), दो उपाधीक्षक एक काउंटर इंसर्जेंसी फोर्स (सीआईएफ) से और दूसरा आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) से पांच निरीक्षक (सीआईडी से चार और ट्रैफिक पुलिस से एक सहित), और सुंदरबन पुलिस जिले के तहत साइबर अपराध पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी शामिल हैं।

मुर्शिदाबाद में इस्लामी हिंसा के कारण 400 से भी अधिक हिंदुओं को पलायन करना पड़ा। देवी-देवताओं की मूर्तियां गढ़ने वाले हरगोविंद दास और उनके बेटे चंदन दास की घर में घुसकर हत्या कर दी गई।

अधिवक्ता को पीड़ितों से मिलने व बात करने की भी अनुमति मिली है। प्रियंका टिबरेवाल ने बताया कि हाईकोर्ट जांच की निगरानी करेगा। साथ ही केंद्रीय बलों को वहां फ़िलहाल तैनात रखने के लिए कहा गया है। उधर कलकत्ता हाईकोर्ट ने भारतीय जनता युवा मोर्चा को सेव बंगाली हिंदू रैली निकालने की अनुमति दे दी है। शनिवार 19 अप्रैल को नेताजी सुभाष चंद्र बोस के घर और भवानीपुर स्थित श्यामा प्रसाद मुखर्जी के घर तक रैली निकाली जाएगी।

वक्फ के अवैध...

सरकार इस मामले में आगे की जांच भी कर रही है और जिले की तीनों तहसीलों में जांच टीमों को तैनात कर दिया गया है। अफसरों ने बताया है कि वेरिफिकेशन के बाद और ज्यादा जमीन को सरकार के कब्जे में लाकर इसे सरकारी सम्पत्ति के रूप में रजिस्टर किया जाएगा। बताना होगा कि केंद्र सरकार के द्वारा बनाए गए वक्फ कानून के तहत वक्फ की सम्पत्तियों का बेहतर प्रबंधन करने और इसके लिए जिला मजिस्ट्रेट को और ज्यादा अधिकार देने के कई प्रावधान किए गए हैं।

कौशांबी डीएम मधुसूदन हुल्गी ने बताया कि जिले में कुल 98.95 हेक्टेयर भूमि वक्फ बोर्ड के नाम पर दर्ज है। जिसमें अब तक 93 बीघा वक्फ सम्पत्ति (जमीन) को सरकारी खाते में दर्ज कराया गया है। जांच में पाया गया है कि वक्फ बोर्ड के नाम से पहले या भूमि ग्राम समाज के खाते में दर्ज थी। अभी इस जमीन को सरकारी खाते में दर्ज कराया गया है, प्रशासन ने आधिकारिक रूप से इसे अपने कब्जे में नहीं लिया है। इस बीच जिले की तीनों तहसीलों में जांच टीम गठित कर दी गई है। ग्राम समाज की खतौनी को भी चेक कराया जा रहा है। ज्यादातर वक्फ सम्पत्ति पर कब्रिस्तान और मदरसे बने हुए हैं। वक्फ सम्पत्ति से पहले ग्राम समाज के खाते में कुछ भूमि दर्ज थी।

उधर, वक्फ बिल में संशोधन होने के बाद मेरठ में भी वक्फ से जुड़ी प्रॉपर्टियों की स्थिति को लेकर हलचल तेज है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी मोहम्मद रुहेल आलम ने बताया कि अब तक के रिकॉर्ड के अनुसार जिले में सुन्नी वक्फ बोर्ड की 2661 और शिया वक्फ बोर्ड की 81 सम्पत्तियां चिन्हित हैं। उन्होंने कहा कि यदि इनमें से कोई भी प्रॉपर्टी गवर्नमेंट जमीन के रूप में चिन्हित होती है, तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

कौशांबी जिले के अलग-अलग हिस्सों में पड़ी 98.95 हेक्टेयर सरकारी भूमि पर वक्फ बोर्ड का कब्जा मिला है। 413 गाटों में बटी इस भूमि पर कहीं कब्रिस्तान है तो कहीं मदरसा संचालित हो रहा है। सर्वे के बाद प्रशासन ने अपनी रिपोर्ट शासन को भेज दी थी। चिह्नित भूमि कब्जा मुक्त कराने के लिए प्रशासन को सुप्रीम कोर्ट के आदेश का इंतजार है। शासन के निर्देश पर डीएम मधुसूदन हुल्गी ने तीनों तहसीलों में टीम गठित कर वक्फ के अधिकार वाली सम्पत्तियों की जांच कराई। अब तक हुई जांच में तीनों तहसील क्षेत्र में 98.95 हेक्टेयर भूमि ऐसी मिली, जो वक्फ बोर्ड के कब्जे में है। अगल-अलग 413 गाटों में विभक्त ये भूमि खतौनी में कब्रस्तान, मदरसा, ग्राम समाज आदि के नाम पर दर्ज है। लेकिन, वक्फ बोर्ड इन्हें अपनी सम्पत्ति बता रहा है। भूमि चिह्नित कर जिला प्रशासन ने रिपोर्ट शासन को भेज दी है। अब आगे की कार्रवाई के लिए शासकीय फरमान का इंतजार है।

जिले के सिराथू तहसील में 29.70 हेक्टेयर जमीन, मंझनपुर में 23.25 हेक्टेयर जमीन और चायल में 46.00 हेक्टेयर यानि कुल 98.95 हेक्टेयर जमीन पर वक्फ बोर्ड ने कब्जा कर रखा है। चायल में सर्वाधिक 46 हेक्टेयर भूमि वक्फ के कब्जे में है। मंझनपुर तहसील में सबसे कम 23.25 हेक्टेयर भूमि पर कब्जा है। वहीं, सिराथू तहसील में 29.70 हेक्टेयर भूमि पर वक्फ बोर्ड का अवैध कब्जा मिला है। सिराथू तहसील के कड़ा धाम क्षेत्र में पिछले दिनों वक्फ बोर्ड की 93 बीघा जमीन कब्जा मुक्त कराई गई। यह जमीन अब ग्राम समाज के सरकारी खाते में दर्ज कर दी गई है। नगर पंचायत प्रशासन अब इसे औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित करने की योजना बना रहा है। चेयरमैन रागिनी केसरवानी ने बताया कि भूमि का सही इस्तेमाल हो, इसके लिए नगर पंचायत की ओर से कार्ययोजना तैयार की जा रही है। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने बताया कि कौशांबी जिले में 413 सरकारी जमीनों पर शिया और सुन्नी वक्फ बोर्ड की सम्पत्तियां मिली हैं। इनमें ज्यादातर जमीनों पर ईदगाह, कब्रिस्तान, दरगाह, करबला इत्यादि हैं। शासन के निर्देश पर तहसीलवार सर्वे कराकर रिपोर्ट भेज दी गई है। अब आगे की कार्रवाई शासन अथवा सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार की जाएगी।

भगवद गीता ...

यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में गीता और नाट्यशास्त्र को शामिल किया जाना हमारी शाश्वत बुद्धिमत्ता और समृद्ध संस्कृति की वैश्विक मान्यता है। गीता और नाट्यशास्त्र ने सदियों से सभ्यता और चेतना का पोषण किया है। उनकी अंतरदृष्टि दुनिया को प्रेरित करती रहती है। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, भारत की सभ्यतागत विरासत के लिए यह एक ऐतिहासिक क्षण है। श्रीमद्भगवद्गीता और भरत मुनि के नाट्यशास्त्र को यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किया गया है। यह वैश्विक सम्मान भारत के शाश्वत ज्ञान और कलात्मक प्रतिभा का जश्न मनाता है। भगवद् गीता एक प्रतिष्ठित धर्मग्रंथ और आध्यात्मिक मार्गदर्शक है। नाट्यशास्त्र, प्रदर्शन कलाओं पर एक प्राचीन ग्रंथ है। यह लंबे समय से भारत की बौद्धिक और सांस्कृतिक पहचान का प्रमुख स्तंभ है। उन्होंने कहा कि ये कालातीत रचनाएं साहित्यिक खजाने से कहीं अधिक हैं। वे दार्शनिक और सौंदर्यवादी आधार हैं जिन्होंने भारत के विश्व दृष्टिकोण और हमारे सोचने, महसूस करने, जीने और अभिव्यक्त करने के तरीके को आकार दिया है। इसके साथ ही अब हमारे देश के 14 अभिलेख इस अंतरराष्ट्रीय रजिस्टर में शामिल हो गए हैं।

17 अप्रैल को यूनेस्को ने अपने मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में 74 नए दस्तावेजी विरासत संग्रह जोड़े। इससे कुल अंकित संग्रहों की संख्या 570 हो गयी। इस रजिस्टर में 72 देशों और चार अंतरराष्ट्रीय संगठनों की वैज्ञानिक क्रांति, इतिहास में महिलाओं का योगदान तथा बहुपक्षवाद की प्रमुख उपलब्धियों पर प्रविष्टियां शामिल की गईं। यूनेस्को का मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर विश्व के कई महत्वपूर्ण दस्तावेज धरोहरों की सूची है। इसमें दस्तावेजी धरोहरों को अंतरराष्ट्रीय सलाहकार समिति की सिफारिश और कार्यकारी बोर्ड की स्वीकृति से चुना जाता है। इस सूची में शामिल होना दस्तावेज़ी धरोहर के वैश्विक महत्व और सर्वकालिक मूल्य को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करता है। इससे शोध, शिक्षा, मनोरंजन और संरक्षण को बढ़ावा मिलता है।दूसरी तरफ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत में प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में साझेदारी को आगे बढ़ाने के मसले पर टेस्ला के प्रमुख एलन मस्क से लंबी वार्ता की। भारत इन क्षेत्रों में अमेरिका के साथ अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, इस वर्ष की शुरुआत में वाशिंगटन डीसी में हमारी बैठक के दौरान शामिल किए गए विषयों सहित विभिन्न मुद्दों पर एलन मस्क के साथ चर्चा हुई। हमने प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं पर बात की। भारत इन क्षेत्रों में अमेरिका के साथ अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

अल्पसंख्यकों की ...

पड़ोसी देश को भारत के मामलों में अनुचित टिप्पणी करने के बजाय बांग्लादेश में रहने वाले अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। गौरतलब है कि एक दिन पहले ही विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भारत और बांग्लादेश संबंधों से जुड़े एक सवाल पर कहा था कि, भारत बांग्लादेश के साथ सकारात्मक और रचनात्मक संबंध बनाने की उम्मीद करता है। हम एक लोकतांत्रिक, समावेशी बांग्लादेश के पक्ष में हैं। बता दें कि तल्ख होते रिश्तों के कारण पिछले सप्ताह भारत ने बांग्लादेश को मध्य पूर्व, यूरोप और अन्य देशों के लिए अपने बंदरगाहों और हवाई अड्डों के माध्यम से दी जाने वाली ट्रांसशिपमेंट सुविधा वापस लेने की घोषणा की थी।

ईडी ने 661...

मामलों की सुनवाई करती है। अदालत ने मामले में सुनवाई की अगली तारीख 25 अप्रैल तय की है। एजेंसी ने धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत मनी लॉन्ड्रिंग के अपराध के लिए आरोपियों के खिलाफ सजा की मांग की है। साथ नवंबर 2023 में अटैच की गई 661 करोड़ रुपए की सम्पत्ति को जब्त करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि सफल सुनवाई के बाद जब्त की गई ये सम्पत्तियां नीलामी या किसी अन्य ऐसी प्रक्रिया के जरिए सरकारी खजाने में चली जाएंगी। सूत्रों के अनुसार, एजेएल की बैलेंस शीट की जांच में यह भी पता चला है कि कंपनी को 2023 तक अपनी विभिन्न सम्पत्तियों से 142.67 करोड़ रुपए का किराया मिला है। अतीत में प्राप्त किराये का उपयोग मुख्य रूप से वाणिज्यिक स्थलों के विकास में किया गया है, विशेष रूप से मुंबई में ताकि व्यापारिक संभावनाओं का पूरा दोहन किया जा सके।समझा जाता है कि दोनों शीर्ष कांग्रेस नेताओं ने पार्टी के कानूनी रुख को दोहराया कि यंग इंडियन कंपनी अधिनियम के तहत धारा-25 के तहत एक इकाई है और इसलिए इसके जरिये कोई वाणिज्यिक गतिविधि नहीं हो सकती और न ही शेयरधारकों को कोई व्यक्तिगत लाभ हो सकता है।

सोनिया गांधी और राहुल गांधी 38-38 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ यंग इंडियन के बहुसंख्यक शेयरधारक हैं। आरोपपत्र में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी (78) को आरोपी नंबर एक और उनके बेटे राहुल गांधी (54) को आरोपी नंबर दो के रूप में नामित किया गया है। इसके अलावा पांच अन्य का नाम भी आरोपी नंबर एक के रूप में दर्ज है।एजेंसी ने आरोपपत्र में कांग्रेस नेता पवन बंसल और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयानों को भी संलग्न किया है। इसमें एजेएल-वाईआई और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की घटनाओं का वर्णन किया गया है, ताकि यह साबित हो सके कि वाईआई के लाभकारी मालिकों (सोनिया गांधी और राहुल गांधी) द्वारा एजेएल की अंतर्निहित परिसम्पत्तियों को अवैध रूप से प्राप्त करने के लिए एक साजिश रची गई थी। एजेएल नेशनल हेराल्ड न्यूज प्लेटफार्म (समाचार पत्र और वेब पोर्टल) का प्रकाशक है और इसका स्वामित्व यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड के पास है। कांग्रेस ने आरोपपत्र की आलोचना करते हुए आरोप लगाया है कि उसके नेताओं के खिलाफ ईडी की कार्रवाई निरंकुश सरकार की घबराहट और नैतिक दिवालियापन को दर्शाती है, जो जनता के मुद्दों और चल रहे आर्थिक संकट से ध्यान हटाना चाहती है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

म्हारो शुभ लाभ भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 19 अप्रैल, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

बंडी संजय ने वक्फ भूमि को लेकर कांग्रेस की आलोचना की

हैदराबाद, 18 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने शुक्रवार को तीखी टिप्पणी की, जिसमें उन्होंने कांग्रेस और एआईएमआईएम पर वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की आड़ में हैदराबाद में अशांति भड़काने की साजिश करने का आरोप लगाया।

उन्होंने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार विधेयक के खिलाफ एआईएमआईएम की जनसभा को वित्तीय सहायता दे रही है।

भाजपा के राज्य कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए संजय ने चेतावनी दी कि अगर ऐसी गतिविधियां जारी रहीं तो बंगाल जैसी स्थिति पैदा हो सकती है, उन्होंने कहा कि किसी भी परिणाम के लिए सरकार जिम्मेदार होगी।

उन्होंने वक्फ भूमि सौदों में पारदर्शिता की मांग की, उन्होंने दावा किया कि राज्य के पास 77,000 एकड़ वक्फ संपत्ति है, लेकिन अधिकांश का दुरुपयोग किया जा रहा है या अवैध रूप से कब्जा किया जा रहा है, जिससे गरीब मुसलमानों के बजाय नेताओं को फायदा हो रहा है।

नेशनल हेराल्ड मामले की ओर मुड़ते हुए, संजय ने कांग्रेस के विरोध को एक नकली नाटक कहा और किसी भी भाजपा की संलिप्तता से इनकार किया, याद दिलाते हुए कि मामला 2012 में दर्ज किया गया था और न्यायिक जांच के अधीन है।उन्होंने गांधी परिवार पर यंग इंडिया ट्रस्ट के माध्यम से पार्टी के फंड को निजी संपत्ति में बदलने का आरोप लगाया, ईडी के आरोपपत्र पर प्रकाश डाला जिसमें 998 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया गया है।संजय ने देश भर में वक्फ संपत्तियों पर ऑडिट की कमी पर सवाल उठाया, कई राज्यों में मंदिर और गुरुद्वारा की जमीनों पर भी अतिक्रमण का आरोप लगाया। उन्होंने तेलंगाना में वक्फ भूमि की आय, उपयोग और अतिक्रमण पर एक श्वेत पत्र की मांग की, राज्य सरकार और वक्फ बोर्ड को जवाबदेही सुनिश्चित करने की चुनौती दी।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में राज्य उपाध्यक्ष मनोहर रेड्डी और एमएलसी उम्मीदवार गौतम राव सहित कई भाजपा नेता मौजूद थे।

कांचा गच्चीबावली भूमि विवाद : बीआरएस नेता कृषांक को पुलिस ने 23 को फिर बुलाया

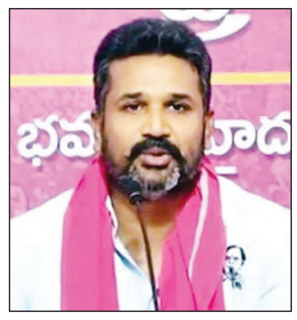

हैदराबाद, 18 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बीआरएस के सोशल मीडिया संयोजक कृषांक मन्ने शुक्रवार को तीसरी बार गच्चीबावली पुलिस के सामने पेश हुए। हालांकि, आठ घंटे की पूछताछ के बाद उन्हें कांचा गच्चीबावली मुद्दे पर सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर दर्ज चार पुलिस मामलों में चौथी बार 23 अप्रैल को पेश होने के लिए कहा गया।गाचीबोवली पुलिस ने 7 अप्रैल को कांचे गाचीबोवली विवाद पर सोशल मीडिया पोस्ट के संबंध में कृशांक को नोटिस जारी किया था। पूर्व डिजिटल मीडिया निदेशक दिलीप कोनाथम के साथ उन्हें 9 और 10 अप्रैल को जांच के लिए उपस्थित होने के लिए कहा गया था। सम्मन के बाद, वह 15 अप्रैल और 18 अप्रैल को दो बार पुलिस के सामने पेश हुए।कृषांक ने पुलिस के सामने पेशी के दौरान पिछले पेशियों के विरोध में अलग-अलग नारे लिखी टी-शर्ट पहनी हुई थी, जैसे कि डेमोक्रेसी और पर्क्स ऑफ ए क्लाउन सिटिंग ऑन थ्रोन। हालांकि, शुक्रवार को उन्होंने सुप्रीम कोर्ट रॉक्स लिखी टी-शर्ट पहनी थी।

हाईलाइफ़ की तीन दिवसीय ज्वेल्स प्रदर्शनी का भव्य उद्घाटन

हैदराबाद, 18 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हाईलाइफ़ की तीन दिवसीय ज्वेल्स प्रदर्शनी शुक्रवार दि. 18 अप्रैल को एचआईसीसी नोवोटेल, हाईटेक सिटी में शुरू हुई। प्रदर्शनी का उद्घाटन हाईलाइफ के आयोजकों की उपस्थिति मेंअभिनेत्री पायल राजपूत, अभिनेत्री श्रावंती चोकारोपु, अभिनेत्री कुशिता कल्लापु, अभिनेत्री नयनी पावनी, उर्मिला चौहान (मिस इंडिया तेलंगाना – 2023) ने किया। अवसर पर शहर की प्रमुख मॉडल, आभूषण डिज़ाइनर तथा आभूषण प्रेमी मौजूद थे।प्रदर्शनी के उद्घाटन के बाद आयोजकों ने बताया कि हाईलाइफ प्रदर्शनी देश भर में एक उत्तम ब्रांड के रूप में उभरी है, जहाँ देश-विदेश के आभूषण डिज़ाइनर और प्रमुख ब्रांड अपनी नवीनतम डिज़ाइन कलेक्शन प्रदर्शित करने के लिए लालयित हैं। हाईलाइफ ज्वेल्स में भारत भर के 100 से अधिक शीर्ष आभूषण ब्रांड और प्रसिद्ध आभूषण डिजाइनर शामिल हैं, जो उत्कृष्ट मास्टरपीस आभूषणों का प्रदर्शन कर रहे हैं।उन्होंने बताया कि यह देश की सबसे प्रीमियम और अपनी तरह की सबसे बड़ी आभूषण प्रदर्शनी है, जिसमें एक ही छत के नीचे देश के शीर्ष आभूषण ब्रांड आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं । आभूषण प्रेमियों के लिए यह अनूठा आयोजन है। यह उन सभी आभूषण प्रेमियों के लिए एक अच्छा गंतव्य है जो अपनी तरह की अनूठी और सबसे प्रीमियम आभूषण प्रदर्शनी देखना चाहते हैं।

हाईलाइफ़ ज्वेल्स प्रदर्शनी 20 अप्रैल, 2025 तक जारी रहेगी। अपनी तरह की अनूठी और देश की सबसे प्रीमियम आभूषण प्रदर्शनी को मिस न करने का आह्वान किया गया।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत शुक्रवार को नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल,रामप्रकाश अग्रवाल,सुनीता अग्रवाल,महेश अग्रवाल,सुशील गुप्ता,शीतल गुप्ता,ई. जगन,संजय गोयल,नंदकिशोर अग्रवाल,रोहित अग्रवाल,गोपाल गोयल,भगतराम गोयल,धीरज अग्रवाल,संजय अग्रवाल,सविता अग्रवाल एवं अन्य राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

बेंगलूरु, 18 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। खान सुरक्षा महानिदेशालय, श्रम और रोजगार मंत्रालय ने 16 और 17 अप्रैल 2025 को बेंगलुरु में खनन (कोयला और गैर-कोयला) के बल्क मैटेरियल हैंडलिंग उपकरण में सुरक्षा चुनौतियों विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। जिसका मुख्य संरक्षक उज्ज्वल ताह, महानिदेशक, डीजीएमएस के मार्गदर्शन में हुआ। डी बागेश्वर नाइक, उपमहानिदेशक (यांत्रिक) अध्यक्ष, अजय सिंह, उपमहानिदेशक (विद्युत), आर टी मांडेकर, उपमहानिदेशक, उत्तर पश्चिमी क्षेत्र, सह संयोजक, पी.एम. प्रसाद, सीएमडी, सीआईएल, अमिताव मुखर्जी, सीएमडी, एनएमडीसी, उदय ए काओले, सीएमडी, एमसीएल, एन बलराम, सीएमडी, एससीसीएल इस संगोष्ठी के संरक्षक हैं। गणमान्य व्यक्तियों में- विनय कुमार, निदेशक (तकनीकी), एनएमडीसी, एस के सिन्हा, निदेशक (संचालन), एचसीएल, निर्भय संचेती, निदेशक (एसएमएस), सेमिनार की अध्यक्षता आर.ए.मीना, डीडीजी (डब्ल्यूजेड), सुप्रियो चक्रवर्ती, डीडीजी (ईजेड), नीरज कुमार, डीडीजी (एनजेड), सत्यनारायण, निदेशक, एससीसीएल ने की।

सीआईएल, एनएमडीसी, एससीसीएल, एचजेडएल, एचसीएल, एमसीएल, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू सहित खनन कंपनियों के अधिकारी, प्रमुख खनन संस्थानों के संकाय, वैश्विक खनन सुरक्षा संगठन और अनुसंधान संस्थानों के विशेषज्ञ और उपकरण निर्माता इस सेमिनार में शामिल हुए।सेमिनार में 30 तकनीकी पेपर प्रस्तुत किए गए और खनन उद्योग में बल्क मैटीरियल हैंडलिंग में वर्तमान सुरक्षा चुनौतियों को समझने और उनका विश्लेषण करने के लिए स्मारिका में कुल 58 पेपर प्रकाशित किए गए और संबंधित जोखिमों को कम करने के लिए आगे का रास्ता खोजने के लिए विचार-विमर्श किया गया। उक्त सेमिनार ने सुरक्षा मानकों को सुधारने और खनन उद्योग में कार्यरत व्यक्तियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य में सुधार के लिए वैधानिक प्रावधानों के कार्यान्वयन को मजबूत करने के लिए एक रूपरेखा प्रदान की। सेमिनार का समापन समापन समारोह और प्रतिभागियों के अभिनंदन के साथ हुआ।

कुलदेवी आद्य महालक्ष्मी जी की जन आशीर्वाद रथयात्रा में शामिल अ.भा.अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग, राष्ट्रीय संघटन मंत्री शशिकांत अग्रवाल, महावीर प्रसाद अग्रवाल एवं अन्य पदाधिकारियों का घांसी बाजार में राधे-राधे ग्रुप के सतीश गुप्ता, जगतनारायण अग्रवाल, महे अग्रवाल एवं अन्य ने स्वागत एवं सम्मान किया।

हैदराबाद में भारी बारिश से यातायात ठप

हैदराबाद, 18 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शुक्रवार शाम हैदराबाद के कई हिस्सों में तेज हवाओं के साथ भयंकर तूफान आया, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ और तापमान में भारी गिरावट आई।शुरुआत में हैदराबाद के पश्चिमी इलाकों में तेज़ आंधी-तूफान शुरू हुआ और नानकरमगुडा, मणिकोंडा, शेखपेट, नरसिंगी, बंदलागुडा और राजेंद्रनगर में फैल गया। कुछ ही मिनटों में आंधी-तूफान की तीव्रता बढ़ गई और यह कोकापेट, निज़ामपेट, गच्चीबोवली और हैटेक सिटी इलाकों में फैल गया।इसके तुरंत बाद, हैदराबाद के लगभग सभी क्षेत्रों में आंधी-तूफान आने लगा, जिसमें अलवाल, त्रिमुलगिरी, कारखाना, सैनिकपुरी, ईसीआईएल जैसे उत्तर-पूर्वी क्षेत्र भी शामिल थे।तेज़ हवाओं के साथ गरज के साथ बौछारें बड़े पैमाने पर मलकपेट, चदरघाट, सैदाबाद, संतोषनगर, चंपापेट, सरूरनगर, एलबी नगर, कारवान, नामपल्ली, कोत्तापेट और पड़ोसी क्षेत्रों में फैलीं।तेज हवाओं के कारण कई स्थानों पर पेड़ उखड़ गए, जिनमें हाईकोर्ट के पास मदीना बिल्डिंग भी शामिल है, जिससे यातायात जाम हो गया।तेज हवाओं के साथ भारी तूफान ने बेगमपेट, अमीरपेट, सोमाजीगुडा, पैराडाइज और सीटीसी फ्लाईओवर को भी प्रभावित किया। व्यस्त इलाके में पूरा यातायात ठप्प हो गया ।

हाइड्रा को 60 पेड़ गिरने की सूचना मिली, उन्हें हटाया गया

हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया संपत्ति निगरानी और संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) को शुक्रवार रात 10 बजे तक पेड़ गिरने की 60 शिकायतें प्राप्त हुईं, क्योंकि शहर के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश के साथ ओलावृष्टि भी हुई।

हाइड्रा के आपदा प्रतिक्रिया बल के अधिकारी, बिजली अधिकारियों, पुलिस और ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के कर्मियों की सहायता से गिरे हुए पेड़ों को हटाने के लिए तुरंत कार्रवाई में जुट गए।नल्लाकुंटा में, शंकरमट को बाघलिंगमपल्ली से जोड़ने वाली सड़क पर क्षत्रिय टावर्स के सामने एक पुराना गुलमोहर का पेड़ गिरकर बिजली के तारों पर आ गिरा।पुलिस ने सड़क को अवरुद्ध कर दिया, और पेड़ काटने वाले वाहन का उपयोग करके, जीएचएमसी और डीआरएफ कर्मियों ने गिरे हुए पेड़ की शाखाओं को काटकर उसे हटा दिया। सड़क को अवरुद्ध करके और बिजली की लाइनें काटकर सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित की गई।इसी तरह के प्रयास सरूरनगर पुलिस स्टेशन, विजयनगर कॉलोनी, दारुस्सलाम, तेलंगाना उच्च न्यायालय, बीएन रेड्डी नगर, फलकनुमा, सुल्तान बाजार, काचीगुडा, सिंधी कॉलोनी, मेथोडिस्ट कॉलोनी और अन्य क्षेत्रों में भी किए गए।

डीआरएफ कर्मी भी चिन्हित जल जमाव बिंदुओं पर पहुंचे और वहां से पानी निकालने के लिए कदम उठाए।

मंत्री पोन्नम ने की समीक्षा और दिये यह आदेश

मौसम विभाग द्वारा हैदराबाद में भारी बारिश तथा और अधिक बारिश की संभावना की चेतावनी दिए जाने के बाद जिला प्रशासन अलर्ट पर है। हैदराबाद में भारी बारिश के मद्देनजर जिला प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने संबंधित अधिकारियों और जीएचएमसी अधिकारियों के साथ समीक्षा की। राहत उपायों की समीक्षा करने वाले पोन्नम ने जीएचएमसी अधिकारियों को सतर्क कर दिया। उन्होंने डीआरएफ कर्मियों को शहर में कई स्थानों पर गिरे पेड़ों को तुरंत हटाने का आदेश दिया। पुलिस को यातायात संबंधी समस्याओं से बचने के लिए कार्रवाई करने की सलाह दी गई।

नई ट्रेन के ठहराव के लिए सांसद को ज्ञापन

मंचेरियाल, 18 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हाल ही में चेन्नई से भगत की कोटी जाने वाली रेल संख्या 20625/20626 का माननीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की है जो सप्ताह में 5 दिन चलेगी जो चेन्नई से चलकर भगत की कोटी वाया वरंगल ,बल्लारशा,होते हुए जाएगी जिसका ठहराव वरंगल,बल्लारशा,चंद्रपूर दिया गया मंचेरियाल में ठहराव नहीं देने से मंचेरियाल के प्रवासियों में नाराजगी का माहौल बना हुआ है

राजस्थान के प्रवासी मंचेरियाल में ज़्यादा मात्रा में है इसलिए इसका ठहराव जरूरी है जब भी कोई गाड़ी चालू होती है उसका स्टॉप रामागुंडम दिया जाता है जबकि मंचेरियाल का राजस्व (रेवन्यू) ज़्यादा है इसके चलते मंचेरियाल में रह रहे प्रवासियों ने मिलकर पहले हैदराबाद में उपस्थित अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक आर गोपाल कृष्णन को हैदराबाद जाकर ज्ञापन सौपा गया उनके आदेशानुसार सांसद जी.वमशि कृष्णा को मंचेरियाल में स्तिथि उनके कार्यालय में जाकर ज्ञापन दिया और उनसे ट्रेन के ठहराव के लिए निवेदन किया इस कार्यक्रम में मंचेरियाल के कांग्रेस वरिष्ठ नेता के .वि प्रताप,और राजस्थानी प्रवासी पुखराज गहलोत ,कृष्णा सोलंकी, शांतिलाल गहलोत, जीतू सिंह ,जेठाराम चौधरी ,महेंद्र पेलाराम,रमेश देवासी, और प्रवासियों ने भाग लिया।

रेल संग्रहालय, काचीगुड़ा में विश्व धरोहर दिवस मनाया गया

स्कूली बच्चों, रेल उपयोगकर्ताओं और रेल प्रेमियों के लिए नि:शुल्क प्रवेश रहा

हैदराबाद, 18 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

विश्व धरोहर दिवस 2025, यानी 18 अप्रैल को मनाया गया, जो हमारी सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण के महत्व का जश्न मनाता है। शुक्रवार को विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर काचीगुडा स्थित रेल संग्रहालय में स्कूल और कॉलेज के छात्रों, रेल यात्रियों और रेल प्रेमियों को नि:शुल्क प्रवेश दिया गया। रेल संग्रहालय में पहले काम करने वाले रेलवे उपकरणों के पुराने मॉडल, मॉडल, लीवर की कार्य प्रणाली, सिग्नल सिस्टम आदि प्रदर्शित किए गए हैं। प्रदर्शनी में 1960 से लेकर अब तक इस्तेमाल किए गए पंखों को प्रदर्शित किया गया, जिससे आगंतुकों में और अधिक रुचि पैदा हुई। निजामों द्वारा वर्ष 1916 में काचीगुडा स्टेशन के उद्घाटन की प्रदर्शित तस्वीर ने धरोहर प्रेमियों का ध्यान आकर्षित किया।

काचीगुडा रेलवे स्टेशन की इमारत वर्ष 1916 में बनाई गई थी और इसे भारतीय हरित भवन परिषद (आईजीबीसी) प्रमाणन द्वारा प्लेटिनम पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। रेल संग्रहालय में निज़ाम के समय से रेल नेटवर्क से जुड़ी पुरानी तस्वीरें और प्रदर्शनियाँ देखने को मिलती हैं।संग्रहालय में स्वतंत्रता-पूर्व युग के विभिन्न रेलवे के लोगो प्रदर्शित किए गए हैं।प्रदर्शनियों में सिग्नलिंग उपकरण, विभिन्न लोकोमोटिव और कोच के प्रोटोटाइप, टिकट, कार्यशील मॉडल आदि शामिल हैं। रेलवे के इतिहास और विकास से संबंधित ऑडियो-विजुअल और रेलवे से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अन्य लघु फिल्मों की स्क्रीनिंग की सुविधा के लिए एक विशेष बैठने की जगह उपलब्ध कराई गई है।

कोल्ड ड्रिंक में छिपकली मिलने से व्यक्ति अस्पताल में भर्ती

हैदराबाद, 18 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एक युवक कोल्ड ड्रिंक पीने के बाद बीमार हो गया, जिसमें कथित तौर पर छिपकली के अवशेष पाए गए, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया।

व्यक्ति ने गुरुवार 17 अप्रैल की देर शाम को संगारेड्डी के पेड्डापुर स्थित एक स्थानीय रेस्तरां से भोजन के साथ-साथ यह कोल्ड ड्रिंक भी खरीदा था।

24 वर्षीय ग्राहक ने अपना आधा ड्रिंक पी लिया, लेकिन उसे असामान्य स्वाद और बनावट का एहसास हुआ।

जब उसने जांच करने के लिए इसे एक कंटेनर में डाला, तो उसे छिपकली के अवशेष मिले, जिसमें उसकी पूंछ भी शामिल थी।जब इस बारे में कर्मचारियों को बताया गया तो उन्होंने घटना के प्रति कोई चिंता नहीं दिखाई।

इसके बाद वह व्यक्ति तुरंत बीमार पड़ गया, जिसे उसके दोस्त और अन्य स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया। उसे संगारेड्डी के एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने संभावित खाद्य विषाक्तता और संबंधित लक्षणों के लिए उसका इलाज किया।एहतियात के तौर पर उन्हें निगरानी में रखा गया है, हालांकि उनकी हालत स्थिर बताई गई है।

30वाँ रियूनियन समारोह आयोजित

हैदराबाद, 18 अप्रैल (शुभ लाी ब्यूरो)।

जुपिटर हाई स्कूल 1994-95 बैच के 30वां पुनर्मिलन (रियूनियन) समारोह आयोजित किया गया। प्रधानाचार्य अंजनेयुलु और प्रधानाध्यापिका श्रीमती गिरिजा ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर अकबर हुसैन को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया।1994-95 बैच के इतने सारे सदस्यों को फिर से मिलते हुए और स्कूल के सुनहरे दिनों को फिर से जीते हुए देखना एक खुशी की बात थी। उक्त कार्यक्रम अविस्मरणीय क्षणों और हार्दिक भावनाओं से भरा हुआ था।

टीजीजीसीसी ने आदिवासियों को सशक्त बनाने और बाल पोषण को बढ़ावा देने के लिए

गिरी नेचर बाजरा-आधारित शहद कुकीज़ और चिक्की लॉन्च की

हैदराबाद, 18 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना राज्य गिरिजन सहकारी निगम लिमिटेड (टीजीजीसीसी) ने गिरी नेचर ब्रांड के तहत बाजरा आधारित स्वास्थ्यवर्धक स्नैक्स की एक नई श्रृंखला शुरू की है । हाल ही में शुरू की गई हनी मिलेट कुकीज और हनी चिक्की को आधिकारिक तौर पर तेलंगाना सरकार के आदिवासी कल्याण सचिव श्री ए शरत और न्यूट्रीहब - आईसीएआर-आईआईएमआर के सीईओ और निदेशक डॉ बी दयाकर राव द्वारा डीएसएस भवन, मसाब टैंक, हैदराबाद में लॉन्च किया गया।

इन पौष्टिक उत्पादों का उद्देश्य न केवल बच्चों, विशेषकर सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के आहार संबंधी स्वास्थ्य में सुधार लाना है, बल्कि वन उत्पादों को बढ़ावा देकर और उनका विपणन करके तेलंगाना के आदिवासी समुदायों का उत्थान भी करना है।टीजीजीसीसी के अध्यक्ष श्री कोटनाक तिरुपति ने तेलंगाना के माननीय मुख्यमंत्री श्री ए. रेवंत रेड्डी के बच्चों को पौष्टिक, उच्च गुणवत्ता वाले नाश्ते उपलब्ध कराने के दृष्टिकोण पर जोर दिया। उन्होंने कहा, बच्चे हमारे देश की रीढ़ हैं और उनका स्वास्थ्य उनके द्वारा खाए जाने वाले भोजन पर निर्भर करता है। ऐसे नाश्ते उपलब्ध कराना ज़रूरी है जो ज़रूरी विटामिन और खनिजों से भरपूर हों, साथ ही स्वादिष्ट और प्राकृतिक सामग्री से बने हों।इस पहल को उपमुख्यमंत्री श्री एम. भट्टी विक्रमार्क , महिला एवं बाल कल्याण मंत्री श्रीमती सीथक्का और अन्य प्रमुख जनजातीय विकास हितधारकों सहित राज्य नेतृत्व से मजबूत समर्थन मिला है।गिरि नेचर कुकीज़ और चिक्की शुद्ध गिरिजन शहद का उपयोग करके तैयार की जाती हैं, जिसे तेलंगाना के वन क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी समुदायों से सीधे प्राप्त किया जाता है। डॉ. बी. दयाकर राव के नेतृत्व में गहन शोध और विकास द्वारा समर्थित , स्नैक्स का उद्देश्य बाजरा और वन शहद का शक्तिशाली संयोजन प्रदान करना है - जो परंपरा, पोषण और नवाचार को एक साथ लाता है।यह शुभारंभ राज्य के स्वदेशी समुदायों को सशक्त बनाने के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, साथ ही स्वस्थ नाश्ते के विकल्पों के माध्यम से बच्चों की पोषण संबंधी आवश्यकताओं को भी पूरा किया जा रहा है।

आनुवांशिक बीमारी के चलते मां ने अपने बेटों की हत्या की

फिर खुद भी आत्महत्या कर ली

हैदराबाद, 18 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद में एक दुखद घटना में, एक 32 वर्षीय महिला ने कथित तौर पर एक वंशानुगत बीमारी और घरेलू कलह के बोझ से टूटकर अपने दो बेटों और खुद की हत्या कर दी। यह हादसा गजुलारामरम में हुआ, जो जीदीमेटला पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आता है।तेजस्विनी नाम की महिला ने कथित तौर पर अपने बेटों अर्शित रेड्डी और आशीष रेड्डी को मारने के लिए नारियल काटने वाली कुल्हाड़ी का इस्तेमाल किया और फिर अपने अपार्टमेंट परिसर की पांचवीं मंजिल से कूद गई। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल से छह पन्नों का सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उसने अपनी भावनात्मक परेशानी और ऐसे कदम उठाने के कारणों के बारे में बताया है।शुरुआती जांच से पता चलता है कि तेजस्विनी और उसके दो बच्चों को लंबे समय से आंखों की बीमारी थी जिसके लिए हर चार घंटे में आंखों में दवा डालने की जरूरत होती थी। जाहिर है कि इस बीमारी की लगातार प्रकृति ने उसकी मनोवैज्ञानिक स्थिति पर बहुत बुरा असर डाला। कथित तौर पर तेजस्विनी को अपने बच्चों को यह बीमारी फैलाने के बारे में दोषी महसूस हुआ, जो इलाज के अभाव में अपनी दृष्टि खो रहे थे।पुलिस अधिकारियों ने घर में तनाव को भी जिम्मेदार ठहराया। सुसाइड नोट में कहा गया है कि बहस के दौरान उसके पति द्वारा अक्सर मौखिक दुर्व्यवहार किया जाता था, जैसे कि जब उसने कथित तौर पर उससे कहा था कि तुम चाहो तो मर जाओ। पुलिस को संदेह है कि शारीरिक थकान, अपराधबोध और भावनात्मक पीड़ा के इस मिश्रण ने उसे इस हद तक पहुंचा दिया।

हालांकि तेजस्विनी और उनके बड़े बेटे अर्शित की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आशीष को अस्पताल ले जाया गया लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

एमएमटीएस ट्रेन में महिला ने रील दुर्घटना को छिपाने के लिए बलात्कार के प्रयास का किया नाटक

हैदराबाद, 18 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

घटनाओं के एक नाटकीय मोड़ में, बलात्कार के प्रयास से बचने का दावा करते हुए एमएमटीएस ट्रेन से कूदने वाली 23 वर्षीय महिला ने रील को फिल्माने के प्रयास में गंभीर चोटों के तथ्य को छिपाने के लिए कहानी गढ़ने की बात स्वीकार की है।मेडचल में एक छात्रावास में रहने वाली और एक खाद्य वितरण कंपनी में काम करने वाली महिला ने आरोप लगाया कि जब वह सिकंदराबाद से मेडचल जाने वाली एमएमटीएस ट्रेन के महिला कोच में अकेली यात्रा कर रही थी, तो अलवल स्टेशन पर दो अन्य महिलाओं के उतरने के बाद एक अज्ञात व्यक्ति ने उस पर हमला किया।उसने दावा किया कि उस व्यक्ति ने यौन संबंधों पर जोर दिया और भागने की कोशिश में वह हैदराबाद के बाहरी इलाके में एमएमटीएस ट्रेन से कूद गई, जिससे उसके सिर, ठोड़ी, दाहिने हाथ और कमर में चोटें आईं। राहगीरों ने उसे अलवल स्टेशन पर देखा और चिकित्सा के लिए गांधी अस्पताल ले गए।सरकारी रेलवे पुलिस ने शिकायत पर कार्रवाई करते हुए भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत आपराधिक बल प्रयोग और यौन संबंधों की मांग करने का मामला दर्ज किया। उन्होंने कई टीमें गठित कीं, लगभग 250 कैमरों से सीसीटीवी शॉट्स की समीक्षा की और 100 से अधिक संदिग्धों से पूछताछ की।जब पुलिस अधिकारियों को महिला के आरोपों के लिए कोई सबूत नहीं मिला। दोबारा जांच और आगे की पूछताछ में, महिला ने कहानी गढ़ने की बात स्वीकार की। महिला ने बताया कि वह एमएमटीएस ट्रेन में यात्रा करते समय सोशल मीडिया के लिए रील बनाने की कोशिश कर रही थी और गलती से गिर गई, जिससे उसे चोट लग गई। अपने परिवार के परिणामों के डर से, उसने अपनी स्थिति को समझाने के लिए बलात्कार की कहानी गढ़ी।

नकली कैस्ट्रॉल तेल बनाने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार, 3 लाख का स्टॉक जब्त

हैदराबाद, 18 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एक बड़ी कार्रवाई में, आयुक्त के टास्क फोर्स और मिर्चोक पुलिस द्वारा नूर खान बाजार में एक गोदाम पर छापेमारी कर नकली कैस्ट्रॉल इंजन ऑयल बनाने और बेचने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया।आरोपी शेख कय्यूम (32) फीलखाना, बेगम बाजार का निवासी है और कथित तौर पर नकली इंजन ऑयल बनाकर उसे स्थानीय ऑटो वर्कशॉपों को कम दामों पर बेचता था।पुलिस ने उसके यहां से 3 लाख रुपये मूल्य का कुल 710 लीटर नकली इंजन ऑयल और पैकेजिंग सामग्री जब्त की।कय्यूम ने सातवीं कक्षा तक पढ़ाई की है और पहले वह टेंपो मैकेनिक और फिर ऑटो ड्राइवर के तौर पर काम करता था। अपने परिवार के लिए पर्याप्त कमाई करना मुश्किल होने के कारण उसने कथित तौर पर कैस्ट्रॉल ब्रांड के तहत नकली इंजन ऑयल बेचकर आसानी से पैसे कमाने का विचार बनाया, जिसकी हैदराबाद में काफी मांग है।उन्होंने पांच महीने पहले एक गोदाम किराये पर लिया था और पूर्ण उत्पादन शुरू कर दिया था, प्रत्येक इकाई को 220 रुपये में बेच रहे थे, जबकि मूल उत्पाद की कीमत 425 रुपये थी।

सूचना मिलने पर पुलिस ने दफ़्तर पर छापा मारा, संदिग्ध को गिरफ़्तार किया और उसे मिर्चचौक पुलिस स्टेशन के हवाले कर दिया। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(2) और कॉपीराइट एक्ट की धारा 63 और 65 के तहत मामला दर्ज किया गया।

शेयर मार्केट

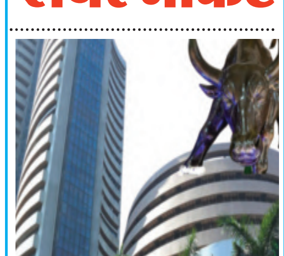

बीएसई : 78,553.20
+1508.91 +1.96%↑
एनएसई :23,851.65
414.45 (1.77%) ↑

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 98,190/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 97,898/- (प्रति किलोग्राम)

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 37^0
न्यूनतम : 27^0

आंध्र प्रदेश में कार-लॉरी की टक्कर में एक छात्र की मौत

एलुरु (आंध्र प्रदेश), 18 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आंध्र प्रदेश के एलुरु जिले में गुरुवार को एक कार और लॉरी के बीच टक्कर हो जाने से एक इंजीनियरिंग छात्र की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए।

पुलिस ने बताया कि आठ इंजीनियरिंग छात्र ताडेपल्लीगुडेम में शेषी इंजीनियरिंग कॉलेज में बी.टेक प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रहे थे। उन्होंने बताया कि दुर्घटना उस समय हुई जब ये छात्र अपने एक साथी का जन्मदिन मनाने के लिए भद्राचलम जा रहे थे।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, DILSAHA daughter of Service No.JC 278920N Sub Maj GADDALA PEDA MASTAN, R/o.H.No.32-76/62/A, Seetharam Nagar, Safilguda, Neredmet, PO:Neredmet, Dist: MedchalMalkajgiri, Telangana - 500056 have changed my name from DILSAHA to GADDALA DILSAHA vide affidavit dt:18-4-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I, MEERABHEE Spouse of Service No.JC 278920N Sub Maj GADDALA PEDA MASTAN, R/o. H.No.32-76/62/A, Seetharam Nagar, Safilguda, Neredmet, Po:Neredmet, Dist: MedchalMalkajgiri, Telangana - 500056 have changed my name from MEERABHEE to GADDALA MEERABHEE vide affidavit dt:17-4-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I, No.15814070X Hav Pawar Sambhaji Shivaji of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my mother Name is changed from PAWAR AKKATAI SHIVAJI to AKKATAI SHIVAJI PAWAR and also my father name is changed from PAWAR SHIVAJI YASHVANT to SHIVAJI YASHWANT PAWAR

CHANGE OF NAME

I, Service No.JC 732502H Sub SATYA DEV of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana India hereby state that my daughter name is to be changed from TINKLE YADAV to TWINKLE YADAV.

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में विस्तार की वकालत

भारत सुरक्षा परिषद की सदस्यता का प्रमुख दावेदार

न्यूयॉर्क, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। यूएनएससी में सुधारों पर इंटरगवर्नमेंटल नेगोशिएशंस के अध्यक्ष तारिक अलबनई ने कहा कि भारत आज वैश्विक मंच पर एक प्रमुख खिलाड़ी है। परिषद के सदस्यों की संख्या 21 से बढ़ाकर 27 की जाएगी, तो निश्चित रूप से भारत इसमें दावेदार होगा और व्यापक सदस्यता के निर्णय के अधीन होगा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में विस्तार का मुद्दा एक बार फिर उठा है। यूएनएससी में सुधारों पर इंटरगवर्नमेंटल नेगोशिएशंस (आईजीएन) के अध्यक्ष तारिक अलबनई ने कहा कि अगर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में विस्तार होता है तो भारत सीट का प्रमुख दावेदार होगा। उन्होंने कहा कि सुधार परिषद का लक्ष्य प्रतिनिधित्वपूर्ण होना चाहिए। भारत आज वैश्विक मंच पर एक प्रमुख खिलाड़ी है। संयुक्त राष्ट्र 193 देशों का सदस्य है। यह विचार सभी के लिए और

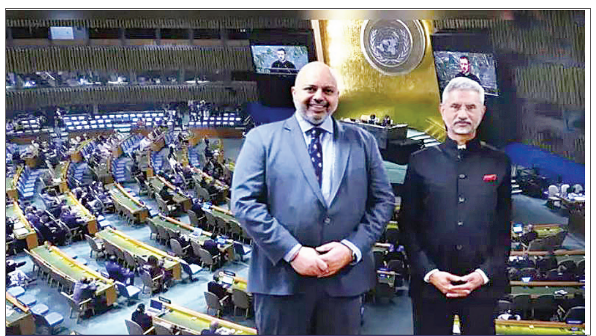

आईजीएन के अध्यक्ष तारिक अलबनई ने किया भारत का समर्थन

संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्यों के लिए प्रतिनिधित्वपूर्ण है। अलबनई ने कहा कि यदि यह निर्णय लिया जाता है कि परिषद के सदस्यों की संख्या 21 से बढ़ाकर 27 की जाएगी, तो निश्चित रूप से भारत इसमें दावेदार होगा और व्यापक सदस्यता के निर्णय के अधीन होगा। सुधार की राह जटिल है, लेकिन हम आगे बढ़ने की दिशा में स्थिर और सार्थक कदम उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 1965 में निर्वाचित सदस्यों की संख्या में वृद्धि के अलावा सुरक्षा परिषद का पहला दौर 80 वर्षों से अधिक समय तक चला है। सुधार के बाद परिषद जो भी रूप ले, उसे अगली सदी तक टिकने के लिए डिजाइन किया जाना चाहिए, जो समावेशिता, पारदर्शिता, दक्षता, प्रभावशीलता, लोकतंत्र और जवाबदेही के सिद्धांतों पर आधारित हो।

विस्तारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कितने सदस्य होने चाहिए, इसके जवाब में संयुक्त राष्ट्र में कुवैत के स्थायी प्रतिनिधि अलबनई ने कहा कि इस पर अभी तक कोई निर्णय नहीं हुआ है, लेकिन जो संख्या बताई जा रही है वह 21 से 27 सदस्य देशों के बीच है। उन्होंने कहा कि भारत का रुख हमेशा से ही टेक्स्ट-आधारित वार्ता की ओर जल्द से जल्द बढ़ने का रहा है। अलबनई ने कहा कि वे इस सत्र में सदस्य देशों द्वारा दिखाई गई गति से उत्साहित हैं। सुधार की भावना के लिए साहस और रचनात्मकता दोनों की आवश्यकता होती है, और सभी प्रतिनिधिमंडलों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है क्योंकि हम सुरक्षा परिषद सुधार के मुख्य तत्वों पर आम सहमति बनाने के लिए काम कर रहे हैं।

अलबनई ने कहा कि वह यह नहीं बता सकते कि यह सुधार 2030 तक होगा या किसी अन्य वर्ष में। मैं इस बात को लेकर बहुत सकारात्मक हूं कि जो भी बाधाएं हैं, उन्हें तोड़ दिया जाना चाहिए, क्योंकि लोग समझ रहे हैं कि हमें कुछ अलग करने की जरूरत है और सदस्य देश यह समझ रहे हैं कि शांति और सुरक्षा, विकास और मानवाधिकारों सहित सभी मुद्दों से निपटने के लिए विश्व समुदाय के पास यही सहारा है। हम सभी एक बेहतर संयुक्त राष्ट्र बनाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। सुरक्षा परिषद में सुधार की प्रक्रिया इसका एक अभिन्न अंग है।इसी सप्ताह संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, पी. हरीश ने जी-4 देशों ब्राजील, जर्मनी, जापान और भारत की ओर से एक बयान में आईजीएन की बैठक में कहा कि मौजूदा संयुक्त राष्ट्र संरचना एक अलग युग की है, जो अब अस्तित्व में नहीं है तथा वर्तमान भू-राजनीतिक वास्तविकताएं इस संरचना की समीक्षा की मांग करती हैं। हरीश ने कहा कि सुरक्षा परिषद की सदस्यता को वर्तमान 15 से बढ़ाकर 25 या 26 करने की जरूरत है। संशोधित परिषद में 11 स्थायी सदस्य और 14 या 15 अस्थायी सदस्य होने चाहिए।

केसीआर ने बीआरएस रजत जयंती समारोह बैठक की तैयारियों की समीक्षा की

हैदराबाद, 18 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। वारंगल के निकट एल्काथुर्थी में 27 अप्रैल को होने वाले बीआरएस पार्टी के रजत जयंती समारोह से पहले पार्टी प्रमुख के चंद्रशेखर राव ने शुक्रवार को अपने एरवैल्ली आवास पर एक समीक्षा बैठक की।

उन्होंने महिलाओं की भागीदारी के महत्व पर जोर दिया और कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए रणनीतियों पर चर्चा की। उन्होंने महिला-केंद्रित व्यवस्थाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए रसद, लामबंदी और गतिविधि नियोजन पर प्रमुख निर्देश जारी किए।

बैठक में एमएलसी के कविता, पोचमपल्ली श्रीनिवास रेड्डी, हनमकोंडा जिला अध्यक्ष और पूर्व सचेतक दस्यम विनय भास्कर और पूर्ववर्ती वारंगल और निजामाबाद जिलों के अन्य पार्टी पदाधिकारियों सहित वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

सीडब्ल्यूसी तेलंगाना, आंध्र प्रदेश के साथ महत्वपूर्ण बैठक में गोदावरी जल उत्पादन पर चर्चा करेगी

हैदराबाद, 18 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने गोदावरी नदी के आवंटन से जुड़ी जल प्राप्ति संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए 21 अप्रैल को नई दिल्ली में एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है। बैठक का एजेंडा आंध्र प्रदेश और तेलंगाना द्वारा संबंधित राज्यों द्वारा शुरू की गई और प्रस्तावित परियोजनाओं के लिए जल आवंटन के संबंध में उठाई गई आपत्तियों को हल करने पर केंद्रित है।यह चर्चा मई 2023 में प्रस्तुत गोदावरी नदी के जल उपलब्धता मूल्यांकन अध्ययन पर आधारित है। प्रस्तुतीकरण के बाद, गोदावरी नदी प्रबंधन बोर्ड (जीआरएमबी) को जवाब देने के लिए कहा गया था, जबकि आंध्र प्रदेश ने निष्कर्षों पर कुछ आपत्तियां व्यक्त की हैं।सीडब्ल्यूसी के अनुमानों के अनुसार, तत्कालीन अविभाजित आंध्र प्रदेश के लिए जल आवंटन 1,435 टीएमसी निर्धारित किया गया था, जो राज्य के 1,486 टीएमसी के दावे से थोड़ा कम है। पुनर्जनन स्रोतों से प्राप्त उपज को ध्यान में रखते हुए, उपलब्धता लगभग 1,500 टीएमसी तक बढ़ जाएगी।

आंध्र प्रदेश में पोलावरम परियोजना के लिए अध्ययन में 498 टीएमसी की शुद्ध उपलब्धता का अनुमान लगाया गया है, जो परियोजना की 484 टीएमसी की आवश्यकता से थोड़ा अधिक है। सीडब्ल्यूसी के अध्यक्ष मुकेश सिन्हा, जो हाल ही तक गोदावरी नदी प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे, ने जल बंटवारे में आने वाली परेशानियों को दूर करने के लिए बैठक आयोजित करने की पहल की है, जिसने संघर्ष की स्थिति को और बढ़ा दिया है।

लोको पायलटो को दी जा रही बेहतरीन सुविधाएं, वर्किंग कंडीशन में आया है सुधार

हैदराबाद, 18 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। लोको पायलट भारतीय रेल परिवार के महत्वपूर्ण सदस्य हैं। उनके वर्किंग कंडीशन को बेहतर बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। पिछले 10 वर्षों में लोको पायलटों के सभी रनिंग रूम को वातानुकूलित किया गया है और उन्हें अच्छे से सुसज्जित किया गया है।2014 से पहले देश का एक भी रनिंग रूम वातानुकूलित नहीं था।पिछले 10 वर्षों में आधे से ज़्यादा लोको केबिनों को एर्गोनोमिक सीटों, वातानुकूलन और अन्य सुधारों के साथ अपग्रेड किया गया है। 2014 से पहले एक भी लोको केबिन

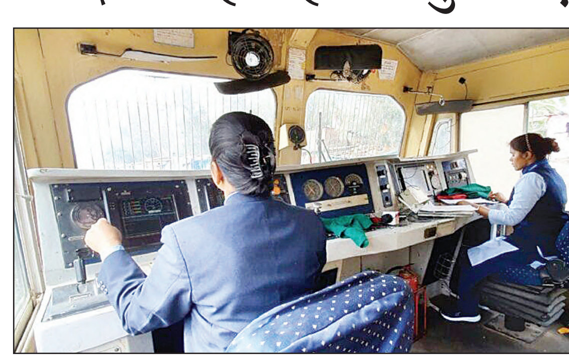

वातानुकूलित नहीं था।

सभी नये लोकोमोटिव्स में शौचालय लगाए जा रहे हैं। 2014 से पहले यह निर्माण योजना का हिस्सा भी नहीं था। पुराने लोकोमोटिव्स में शौचालय लगाने के लिए रेट्रोफिटिंग की जा रही है। इसके लिए डिज़ाइन में संशोधन भी किए जा रहे हैं।

जिन मार्गों पर भारी ट्रैफिक रहता है, वहाँ नए रनिंग रूम बनाए जा रहे हैं। इन प्रयासों से लोको पायलटो के वर्किंग आवर्स में उल्लेखनीय कमी आई है।

कोहरे में सुरक्षा के लिए फॉग- सेफ्टी उपकरण, कवच, ड्राइवर अलर्ट सिस्टम और इंप्रूव्ड ब्रेकिंग सिस्टम जैसी तकनीकों से रेलवे सेफ्टी बेहतर हुई है और लोको पायलटो को भी काफी सुविधा मिली है। ऑनबोर्ड सुविधाएँ, उन्नत तकनीकें और रेस्ट के लिए पर्याप्त समय से लोको पायलटो के कार्य वातावरण लगातार बेहतर हुए हैं।

मालगाड़ी सबअर्बन ट्रेन और पैसेंजर एवं मेल एक्सप्रेस गाड़ियों का परिचालन करने वाले लोको पायलटों के टॉयलेट ब्रेक और स्नेक्स हेतु व्यवस्था रहती है। माल गाड़ियां कई स्टेशनों और यार्ड में रुकती हैं। इन स्टेशनों पर पर्याप्त समय होता है जिससे कर्मचारी शौचालय का उपयोग कर सकते हैं। साथ ही यह समय नाश्ते के लिए भी उपयोग में लाया जा सकता है।सबअर्बन तथा मेट्रो ट्रेनों का परिचालन अल्प दूरी के लिए किया जाता है और इनके चालक दल टर्मिनल स्टेशनों पर शौचालय का उपयोग करते हैं।पैसेंजर ट्रेनों पर कार्यरत कर्मचारी स्टेशन पर ट्रेन के खड़े रहने के दौरान ट्रेन के शौचालय का उपयोग करते हैं और इस समय का उपयोग नाश्ते के लिए भी करते हैं। स्टेशन के कर्मचारी लोको पायलटों को सदेव सहयोग देते हैं। लोको पायलटो को वॉकी टॉकी की सुविधा भी दी गई है इसके द्वारा वह स्टेशन कर्मचारियों के संपर्क में रहते हैं।

निजामाबाद राजस्थानी ब्राह्मण समाज की शीतल जलशाला का हुआ उद्घाटन

निजामाबाद,18 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) । शहर के शिवाजी चौक पर स्थित एम बंसीलाल धर्म कांटे के सामने राजस्थानी ब्राह्मण समाज एवं ब्राह्मण युवा मंच की ओर से प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी चिलचिलाती धूप को ध्यान में रखते हुए सड़क मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों के सुविधार्थ शीतल जल शाला लगाई गई । जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि रूप में पधारे राजस्थानी ब्राह्मण समाज के प्रसिद्ध समाजसेवी श्री राधेश्याम जी शर्मा के करकमलों से फीता काट कर किया गया ।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम मुख्य अतिथि श्री राधेश्यामजी शर्मा का ब्राह्मण समाज के कार्यकारी अध्यक्ष सत्यनारायणजी नागला द्वारा शाल पुष्प गुच्छ भेंट कर किया गया । जलशाला के उद्घाटन के पूर्व शहर के प्रसिद्ध पुजारी वेद मूर्ति श्री गोपालजी व्यास के सानिध्य में मुख्य अतिथि राधेश्याम जी शर्मा द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार, पूजन एवं मां गायत्री की आरती की गयी ।

इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राधेश्याम जी शर्मा ने राजस्थानी ब्राह्मण समाज द्वारा किए जा रहे विभिन्न सेवाभावी कार्यक्रमों की भूरि भूरि प्रशंसा की ।इस अवसर पर राजस्थानी ब्राह्मण समाज के कार्यकारी अध्यक्ष श्री सत्यनारायण जी नागला ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने कार्यक्रम में पधारे समस्त राजस्थानी समाज बंधुओं के हार्दिक स्वागत किया ।इसी क्रम में शीतल जलशाला की व्यवस्था में विज्ञापनदाता श्री जुगल किशोर जी पवनजी गौड का संस्था के मंत्री जुगल किशोर जी पांडे ने शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया ।इसी क्रम में मंत्री जुगल किशोर जी पांडे कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि विगत तीन वर्षों से यहां शीतल जल शाला आप सभी के सहयोग से लगाई जा रही है । इतना ही नहीं ब्राह्मण समाज की एक मात्र से शीतल जलशाला है जिसमें म्युनिस्पल जल के बजाय मिनरल वाटर पिलाया जा रहा है ।ब्राह्मण युवा मंच के संचालक किशोर जी तिवारी ने अपने संबोधन में पधारे हुए समस्त अतिथिगणों का धन्यवाद प्रकट किया। इस अवसर पर राजस्थानी शिक्षा समिति के मंत्री श्रीवल्लभजी सारडा ने राजस्थानी ब्राह्मण समाज के सेवा कार्यक्रमों की प्रशंसा की ।राजस्थानी ब्राह्मण समाज के संरक्षक श्री घनश्याम जी व्यास ने संस्था के सेवा कार्यक्रमों की प्रशंसा की एवं पदाधिकारियों के कार्य शैली की प्रशंसा की ।अंत में कोषाध्यक्ष राजेश पुरोहित ने उपस्थितों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर ब्राह्मण समाज के कार्यकारी अध्यक्ष सत्यनारायण जी नागला, मंत्री जुगल किशोर जी पांडे , कोषाध्यक्ष राजेशजी पुरोहित, कार्यकारिणी सदस्य प्रवीण जी व्यास , सुनील जी मुंडेल ,महावीरप्रसाद जी दायमा, राजेंद्र जी पांडे , राजेश जी व्यास , गोपाल जी व्यास ,पवन जी गौड, मुकेश जी गौड संरक्षक घनश्याम जी व्यास ब्राह्मण युवा मंच संचालक किशोर जी तिवारी ,उप संचालक अनिल जी शर्मा, उपाध्यक्ष पवन जी उपाध्याय,उप मंत्री सीए शुभम जी दायमा , कोषाध्यक्ष रामजीवन जी व्यास, विकास जी व्यास, दिनेश जी पांडे , मनमोहन जी उपाध्याय, तरुण जी उपाध्याय ,नितेश जी जोशी एवं बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज एवं राजस्थानी समाज के बंधुगण उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के संयोजक रमेश जी दायमा ,सुरेश जी दायमा थे । मंच का सफल संचालन श्री सतीश जी व्यास ने किया।

इंदिराम्मा आवास निर्माण के विवरण में 'गलत जानकारी' देने के आरोप में बिल कलेक्टर को बर्खास्त कर दिया गया

हैदराबाद, 18 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने भद्राचलम में 12 लाभार्थियों द्वारा इंदिराम्मा घरों के निर्माण के संबंध में ऑनलाइन गलत जानकारी दर्ज करने के आरोप में एक बिल कलेक्टर की सेवाएं समाप्त कर दी हैं।बिल कलेक्टर पूसा जगदीश पर इंदिराम्मा आवास योजना के ऑनलाइन पोर्टल तक पहुंच बनाने और यह झूठा दावा करने का आरोप लगाया गया है कि 12 लाभार्थियों ने अपने इंदिराम्मा घरों के बेसमेंट का निर्माण कर लिया है, जबकि कोई निर्माण शुरू नहीं हुआ था।भद्राचलम

ग्राम पंचायत के कार्यकारी अधिकारी ने अनियमितताओं की जांच की, जो सही पाई गई।

पूसा जगदीश ने पंचायत राज के उच्च अधिकारियों से अनुरोध किया कि उन्हें छोड़ दिया जाए क्योंकि उन्होंने गलत विवरण दर्ज किया था और यह उनकी पहली गलती थी। हालांकि, उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं।

कांचा गच्चीबावली वन विनाश पर केंद्र की चुप्पी पर सवाल उठे

हैदराबाद, 18 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। कांग्रेस सरकार द्वारा हैदराबाद विश्वविद्यालय में 100 एकड़ वन भूमि को नष्ट करने पर देशव्यापी आक्रोश के बावजूद, केंद्र सरकार स्पष्ट रूप से चुप रही है, जिसकी कानूनी विशेषज्ञों, पर्यावरणविदों और नागरिक समाज ने तीखी आलोचना की है।

तीन दिनों में, रेवंत रेड्डी सरकार ने कथित तौर पर चौबीसों घंटे यूओएच से सटे 100 एकड़ के हरित क्षेत्र को नष्ट करने के लिए लगभग 400 बुलडोजर तैनात किए, जिससे वन, वन्यजीव और वित्तीय उल्लंघन के आरोप लगे। पुलिस ने छात्रों पर लाठीचार्ज किया और कई दिनों तक परिसर की घेराबंदी की, जबकि सरकार ने कथित तौर पर उचित प्रक्रिया का उल्लंघन करते हुए भूमि हस्तांतरण को आगे बढ़ाया।सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस सरकार के विध्वंस अभियान का स्वतः संज्ञान लिया और सभी अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के आदेश जारी किए। सर्वोच्च न्यायालय ने क्षतिग्रस्त वन भूमि को बहाल करने का निर्देश दिया है और चेतावनी दी है कि यदि उसके आदेशों का पालन नहीं किया गया तो राज्य के अधिकारियों को जेल की सजा हो सकती है। केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) ने सर्वोच्च न्यायालय को सौंपी गई अपनी 69 पन्नों की रिपोर्ट में अवैध भूमि हस्तांतरण, पर्यावरण उल्लंघन और वाणिज्यिक शोषण को भी चिन्हित किया है।हालांकि, ईडी, सीबीआई, आईटी और पर्यावरण एवं वन मंत्रालय जैसी केंद्रीय एजेंसियों ने कोई तत्परता नहीं दिखाई है। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद रेवंत रेड्डी सरकार के कार्यों की आलोचना की है, लेकिन शिक्षा मंत्रालय, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय या प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। हालांकि पर्यावरण एवं वन मंत्रालय ने तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है, लेकिन उसके बाद क्या हुआ, यह कोई नहीं जानता।केंद्र की पिछली तत्परता की तुलना में यह चुप्पी बहुत ज़्यादा है - छोटे-मोटे रेत घोटालों के लिए टीमें भेजना या सूरत में 10 लाख रुपये के आभूषण निर्यात की जांच करना। यहां तक कि बेंगलुरु में 50 करोड़ रुपये के वुल्फ-डॉग के वायरल वीडियो के कारण ईडी की जांच हुई।आलोचक केंद्र पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हैं। एक राजनीतिक विश्लेषक पूछते हैं, क्या भाजपा राजनीतिक सुविधा के लिए तेलंगाना में कांग्रेस सरकार को बचा रही है? कांचा गाचीबोवली मामले में कार्रवाई करने से दिल्ली को क्या रोक रहा है? कानूनी विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगर पूरी तरह से मुकदमा चलाया जाए तो इसमें शामिल लोगों को 40 साल तक की जेल हो सकती है।यहां तक कि स्थानीय भाजपा नेता भी हैरान हैं। एक भाजपा नेता ने पूछा, जब कांग्रेस सरकार के खिलाफ हमारी लड़ाई को यहां विश्वसनीयता की जरूरत है, तो दिल्ली चुप क्यों है?

समर्थकों ने मक्थल कांग्रेस विधायक को मंत्रिमंडल में शामिल करने की मांग की

हैदराबाद, 18 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी द्वारा नेताओं को सीमा न लांघने के स्पष्ट निर्देश के बावजूद, मंत्रिमंडल में जगह पाने के इच्छुक उम्मीदवार पार्टी नेताओं पर दबाव बनाना जारी रखे हुए हैं।मुनुगोडे विधायक कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी, मंचेरियल विधायक प्रेम सागर राव और इब्राहिमपटनम विधायक मालरेड्डी रंगा रेड्डी के बाद, अब मकथल विधायक वी श्रीहरि के समर्थक पार्टी नेतृत्व से कैबिनेट पद के लिए उनकी उम्मीदवारी पर विचार करने की मांग कर रहे हैं।मक्थल विधायक मुदिराज समुदाय से हैं और समुदाय के सदस्यों ने पार्टी नेतृत्व को चेतावनी दी है कि वह उनके मंत्री बनने के मार्ग में बाधाएं उत्पन्न न करें।मक्तल मुदिराज संघम और मक्तल कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा कथित रूप से जारी एक बयान में श्रीहरि के समर्थकों ने दावा किया कि नीलम मुदिराज को एमएलसी पद और अंततः एक मंत्रालय की पेशकश करने के प्रयास किए गए थे।हालांकि, एआईसीसी इन योजनाओं के खिलाफ थी। चुनाव से पहले और बाद में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने खुलेआम घोषणा की थी कि श्रीहरि को मंत्री बनाया जाएगा, लेकिन कोई कदम नहीं उठाया गया, यह बयान सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर खूब शेयर किया गया है।

बीआरएस ने ग्रुप-1 परीक्षा में विसंगतियों की जांच की मांग की

हैदराबाद, 18 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएस नेता ए राकेश रेड्डी ने ग्रुप-ख परीक्षा में अनियमितताओं पर तेलंगाना उच्च न्यायालय के फैसले को टीजीपीएससी के लिए करारा तमाचा बताया। उच्च न्यायालय के निर्देशों को उम्मीदवारों और बीआरएस के लिए नैतिक जीत बताते हुए उन्होंने ग्रुप-ख मुख्य परीक्षा को फिर से आयोजित करने या परीक्षा की कॉपियों का पुनर्मूल्यांकन करने की मांग की।

उन्होंने केंद्रीय एजेंसियों से न्यायिक जांच की भी मांग की।तेलंगाना भवन में मीडिया को संबोधित करते हुए राकेश रेड्डी ने ग्रुप-ख मुख्य परीक्षा के संचालन में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की ओर इशारा किया और परिणामों में 21 गंभीर उल्लंघनों और विसंगतियों का हवाला दिया।उन्होंने सवाल किया, परीक्षा उपस्थिति सूची में शामिल नहीं होने वाले 10 अतिरिक्त अभ्यर्थी अचानक अंतिम सूची में कैसे आ गए? क्या मेरिट सूची बदलने के लिए कोई साइबर हमला किया गया था? उन्होंने संदिग्ध पैटर्न में अंक दिए जाने पर भी संदेह जताया।बीआरएस नेता ने टीजीपीएससी के तर्कों का मज़ाक उड़ाया और इसके फ़ैसलों के लिए बहाने बनाए, जिसमें महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उनके लिए अलग परीक्षा केंद्र उपलब्ध कराना भी शामिल है।

उन्होंने पूछा, यूपीएससी में पुरुष और महिलाएँ एक साथ परीक्षा देते हैं। क्या इसका मतलब यह है कि तेलंगाना में महिलाओं की कोई सुरक्षा नहीं है?उन्होंने कांग्रेस सरकार पर याचिकाकर्ताओं को ब्लैकमेल करने और धमकाने का आरोप लगाया, जबकि उनके जैसे व्हिसलब्लोअर के खिलाफ कानूनी नोटिस थमाकर डर पैदा करने की रणनीति अपनाई। उन्होंने जोर देकर कहा कि न्याय मिलने तक बीआरएस अपनी लड़ाई जारी रखेगी।

मुख्यमंत्री ने जापानी व्यवसायों को तेलंगाना राइजिंग का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया

टोक्यो/हैदराबाद, 18 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य जीवन विज्ञान, वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी), इलेक्ट्रॉनिक्स, ईवी, ऊर्जा भंडारण, कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण, एआई डेटा केंद्र और लॉजिस्टिक्स जैसे कई प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में निवेश का समर्थन करने के लिए विश्व स्तरीय बुनियादी ढाँचा, कुशल प्रतिभा और स्पष्ट और सुसंगत नीतियाँ प्रदान करता है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा, आइए हम भारत, जापान और दुनिया के लिए कुछ असाधारण बनाएँ।

तेलंगाना राइजिंग के आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल ने टोक्यो के होटल इंपीरियल में एक उच्च-स्तरीय निवेश रोड शो की मेजबानी की, जिसमें राज्य के संपन्न औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रकाश डाला गया और जापानी व्यवसायों को इसके विकास में भागीदार बनने के लिए आमंत्रित किया गया। जापानी व्यापार समुदाय के 150 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने जापानी निवेशकों और व्यवसायों को तेलंगाना आने और निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया। कोनिचिवा, टोक्यो। नमस्कारम। मैं भारत के सबसे युवा और सबसे तेजी से विकसित हो रहे राज्य तेलंगाना के अपने लोगों की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं लेकर आया हूं। जापान को उगते सूरज की भूमि कहा जाता है। हमारे राज्य का विजन तेलंगाना का उदय है। आज, मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है- तेलंगाना उगते सूरज की भूमि में उग रहा है, श्री रेड्डी ने अपने संबोधन में कहा जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, रोड शो ने जापान के साथ टिकाऊ, नवाचार-संचालित साझेदारी बनाने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। रोड शो के बाद तेलंगाना प्रतिनिधिमंडल और जापान के शीर्ष व्यापारिक समूहों के बीच कई आमने-सामने की बैठकें हुईं।

भारत-जापान आर्थिक भागीदारी रोड शो में मुख्यमंत्री ने जापान इंक को बताया, तेलंगाना आएं, चीन +1 विकल्प खोजें। निवेश करें, फलें-फूलें, बढ़ें और सफल हों। हैदराबाद घर जैसा महसूस होगा। जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जेईटीआरओ) के महानिदेशक तोशीहिरो मिजुतानी ने तेलंगाना के साथ गहन सहयोग को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

सरकार की दो प्रमुख परियोजनाओं पर प्रचार वीडियो: प्रस्तावित फ्यूचर सिटी - भारत का पहला नेट ज़ीरो औद्योगिक शहर, और मूसी रिवरफ्रंट कायाकल्प परियोजना - भारत की सबसे बड़ी रिवरफ्रंट विकास परियोजनाओं में से एक - इस कार्यक्रम में जारी किए गए।

तीसरी शादी करने के लिए मां ने छह महीने की बेटी की हत्या की

मेदक, 18 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। एक महिला ने अपने पिता और चाची के सहयोग से अपनी छह महीने की बच्ची को मार डाला, क्योंकि बच्ची उसकी तीसरी शादी में बाधा बन रही थी।

मेदक पुलिस के अनुसार, सिलपीचेड मंडल के टोप्या थांडा की रहने वाली नुनावथ गायत्री ने तीन साल पहले नरसापुर मंडल के अधमापुर थांडा के एक व्यक्ति से शादी की थी। हालांकि, वह कुछ महीनों बाद ही उससे अलग हो गई। बाद में, उसने कुलचरम मंडल के सीताराम थांडा के एक अन्य व्यक्ति से शादी कर ली।

छह महीने पहले एक बच्ची को जन्म देने के बाद गायत्री का अपने दूसरे पति से मतभेद हो गया। हालांकि, गायत्री ने बच्ची के साथ अपने दूसरे पति को छोड़ दिया। जब उसके माता-पिता ने उसकी शादी दूसरे व्यक्ति से करने का फैसला किया, तो उसे लगा कि उसकी बेटी की देखभाल करने वाला कोई नहीं है।गायत्री ने अपने पिता रथला दीपला और अपनी मौसी भुली, जो पेशे से आंगनवाड़ी शिक्षिका है, की मदद से शिशु को मारने का फैसला किया। उन्होंने कथित तौर पर शिशु को चिलिपिचेड मंडल के चितकुल में श्री चामुंडेश्वरी देवी मंदिर के पास मंजीरा नदी में फेंक दिया। इस बीच, बच्चे के पिता ने कुलचरम मंडल में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की और पाया कि मां और उसके परिजन ही अपराधी हैं।आरोपियों को गुरुवार को मेडक की एक अदालत में पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.